रांची, रविवार

23.06.2024

वर्ष : 9, अंक : 202 पृष्ठ : 12

मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

खबरे हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

संक्षिप्त खबरें

कोडरमा के होटल में गोलीबारी, दो युवकों की मौत

कोडरमा। जिला मुख्यालय स्थित बाघीटांड के एक होटल में शनिवार रात करीब आठ बजे गोलीबारी में दो युवकों की मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार बाघीटांड में रांची पटना रोड के किनारे स्थित शांति मोटल में उक्त घटना हुई। दिन में हुए झड़प और विवाद के बाद रात के लगभग 8 बजे अपराधियों ने गोलीबारी की जिसमें जलवाबाद निवासी अमजार उर्फ राजन (32) और नसीम (40) की घटनास्थल पर ही मौत हो गयी। घटना के बाद इनमें एक को सदर अस्पताल ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद सभी अपराधी बिहार की तरफ भाग गए। बताया जाता है कि शाम को खाने के बाद विवाद हुआ था। अपराधी वहां से निकल कर तिलैया गए और फिर वापस आकर घटना को अंजाम दिया। होटल पहुंचे अपराधियों ने घटना के दौरान 5-6 गोली मार कर दो युवकों की हत्या कर दी गयी। दोनों युवक होटल के कर्मी बताए जाते हैं। इधर घटना के बाद स्थानीय लोगों ने पटना रांची रोड को जाम कर दिया।

बांग्लादेश की प्रधानमंत्री ने उपराष्ट्रपति धनखड़ से की मुलाकात

नई दिल्ली। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना ने शनिवार को उपराष्ट्रपति एनक्लेव में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने अपने गहरे ऐतिहासिक संबंधों को रेखांकित किया तथा आर्थिक एवं विकासात्मक साझेदारी, क्षेत्रीय संपर्क, हरित ऊर्जा, डिजिटल संपर्क, अंतरिक्ष सहयोग सहित विभिन्न मुद्दों पर विचार साझा किए। उल्लेखनीय है कि भारत में 9 जून को नई सरकार के गठन के बाद बांग्लादेश की प्रधानमंत्री की यह पहली राजकीय यात्रा है।

उत्तरी गाजा में इजराइल के हवाई हमलों में 39 लोगों की मौत

नई दिल्ली: उत्तरी में गाजा में शनिवार को इजराइल के हवाई हमलों में कम से कम से 39 लोगों की मौत हो गई। फलस्तीन और अस्पताल के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। गाजा शहर के अल-अहली अस्पताल के निदेशक फदेल नाईम ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि अस्पताल में तीन दर्जन से अधिक शव पहुंचे हैं। गाजा में मौजूद आपातकालीन समूह 'फलस्तीनी सिविल डिफेंस' ने कहा कि उसने गाजा शहर के पूर्वी इलाके में इजराइली हमले से प्रभावित एक इमारत से लगभग इतनी ही संख्या में शव निकाले हैं।

देवघर से छह आरोपित गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

नीट पेपर लीक मामला

देवघर/रांची। नीट प्रश्न पत्र लीक मामले के तार झारखंड से भी जुड़ने लगे हैं। इस मामले में बिहार पुलिस ने देवघर से छह आरोपितों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपित देवघर जिले के देवीपुर थाना क्षेत्र स्थित एम्स के नजदीक झुनू सिंह के मकान में किरायेदार बनकर रह रहे थे। सभी आरोपित पटना के शास्त्रीनगर थाना (काण्ड संख्या-358/2024) में दर्ज मामले में संदिग्ध हैं।

हालांकि, रेड करने आयी पटना पुलिस ने देवघर पुलिस को बताया था कि यह सभी साइबर ठगी के आरोपित हैं। देवघर पुलिस को शनिवार को इस बात का पता चला कि असल में सभी नीट पेपर लीक मामले में पकड़े गये हैं। गिरफ्तार आरोपितों में बिहार के नालंदा जिले के छविलापुर थाना क्षेत्र स्थित बलदार विगहा निवासी पंकु कुमार, परमजीत सिंह उर्फ बिट्टू, चिन्टु उर्फ बालदेव कुमार, नुरसराय थाना क्षेत्र के दरुआरा निवासी काजु उर्फ प्रशांत कुमार, एकंगरसराय थाना क्षेत्र के अजीत कुमार और राजीव कुमार उर्फ कारू शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक पेपर लीक के सरगना संजीव मुखिया के नीचे अमित आनंद और नीतीश काम कर रहे थे। अमित आनंद लाइजनर का काम करता है। नीतीश और अमित आनंद दोस्त हैं। सिकंदर ने अनुराग और आयुष जैसे कई अभ्यर्थियों को पास कराने का ठेका लिया था। चिंटू के मोबाइल पर पेपर के जवाब आए थे। चिंटू ने जवाब पिंटू को दिए और फिर प्रिंटर साथ लेकर चल रहे पिंटू ने सारे सवालों के जवाब प्रिंट किए। चिंटू-पिंटू के जरिए भेजे गए सवालों के जवाब रातों-रात पटना के लर्न एंड प्ले स्कूल भेजे गए, जहां पहले से मौजूद अनुराग और आ?ुष जैसे छात्रों ने जवाब का रट्टा मारा और अगली सुबह एग्जाम देने गए।

30 लाख में नीट पेपर खरीदा और 40-40 लाख में बेचा

नीट पेपर लीक मामले में गिरफ्तार सिकंदर यादवेंद्र मास्टरमाइंड बताया जा रहा है। पुलिस को पूछताछ में बताया कि उसने 30 से 32 लाख रुपये में पेपर की डील की थी। इसके बाद चार अभर्थियों को उसने पेपर 40-40 लाख रुपये में बेचा था। नीट का पेपर सबसे पहले झारखंड के हजारीबाग से लीक हुआ था। बताया गया है कि सिकंदर यादवेंद्र ने दानापुर पटना के आयुष कुमार, समस्तीपुर के अनुराग यादव, रांची के अभिषेक कुमार और गया के शिवनंदन कुमार को पेपर देने की बात कही थी। पांच मई को होने वाली नीट की परीक्षा के लिये सिकंदर यादवेंद्र ने चारों अभ्यर्थियों को चार मई की रात को पटना के रामकृष्णा नगर में जाकर पेपर सौंपा। उस वक्त अमित आनंद और नीतीश कुमार भी उनके साथ मौजूद थे।

इसके बाद रातभर सभी को पेपर रटवाया गया लेकिन पांच मई को पटना के बेली रोड से चारों अभ्यर्थियों को एक झारखंड नंबर की गाड़ी से हिरासत में ले लिया गया था। इसके बाद पेपर लीक के खुलासे हुए थे। जानकारी के मुताबिक सिकंदर का बेटा होमी आनंद का हरमू स्थित इन्फिनिटी स्पोर्ट्स नामक दुकान चलाता है। वहीं हाउसिंग कॉलोनी में सिंकदर का घर भी है।

नीट-यूजी पेपर लीक मामले की जांच सीबीआई को

नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले शिक्षा मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। केंद्र सरकार ने शनिवार रात घोषणा की कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट में कथित अनियमितताओं की जांच सीबीआई को सौंपी जाएगी। इससे पहले इस मामले से जुड़े घटनाक्रम के तहत कई कदम उठाए गए, जिसमें राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह को हटाना और परीक्षा सुधारों के लिए पूर्व इसरो प्रमुख के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में सात सदस्यीय समिति का गठन करना शामिल है। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ह्लपांच मई को आयोजित नीट-यूजी में कथित अनियमितताओं के कुछ मामले सामने आए हैं। परीक्षा प्रक्रिया के संचालन में पारदर्शिता के लिए यह निर्णय लिया गया कि मामले को व्यापक जांच के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दिया जाए।

प्रदीप सिंह खरोला बने एनटीए के महानिदेशक

नई दिल्ली : केंद्र सरकार की मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने शनिवार को केरल कैडर के 1985 बैच के आईएएस (सेवानिवृत्ति) श्री प्रदीप सिंह खरोला को महानिदेशक, राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी,शिक्षा मंत्रालय का प्रभार सौंपा है। वह वर्तमान में भारत व्यापार संवर्धन संगठन के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक हैं। उन्हें यह पदभार अगली स्थायी नियुक्ति या अगले आदेश तक प्रदान किया गया है। उन्होंने यह पदभार एनटीए के वर्तमान महानिदेशक श्री सुबोध कुमार सिंह, आईएएस के स्थान पर ग्रहण किया है।

जीएसटी काउंसिल की बैठक संपन्न, प्लेटफॉर्म टिकट पर नहीं लगेगी जीएसटी

एजेंसी

नई दिल्ली। माल एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद ने सौर कुकरों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने के निर्णय के साथ ही रेलवे की सेवाओं के साथ ही कई अन्य सेवाओं पर जीएसटी से राहत देने की सिफारिश की है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में परिषद की यहां हुयी 53वीं बैठक में ये निर्णय लिये गये।

बैठक के बाद सीतारमण ने संवादाताओं से कहा कि सभी सौर कुकरों पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगाने का निर्णय लिया गया है। परिषद ने सभी दूध के डिब्बों पर 12 प्रतिशत की एक समान दर निर्धारित करने की सिफारिश की है, जिसका अर्थ है स्टील, लोहा, एल्युमीनियम, चाहे किसी भी उपयोग में हो।

उन्हें दूध के डिब्बे कहा जाता है, लेकिन जहाँ भी उनका उपयोग किया जाता है, वही दर लागू होगी, ताकि इससे कोई विवाद उत्पन्न न हो। परिषद ने सभी कार्टन बॉक्स और पेपर बोर्ड के मामलों पर 12 प्रतिशत की एक समान जीएसटी दर निर्धारित करने की भी सिफारिश की है। इससे विशेष रूप से हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर के सेब उत्पादकों को मदद मिलेगी।

परिषद ने यह भी स्पष्ट किया और सिफारिश की कि स्पष्टीकरण दिया जाना चाहिए कि फायर वाटर स्प्रिंकलर सहित सभी प्रकार के स्प्रिंकलर पर 12 प्रतिशत जीएसटी लगेगा। सीतारमण ने कहा कि भारतीय रेलवे द्वारा आम आदमी को दी जाने वाली सेवाएँ, प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री, रिटायरिंग रूम की सुविधा, वेटिंग रूम, क्लोक रूम सेवाएँ, बैटरी चालित कार सेवाओं को जीएसटी से छूट दी जा रही है।

इसके अलावा, अंतर-रेलवे आपूर्ति को भी छूट दी जा रही है। शैक्षणिक संस्थानों के बाहर छात्रों के लिए छात्रावासों को भी छूट दी जा रही है। परिषद ने प्रति व्यक्ति प्रति माह 20,000 रुपये तक की आपूर्ति मूल्य वाली आवास सेवाओं को छूट देने की सिफारिश की है।

ये सेवाएँ न्यूनतम 90 दिनों की निरंतर अवधि के लिए दी जाती हैं। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय स्तर पर बायोमेट्रिक आधारित आधार प्रमाणीकरण की शुरूआत की जाएगी। इससे फर्जी चालान के जरिए किए गए धोखाधड़ी वाले इनपुट टैक्स क्रेडिट दावों से निपटने में मदद मिलेगी।

लोकसभा में 100 से भी कम सीट पाने वाली कांग्रेस इतरा रही: राजनाथ सिंह

एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ से सांसद व केन्द्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि कांग्रेस आज इतरा रही है जिन्हें लोकसभा में 100 से भी कम सीटें मिली हैं। उन्होंने कहा इस देश में 64 करोड़ लोगों ने मतदान किया है और भाजपा को इसमें से 23.59 फीसदी और कांग्रेस 13 फीसदी मत प्राप्त हुए हैं। हमारी एनडीए को 40 फीसदी वोट प्राप्त हुए हैं। वह गोमतीनगर विस्तार में आयोजित नागरिक अभिनन्दन समारोह को संबोधित कर रहे थे।

राजनाथ सिंह ने कहा कि सन् 1962 के बासठ वर्षों बाद पहली बार नरेन्द्र मोदी के रूप में पहली बार कोई व्यक्ति लगातार तीसरी बार भारत का प्रधानमंत्री बनने में सफल हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत में लोकसभा के लिए हुआ इस बार का चुनाव, देश के लोकतंत्र के सामर्थ्य को और उसकी मजबूत जड़ों की गहराई को दुनिया के सामने सामर्थ्य के साथ प्रस्तुत करता है। दुनिया के दूसरे देशों के राजनयिकों ने भारत के लोकतंत्र के सामर्थ्य को सराहा है और प्रशंसा की है। इस चुनाव में देश के 64 करोड़ से ज्यादा लोगों ने मतदान किया है। इसमें भाजपा को 23.59 करोड़ और कांग्रेस को 13.67 करोड़ वोट मिले।

रक्षामंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जितना विकास पिछले दस वर्षों में किया है वह तो बस ट्रेलर है। विकास की पूरी पिक्चर हमें आगे देखने को मिलेगी। पिछले दस साल वाकई अभूतपूर्व है। इस समय भारत की ग्रोथ रेट दुनिया में सबसे अधिक है। पिछले दस वर्षों में हमारा निर्यात बढ़ा है। पिछले दस वर्षों में अवसर और आय दोनों बढ़े हैं।

मोदी राज में बर्बाद शिक्षा व्यवस्था का नमूना है नीट परीक्षा स्थगित होना : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट को स्थगित करने पर मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए आज कहा कि मोदी शासन में शिक्षा व्यवस्था पूरी तरह चौपट हो गई है इसलिए इस तरह के दुर्भाग्यपूर्ण निर्णय लिये जा रहे हैं। श्री गांधी ने कहा अब नीट पीजी भी स्थगित। यह नरेन्द्र मोदी के राज में बर्बाद हो चुकी शिक्षा व्यवस्था का एक और दुर्भाग्यपूर्ण उदाहरण है। भाजपा राज में छात्र अपना करियर बनाने के लिए पढ़ाई नहीं, अपना भविष्य बचाने के लिए सरकार से लड़ाई लड़ने को मजबूर है। उन्होंने कहा अब यह स्पष्ट है-हर बार चुप- चाप तमाशा देखने वाले मोदी पेपर लीक रैकेट और शिक्षा माफिया के आगे पूरी तरह से बेबस हैं। नरेन्द्र मोदी की अक्षम सरकार स्टूडेंट्स के भविष्य के लिए सबसे बड़ा खतरा है - हमें देश के भविष्य को उससे बचाना ही होगा। कांग्रेस पार्टी ने भी अपने आधिकारिक ट्वीट हैंडल पर कहा अब नीट-पीजी की परीक्षा भी रद्द हो गई। इससे पहले पेपर लीक की वजह से यूजीसी-नेट की परीक्षा भी रद्द हुई थी। नीट को लेकर देश के युवा सड़कों पर प्रदर्शन कर ही रहे हैं। मोदी सरकार-पेपर लीक सरकार बन चुकी है।

खाद्य महंगाई के कारण खुदरा मुद्रास्फीति में कमी की रफ्तार सुस्त: आरबीआई गवर्नर

एजेंसी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने इस महीने की शुरूआत में नीतिगत दर पर फैसले के समय कहा था कि समग्र खुदरा मुद्रास्फीति में धीमी रफ्तार से गिरावट के लिए खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतें जिम्मेदार हैं। शुक्रवार को जारी इस बैठक के विवरण से यह तथ्य सामने आया।

आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की जून की शुरूआत में हुई बैठक में लगातार आठवीं बार मानक ब्याज दर रेपो को 6.25 प्रतिशत पर बनाए रखने के पक्ष में बहुमत से फैसला किया गया था। समिति के चार सदस्य यथास्थिति के पक्ष में थे जबकि दो सदस्य कटौती करना चाहते थे। एमपीसी बैठक के विवरण के मुताबिक, बैठक में दास ने कहा था कि मुख्य खुदरा मुद्रास्फीति कम हो रही है, लेकिन इसकी गति धीमी है और मुद्रास्फीति में गिरावट का अंतिम चरण धीरे-धीरे और लंबा खिंचता जा रहा है।

गवर्नर ने बैठक में कहा, मुद्रास्फीति की धीमी रफ्तार के पीछे मुख्य कारक खाद्य मुद्रास्फीति है। आपूर्ति पक्ष से बार-बार आने वाले और एक-दूसरे पर हावी होने वाले झटके खाद्य मुद्रास्फीति में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं।₹ उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि आखिरकार सामान्य मानसून ही प्रमुख खाद्य वस्तुओं में मूल्य दबाव को कम कर सकता है।

बड़े अनुकूल आधार प्रभावों के कारण अप्रैल-जून तिमाही में खुदरा मुद्रास्फीति अस्थायी और एक बार के लिए आरबीआई की लक्षित दर से नीचे जा सकती है। हालांकि चालू वित्त वर्ष की तीसरी और चौथी तिमाही में इसमें दोबारा तेजी भी देखने को मिल सकती है। एमपीसी के सदस्य शशांक भिडे, आरबीआई के कार्यकारी निदेशक राजीव रंजन, डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा और खुद दास ने रेपो दर को 6.50 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने के लिए मतदान किया। वहीं समिति के बाहरी सदस्यों- आशिमा गोयल और जयंत आर वर्मा ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत कटौती की वकालत की थी।

भारत-बंगलादेश गंगा जल संधि की समीक्षा करेंगे, बंगलादेशी नागरिकों को इलाज के लिए ई-वीजा मिलेगा

एजेंसी

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत और बंगलादेश गंगा जल संधि की समीक्षा करने पर सहमत हुए हैं और बंगलादेश से चिकित्सा के लिए भारत आने वालों के लिए ई-वीजा की सुविधा दी जाएगी।

श्री मोदी ने विकास कार्यों में भारत का सबसे बड़ा भागीदार बताते हुए कहा कि बंगलादेश के साथ अपने संबंधों को भारत अत्यधिक प्राथमिकता देता है। श्री मोदी भारत की दो दिन की यात्रा पर नयी दिल्ली आयीं बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना और उनके प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत के बाद एक साझा संवादाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

श्रीमती हसीना की इस माह यहां की दूसरी यात्रा है। वह श्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भी आयी थीं।

उन्होंने बताया कि दोनों देश डिजिटल प्रौद्योगिकी, समुद्र और अंतरिक्ष क्षेत्र की पहलों और रक्षा उत्पादन तथा मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में सहयोग के विस्तार पर सहमत हुए हैं।

श्री मोदी ने बंगलादेश के संस्थापक राष्ट्रपति बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान के स्थिर, समृद्ध और प्रगतिशील बंगलादेश के सपने को साकार करने में, भारत के सहयोग की प्रतिबद्धता को दोहराया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि 2026 में बंगलादेश अल्प विकसित देश की श्रेणी से निकल कर विकासशील देश बनने जा रहा है। उन्होंने बंगलादेश की इस प्रगति में श्रीमती हसीना के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा, सोनार बंगला को नेतृत्व देने के लिए मैं प्रधानमंत्री शेख हसीना जी का अभिनन्दन करता हूँ।

श्रीमती हसीना के साथ संबंधों की प्रागढ़ता को रखांकित करते हुए श्री मोदी ने कहा, पिछले लगभग एक वर्ष में, हम दस बार मिले हैं। लेकिन आज की मुलाकात विशेष है, क्योंकि हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल में प्रधान मंत्री शेख हसीना जी हमारी पहली राजकीय अतिथि हैं।

श्री मोदी ने कहा, बंगलादेश हमारी सबसे पहले पड़ोसी पॉलिसी, पूर्व के देशों के साथ काम करने की नीति पॉलिसी, सागर (क्षेत्र में सभी देशों के लिए सुरक्षा और समृद्धि) और एशिया प्रशांत क्षेत्र के बारे में भारत से सपने और पहल के संगम पर स्थित है।

उन्होंने कहा कि भारत और बंगलादेश ने पिछले एक ही वर्ष में साथ मिल कर लोक कल्याण के अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाएं को पूरा किया है।इस संबंध में उन्होंने अखौड़ा से अगरतला के बीच भारत-बंगलादेश के बीच छठे सीमा-पारीय रेल मार्ग सम्पर्क, खुलना-मोंगला बंदरगाह से भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए मालवहन सुविधा, मोंगला बंदरगाह को रेल से जोड़ने की परियोजना तथा 1320 मेगावाट क्षमता के मैत्री थर्मल पावर प्लांट के दोनों यूनिट्स से बिजली उत्पादन शुरू किए जाने का उल्लेख किया।

श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच अब भारतीय रुपये में व्यापार की शुरूआत भी हो चुकी है।भारत-बंगलादेश के बीच, गंगा नदी पर, दुनिया की सबसे लंबी नीदी क्रूज सेवा को सफलतापूर्वक पूरा किया गया है।भारत-बंगलादेश के बीच पहली सीमापारीय मैत्री गैस पाइपलाइन भी पूरी की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि भारतीय ग्रिड से होते हुए, नेपाल से बंगलादेश तक बिजली निर्यात, ऊर्जा क्षेत्र में उप-क्षेत्रीय सहयोग का पहला उदाहरण बना है।

संक्षिप्त खबरें

रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में गुरु हरगोविंद देव जी के प्रकाश उत्सव को लेकर सजा विशेष दीवान

रामगढ़(बिभा): रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में विशेष दीवान सजाया गया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में गुरु हरगोविंद देव जी के प्रकाश उत्सव लेकर यह दीवान सजाया गया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब में सुबह 7:30 बजे सहज पाठ का समाप्ति हुई पश्चात 10:30 बजे से लेकर 2:00 बजे तक विशेष कीर्तन दीवान का आयोजन किया गया। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब की हेड ग्रंथि बाबा गुरजीत सिंह ने सिख इतिहास के बारे में जानकारी दी। पश्चात पटियाला से आए हजूरी रागी भाई जसकरण सिंह ने अपने मधुर शब्द गायन से संगत को निहाल किया। ₹मेरी पटिया लिख दो श्री गोपाल₹ ₹सबना का मां पियो आप है₹₹आपे इक रंग है आपे बहू अंगीर₹ जैसे सब्दो को सुनकर संगत निहाल हुए। रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब की हजूरी रागी भाई सरबजीत सिंह ने भी शब्द गायन कर संगत को निहाल किया। गुरु हरगोविंद सिंह के प्रकाश उत्सव को लेकर एक दिन पहले भी गुरुद्वारा साहिब में विशेष दीवान सजाया गया था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से रामगढ़ गुरुद्वारा साहिब के प्रधान परमदीप सिंह कालरा ,अमित प्रधान, अमरजीत सिंह सैनी, हैप्पी छाबड़ा, कुजू गुरुद्वारा के पूर्व प्रधान रामदयालु सिंह चोपड़ा, जोगिंदर सिंह जग्गी, कुलवंत सिंह मरवाह, गुरजीत सिंह सलूजा, अनु कलर बनी गांधी, अनमोल सिंह, आनंद पुपिंदर सिंह, खंबे परमिंदर जैसल, हरप्रीत सिंह खालसा, मनमोहन सिंग लांबा, नरेंद्र सिंह चौहान सतपाल सिंह सलूजा मनप्रीत कौर सोनी सतविंदर कौर सोनी,बलविंदर कौर रविंदर कौर परमजीत भूषरी चरणजीत कौर जोली रंजू अरोड़ा जसमीत कौर सोनी निकी लंबा सुमी जोली उपस्थित थे ।

गलत रिपोर्ट पर बने राशनकार्ड धारकों से जुर्माना वसूलते हुए कानूनी कार्रवाई करे : उपायुक्त

रामगढ़(बिभा)। उपायुक्त रामगढ़ चंदन कुमार की अध्यक्षता में समाहरणालय सभाकक्ष में जिला आपूर्ति कार्यालय द्वारा किए जा रहे कार्यों से सम्बंधित समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्रीमती रंजीता टोप्पो ने उपायुक्त को धान आदि प्राप्ति के विरूद्ध किए गए भुगतान की जानकारी दी। जिसपर उपायुक्त ने शेष बचे किसानों को जल्द से जल्द भुगतान करने का निर्देश दिया। गरीब एवं योग्य लोगों को राशन कार्ड के लाभ से आच्छादित करने के लिए उपायुक्त ने वैसे लाभुक जो राशन कार्ड का लाभ प्राप्त करने की योग्यता नहीं रखते हैं उसके बावजूद भी राशन कार्ड का लाभ ले रहे हैं उनके विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने एवं उनसे जुमार्ना वसूलते हुए कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को विशेष कैंप आयोजित कर राशन कार्ड के लाभुकों का लंबित आधार सीडिंग एवं मोबाइल सीडिंग को जल्द से जल्द पूर्ण करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने सोना सोबरन धोती साड़ी योजना, हरा राशन कार्ड, मुख्यमंत्री मंत्री दाल-भात योजना आदि की समीक्षा करते हुए कई महत्वपूर्ण निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान अपर समाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, अंचल अधिकारी चितरपुर, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों, एसएमपीओ सहित अन्य उपस्थित थे।

वंडरलैंड स्कूल में बाल समिति का गठन

मांडर(बिभा)। कंदरी स्थित वंडरलैंड स्कूल में शनिवार को बाल समिति का गठन किया गया। निदेशक मो० नेशार आलम ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम से बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है। उन्हें कुछ अच्छा करने की प्रेरणा मिलती है। इस उपलक्ष्य में कार्यक्रम का हर्षोल्लास से किया गया। आयोजन बड़ी फार्यक्रम में बाल समिति के सदस्यों को बैच आवंटित किया गया। साथ ही आर्ट एड क्राफ्ट में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। बाल सर्मीति में सगुन कुमारी (कैप्टन), रुद्र कुमार व शबाब सरवर (उप-कप्तान), सिमरन, सूरज, नमीता, पिडु, रिचभ, उमर, नदीम अनस व अम्मारी तकदीस का (वालंटीयर) का पद प्रदान किया । फाइनल परीक्षा में अंक लाने वाले विद्यार्थियों को भी मेडल से सम्मानित किया गया। कक्षा प्रथम के फैजल खान, अक्षत राज, कक्षा दो के अंजर अंसारी, थ्री के असजद अंसारी, कक्षा सात के जेबा अर्शी निगारिस व आउ की आयत परवीन,मिराब फिरदौस ने अपनी कलाकारी से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम का समापन करते हुए कार्यक्रम को सफल बनाने में अनामिका राज, पुष्पांजली साहु, ज्योति, रफत आरा आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा ।

राहे प्रखंड के सिरिडीह गांव के एक टोली में दो साल बाद लगा ट्रांसफार्मर

राहे(बिभा)। प्रखंड क्षेत्र के सीरिडीह गांव के एक टोली में साल बाद ट्रांसफार्मर लगा के बिजली जलाई गई। टोली में बिजली आने से लोग काफी खुश नजर आए। इस टोली में दो साल पहले ट्रांसफार्मर खराब हुआ था।कुछ तकनीकी कारणों से टोली में ट्रांसफार्मर में नही लग पाया। सिरीडीह गांव आदिवासी बहुल क्षेत्र है।इधर ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव के बाद केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ से ट्रांसफार्मर लगाने की मांग किया। राज्य मंत्री के पहल टोली में ट्रांसफार्मर लगा और शनिवार को सांसद प्रतिनिधि सह मंडल अध्यक्ष चित्तरंजन महतो ने ट्रांसफार्मर का स्विच ऑन कर उद्घाटन ग्रामीणों के साथ किए। मौके पर राहे शक्ति केंद्र के सह संयोजक गंगाधर साव, होटलो शक्ति केंद्र के सह संयोजक अर्जुन स्वांसी, प्रहलाद महतो,सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे ।

80 प्रतिशत पूरी होनी वाली योजनाओं से जलापूर्ति शुरू करें

बिभा संवाददाता

- कोताही बरतने वाले संवेदक कंपनियों को बर्खास्त करने का आदेष
- कांटाटोली फ्लाईओवर का काम 31 जुलाई तक पूरा करने का फैसला
- पीएमएवाई के लाभुको प्रोत्साहित करने के लिए आवास मेला लगाने का सुझाव
- रांची, मानगो, गिरिडीह और धनबाद शहर की जलापूर्ति का पेयजल विभाग से हैंडओवर लेने का आदेश

रांची। नगर विकास एवं आवास विभाग के सचिव अरवा राजकमल ने जुडको के अधिकारियों को निर्देष दिया है कि शहरी पेयजलापूर्ति की योजनाओं के तहत जिनका काम 70 से 80 प्रतिषत तक पूरा हो गया है, उनसे जलापूर्ति शुरू करा दिया जाये बषर्ते जलषोधन संयंत्र और इंटेक वेल बन गया हो। श्री राजकमल शनिवार को जुडको के सभागार में योजनाओं की समीक्षा करते हुये यह निर्देष दिया। इसके साथ ही यह भी निर्देष दिया कि कांटाटोली फ्लाईओवर का काम हर हाल में 31 जुलाई तक समाप्त कर अगस्त के प्रथम सप्ताह में उदघाटन कराया जाये।

उन्होंने रांची के रविंद्र भवन का भी काम अगस्त माह के अंत तक पूरा करने का निर्देष दिया। योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही समस्याओं के समधान के लिए स्थानीय उपायुक्तों एवं अन्य विभागों के साथ समन्वय बनाकर काम में तेजी लाने का भी निर्देष दिया। सचिव ने कहा कि शहरी प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभुको को आवास लेने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देष्य से निकायों में आवास मेला लगाया जाये।

श्री राजकमल ने कहा कि पेयजल एवं स्वच्छता विभाग से समन्वय स्थापित कर आदित्यपुर की भांति रांची, मानगो, धनबाद एवं गिरिडीह की पेयजलापूर्ति संचालन के लिए जुडको को हैंडओवर लेने का आदेष दिया। सचिव ने रांची पेयजलापूर्ति फेज -एक के राइजिंग पाइप बिछाने के लिए वैकल्पिक मार्ग पर काम शुरूकर यथासंभव पेयजलापूर्ति शुरू की जाये। रांची में जहां जहां फ्लाईओवर नहीं बन रहा हो वहां पथ निर्माण विभाग से बात कर वहां फुटओवर ब्रिज बनाने की दिषा में पहल करने का आदेष दिया।

स्मीक्षा बैठक में सचिव ने धनबाद और जमषेदपुर में ट्रांसपोर्ट नगर विकसित करने के लिए संबंधित उपायुक्त से पत्राचार कर जमीन मुहैया कराने की पहल करने का निर्देष दिया। यह भी निर्देष दिया कि जो योजनाएं 80 प्रतिषत पूरी हो गयी हैं,उन्हें मानव शक्ति लगाकर शतप्रतिषत पूरा किया जाये।

स्चिव ने कड़ा रूख अपनाते हुये कहा कि जो संवेदक एजेंसियां निर्धारित समयावधि में निर्धारित कार्य नहीं कर पायीं हो उनसे स्पष्टीकरण पूछ कर जमानत राषि जब्त कर उन्हें बर्खास्त करने का भी काम किया जाये। साथ ही बर्खास्त कंपनियों की जगह पर नया टेंडर निकाला जाये।

मदरसा तथा मध्यमा परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्र से 100 मीटर के दायरे में धारा 144 रहेगा लागू

बिभा संवाददाता

पलामू : मदरसा तथा मध्यमा परीक्षा 2024 को देखते हुए मेदिनीनगर सदर अनुमंडल दण्डाधिकारी श्री अनुराग कुमार तिवारी ने मदरसा परीक्षा के लिए 25 जून 2024 से 4 जुलाई 2024 तथा मध्यमा परीक्षा के लिए 25 जून 2024 से 2 जुलाई 2024 तक के लिए चार परीक्षा केंद्रों के आसपास के 100 गज की परिधि में धारा 144 लागू कर दी है। इस बाबत उन्होंने आदेश जारी करते हुए बताया कि परीक्षा में कदाचार रोकने एवं सुरक्षा को लेकर धारा 144 लागू की गई है। इस दौरान परीक्षा केंद्र परिसर से 100 गज की दूरी में अभिभावक या किसी अन्य को रहने की अनुमति नहीं होगी। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि के अंतर्गत पांच अथवा पांच से अधिक व्यक्तियों द्वारा मजमा लगाकर चलने पर प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि के अंदर कोई भी व्यक्ति घातक हथियार लाठी (बुढ़ा एवं अपंग) को छोड़कर भला, गड़ासा, छूरा,अग्नेयास्त्र लेकर नहीं चलेगा। इसके साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास बिना अनुमति के लाउडस्पीकर का प्रयोग भी वर्जित रहेगा। इसके अलावा परीक्षा के दौरान परीक्षा केंद्रों पर प्रतिनियुक्त पदाधिकारी,वीक्षक,परीक्षार्थी, पुलिस बल को छोड़कर किसी भी व्यक्ति को परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में जाने पर प्रतिबंध रहेगा। परीक्षा केंद्रों के 100 मीटर की परिधि में कोई भी व्यक्ति अनावश्यक नहीं रहेगा या चिट-पुर्जा, प्रश्नपत्र वितरित नहीं करेगा। यह निषेधाज्ञा सिर्फ परीक्षा केंद्रों पर निर्धारित तिथि को ही लागू होगा।

सदर अनुमंडल क्षेत्र में मदरसा परीक्षा 2024 के कुल 04 केंद्र 1.आर0के0 श्री सदगुरू प्रताप हरि प्लस टू उच्च विद्यालय, चैनपुर, 2.बी0सी0सी0 मिशन बालिका उच्च विद्यालय, आबादगंज,3.आर0के0 रामधारी उच्च विद्यालय, रजवाडीह,4.प्रोजेक्ट राजमाता प्रफुल मंजरी बालिका उच्च विद्यालय चैनपुर में बनाए गए हैं। वहीं मध्यमा परीक्षा 2024 के लिए सदर अनुमंडल क्षेत्र में कुल 04 केंद्र 1.गणेश लाल अग्रवाल उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर, 2 सर्वोदय बालिका उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर,3. गिरिवर प्लस टू उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर, 4.ब्राहमण प्लस टू उच्च विद्यालय, मेदिनीनगर में बनाए गए हैं।

इन केंद्रों के आसपास असामाजिक तत्वों की ओर से परीक्षा संचालन में व्यवधान उत्पन्न होने की आशंका रहती है। इसी के मद्देनजर एसडीओ ने निषेधाज्ञा लागू की है।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के समन की अवहेलना मामले में झारखंड हाई कोर्ट में सुनवाई 12 जुलाई को

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन द्वारा समन की अवहेलना मामले में एमपी-एमएलए कोर्ट में चल रहे मामले को निरस्त करने का आग्रह करने वाली याचिका की सुनवाई शनिवार को हुई। मामले में कोर्ट के संज्ञान आदेश को चुनौती दी गई है। हेमंत सोरेन की ओर से कोर्ट से समय की मांग की गई। कोर्ट ने उनके आग्रह को मंजूर करते हुए मामले की अगली सुनवाई 12 जुलाई को निर्धारित की। कोर्ट ने मामले में ईडी को भी जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। हेमंत सोरेन की ओर से ईडी द्वारा दर्ज शिकायतवाद को निरस्त करने का आग्रह किया गया। हेमंत सोरेन की ओर से कहा गया है कि ईडी के जिस समन पर नहीं गए थे उसका उन्होंने जवाब दे दिया था। इसके बाद वह समन लैप्स कर गया था। नए समन पर हेमंत सोरेन के ईडी के समक्ष उपस्थित हुए थे और समन का अनुपालन किया था।

वित्त रहित शिक्षा कर्मियों ने विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को ज्ञापन सौंपा

बिभा संवाददाता

चान्हो/मांडर। वित्त रहित संयुक्त संघर्ष मोर्चा के आह्वान पर शनिवार को सभी वित्त रहित इंटर कॉलेज और हाई स्कूल के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर विधायक शिल्पी नेहा तिर्की से मिलकर शनिवार को ज्ञापन सौंपा। कर्मियों की मांगे थी कि वित्त रहित इंटर कॉलेज और उच्च विद्यालय के सभी शिक्षा कर्मियों को तत्काल सरकारी तौर पर नियमित मिया जाय। साथ ही जब तक कर्मी नियमित नहीं हो जाते तब तक अनुदान राशि में 80 प्रतिशत की वृद्धि की जाए। कर्मियों की मांग पर विधायक ने कहा कि आप सब की मांगे जायज है। आपकी बात को झारखंड के मुख्यमंत्री के समक्ष रखी जाएगी और यदि संभव हो तो इस बात को सदन में भी उठाया जा सकता है। घेराव कार्यक्रम में शहीद वीर बुधु भगत इन्टर कॉलेज चान्हो, संत अन्ना इंटर कॉलेज मांडर, लापुंग इंटर कॉलेज लापुंग आदि के कर्मी पहुंचे थे। कार्यक्रम में डॉ सुशील कुमार मिंज, उमेश कुमार, डॉ बीरसो उरांव, वित रहित संयोजक सफीउल्लाह अंसारी, उप प्राचार्य मोहसिन खान, शिक्षक प्रतिनिधि सुकरमनी उरांव, आशा कुमारी, साबिर अंसारी, जमाल अंसारी, आफताब आलम, अनिल खलखो, सुमन उरांव, हसीब, लालदेव, कृष्ण उरांव सहित अन्य उपस्थित थे।

आजसू पार्टी की स्थापना दिवस बलिदान दिवस रूप मे मनाया गया

बिभा संवाददाता

चान्हो। प्रखंड के बीजुपाडा के समीप स्मार्ट बैंक्वेट हॉल में आजसू पार्टी की 38वीं स्थापना दिवस सह बलिदान दिवस का आयोजन किया गया।मुख्य अतिथि के रुप में जिला परिषद अध्यक्षा निर्मला भगत उपस्थित हुई । कार्यक्रम की शुरूआत झारखंड आंदोलनकारियो और अपनी जान निछावर करनेवालों के बलिदान को याद कर किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए निर्मला भगत ने कहा कि आजसू पार्टी शुरू से ही झारखंड अलग राज्य की मांग की। कार्यकताओं ने अपने तन मन धन लगाकर झारखंड को आज अलग कराया। इसलिए आजसू पार्टी ही झारखंड का भला कर सकती है। वहीं आजसु के केंद्रीय सचिव आशुतोष तिवारी ने कहा कि आजसू पार्टी 9 अगस्त को पूरे झारखंड में विश्व आदिवासी दिवस को व्यवस्थित रूप से जगह-जगह मनाएगी । साथ ही झारखंडियों के हर समस्या का समाधान करने के लिए आजसू ने कॉल सेंटर की भी व्यवस्था की है। जिस तरह से पार्टी की लोकप्रियता बढ़ रही हैआनेवाले समय में आजसू पूरे झारखंड में अपना परचम लहराएगी। सभा को आदिल अजीम, परमेश्वर भगत, वरिष्ट कार्यकर्ता चिंटू मिश्रा, राजकुमार सिंह, बीडी महतो समेत अन्य लोगों ने भी संबोधित किया। इससे पहले सभी अतिथियों को माला पहनकर और पार्टी का पत्ता उड़ा कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम के अंत में आगंतुकों को एक पौधा दिया गया। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष कमलू साहू ने किया। मौके पर जितेंद्र उरांव मुन्ना पांडे रामदयाल साहू, गोलू कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

रामगढ़ चैम्बर का 31 वां वार्षिक आम सभा संपन्न

व्यवसायियों और डॉक्टरों से मांगी जा रही रंगदारी: मनीष जायसवाल

बिभा संवाददाता

रामगढ़: जिले का प्रसिद्ध व्यावसायिक संस्थान रामगढ़ चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज का 31वां वार्षिक आम सभा शनिवार को रामगढ़ चैंबर भवन में संपन्न हुआ' आम सभा के उद्घाटन सत्र में बातौर मुख्य अतिथि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल,विशिष्ट अतिथि रामगढ़ की विधायक सुनीता चौधरी और किशोर मंत्री उपस्थित हुए। कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर किया गया।

रामगढ़ चैंबर भवन में रामगढ़ चैंबर आफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के 31वे वार्षिक आमसभा की अध्यक्षता चेंबर अध्यक्ष विनय कुमार अग्रवाल ने किया। संचालन विवेक अग्रवाल ने किया वहीं मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल को पूर्व अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने चेंबर का ज्ञापन सौंपा। चेंबर के सभी पूर्व अध्यक्षों ने विधायक सुनीता चौधरी को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। वही इस मौके पर बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हजारी बाग के नवनिर्वाचित सांसद मनीष जायसवाल और फेडरेशन चेंबर के अध्यक्ष किशोर मंत्री को भी प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया।

रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आम सभा को संबोधित करते हुए सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि जिस राज्य में विधि व्यवस्था अच्छी नहीं हो वहां उद्योग धंधा चलाना बहुत मुश्किल होता है। उन्होंने कहा कि राज्य में अपराधियों का बोलबाला है। व्यवसाययों और डॉक्टरों से रंगदारी मांगी जा रही है। उन्होंने कहा कि आज धनबाद में ऐसी घटना घटी है। कल रामगढ़ में भी ऐसी घटना घट सकती है। उन्होंने कहा कि झारखंड में कहीं भी व्यवसाईयों या अन्य लोगों के साथ अपराधी घटनाएं घटती है तो इसका विरोध होना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भी राज्य में पूंजी निवेश तब होता है जब वहां विधि व्यवस्था अच्छी और शांति रहती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक स्थिति और लोगों की चाहत से उद्योग धंधे लगते और चलते हैं।

फेडरेशन चैंबर ऑफ झारखंड के अध्यक्ष किशोर मंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि रामगढ़ चेंबर का हमेशा सहयोग और साथ मिलता रहा है। उन्होंने कहा कि फेडरेशन चैंबर रामगढ़ से 2 दिन सप्ताह में राजधानी और 2 दिन बंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की मांग किया है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में बंद पड़े खदानों और उद्योगों के विकास के लिए सरकार से बातचीत कर रहे हैं। किशोर मंत्री ने कहा कि अभी हम लोगों ने मुख्यमंत्री से वार्ता किया है। रामगढ़ की समस्याओं को रखा है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि आप अपनी समस्याओं को लेकर रामगढ़ के उपायुक्त से मुलाकात करें।

रामगढ़ चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के आम सभा में गोविंद लाल अग्रवाल,रमन मेहरा,अशोक कुमार जैन, आनंद कुमार अग्रवाल, प्रदीप कुमार सिंह,दुर्गा प्रसाद सिंह,मनजी सिंह,कुंटू बाबू, इंद्रपाल सिंह सैनी, विमल बुधिया,तेजिंदर सिंह सोनी, विष्णु पोद्दार,रविंद्र साहू, श्याम सुंदर परशुरामपुरिया, आनंद सराफ,सुरेश पी अग्रवाल, परशुराम शाह, बालकिशन जालान, निश्चित निश्चल,अमित साहू, मुरारी लाल अग्रवाल,मानू चतुवेर्दी, सरदार अनमोल सिंह,प्रो संजय सिंह, धनंजय कुमार पुटुस,विनय कुमार सिंह,विजय जायसवाल,पंकज साहा,रमिद्र सिंह रम्मी, शंकर मिश्रा आदि उपस्थित थे।

मादक द्रव्यों के इस्तेमाल के विरुद्ध राज्य के सभी स्कूलों में चलाया गया महाअभियान

बिभा संवाददाता

रांची : मादक द्रव्यों/नशीले पदार्थो के इस्तेमाल/सेवन के विरुद्ध आज राज्य के सभी सरकारी/गैर सरकारी सहायता प्राप्त/गैर सहायता प्राप्त/अल्पसंख्यक एवं निजी विद्यालयों के बच्चो ने महाअभियान में हिस्सा लिया। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, झारखंड सरकार एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के निदेर्शानुसार आज राज्य के सभी जिलों के विद्यालयों में प्रातः 7 बजे प्रभात फेरी निकाली गयी। जिसमे स्कूली बच्चो ने संदेशात्मक तस्वीरों, स्लोगन, पोस्टर के माध्यम से नशे के विरुद्ध सामाजिक चेतना को जगाने का प्रयास किया। बच्चो ने स्कूलों के आसपास के क्षेत्रों में रैली निकालकर नशे के विरुद्ध संदेशवाहक नारे लगाए और आम लोगो से भी नशे के विरुद्ध इस अभियान में शामिल होने की अपील की। आज लाखो की संख्या में छात्रों ने इस अभियान में शामिल होकर नशे के विरुद्ध आवाज बुलंद की। स्कूलों में प्रभात फेरी के बाद स्लोगन मेकिंग, पेंटिंग और स्पीच प्रतियोगिता भी आयोजित की गयी, जिसमे छात्रों ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और अपनी वैचारिक प्रतिभा को सबके सामने रखा। इस महाअभियान के तहत दिनांक 24 जून, 2024 को विद्यालयों द्वारा साइकल रैली निकाली जायेगी, जिसमे बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे शामिल होकर मादक द्रव्यों/नशीले पदार्थो के विरुद्ध समाज में जागरूकता फैलाएंगे।। दिनांक 25 जून, 2024 को प्राथना सभाओ में नशे के विरुद्ध जागरूकता संदेश पढ़ा जायेगा। इस अभियान का समापन दिनाक 26 जून, 2024 को विश्व नशा निवारण दिवस के दिन होगा। इस दिन विभिन्न प्रतियोगिताओ में विजयी बच्चो को विद्यालय स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा, साथ ही विद्यालयों में नशे के विरुद्ध संकल्प सभा भी होगी।

चुनावी वादों और सिद्धांतों से समझौता करके सत्ता का सुख मेरे डीएनए में नही : अमित

नवप्रदेश संवाददाता

सिल्ली : सिल्ली के पूर्व विधायक सह खतियानी झारखंडी पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष अमित कुमार महतो एक शादी समारोह में शामिल होने के पश्चात कहा हक के लिए बोलना और लड़ना हर व्यक्ति का अधिकार है जनता राजनीतिक दलों को अपना बहुमूल्य वोट भी इसलिए देती है की वे जनता से किया गया वादा पूरा करें। चुनाव जीतकर चुनावी वादों और सिद्धांतों से समझौता करके सत्ता का सुख भोगना मेरे डीएनए में नही हैं। कुछ राजनीति करने वाले लोग सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए लम्बी चौड़ी, बड़ी बड़ी बातें करते है लेकिन बाद में जनता से किए वादे भूल जाते है। आज थाना से लेकर ब्लॉक तक भ्रष्टाचार चरम पर है बैगर पैसा का कोई काम नही हो रहा है जनता शोषित और त्रस्त है सुनने वाला कोई नही।

संक्षिप्त खबरें

सदर अस्पताल में मरीज के दो हर्निया का एक साथ हुआ ऑपरेशन

रांची (बिभा): सदर अस्पताल के लेप्रोस्कॉपी सर्जरी विभाग में लेप्रोस्कोपिक विधि से एक ही मरीज के दो हर्निया का एक साथ ऑपरेशन किया. जमशेदपुर की रहने वाली 35 वर्षीय महिला काफी दिनों से पेट दर्द और सूजन से परेशान थी. जांच करने पर पता चला कि उनके पेट में एक इंसीजनल और दूसरा अंबिलिकल हर्निया है. दोनों हर्निया एक-दूसरे से काफी दूर थीं. डॉ अजीत ने बताया कि सभी जांच करने के बाद दोनों हर्निया का 21 जून को ऑपरेशन किया गया. डॉ अजीत ने बताया कि इनसीजनल हर्निया मरीज के सिजेरियन ऑपरेशन के बाद हुआ था. हर्निया में आंत के कुछ अंश जाकर फंसे थे. जिसकी वजह से पेट में बहुत दर्द होता था. उसमें दो छेद पाये गये, एक छेद में आंत फंसा हुआ था. जिसका ऑपरेशन टैप विधि से किया गया. दूसरा हर्निया नाभि के पास था. जिसमें नीचे के आंत आकर पूरी तरह से चिपक गया था, जिसे आईपोम प्लस विधि से ऑपरेट किया गया. बता दें पहले हर्निया के मरीज को रांची से रेफर कर दिया गया था. वेलोर में इस ऑपरेशन का तीन लाख खर्च बताया गया था. इसके बाद आयुष्मान योजना के तहत रांची के सदर अस्पताल में इसका निशुल्क इलाज हुआ. ऑपरेशन करने वाली टीम में लेप्रोस्कोपिक सर्जन डॉक्टर अजीत कुमार ,एनेस्थेटिक डॉ दीपक ओटी असिस्टेंट संदीप, नंदिनी, शशि और नीरज मौजूद थे. इस पूरे ऑपरेशन में अस्पताल प्रबंधन का विशेष सहयोग मिला.

सीएमपीडीआई के डिस्पेंसरी में स्वच्छता अभियान चलाया गया

रांची (बिभा): सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/सीआरडी) श्री शंकर नागाचारी ने चल रहे स्वच्छता पखवाड़ा के हिस्से के रूप में संस्थान के डिस्पेंसरी में स्वच्छता अभियान एवं कचरे के निपटान का नेतृत्व किया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 श्रीमती शिल्पी स्वरूप, उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सीमा कुमारी कच्छप सहित महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण, वरीय अधिकारी और कर्मचारीगण ने इस अभियान में भाग लिया और कचरे निपटान में अपना सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त, सीएमपीडीआई (मुख्यालय)-रांची और इसके क्षेत्रीय संस्थानों द्वारा विभिन्न गतिविधियां भी चलायी गयीं जैसे लोहरा कोचा गांव, रांची, धनबाद तथा येन्सा और बोरदा ग्राम पंचायत-महाराष्ट्र में जूट बैग के वितरण, वहीं क्षेत्रीय संस्थान-1-आसनसोल तथा क्षेत्रीय संस्थान-2-धनबाद द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। धनबाद में एकल उपयोग प्लास्टिक पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन और कूड़ेदान का वितरण किया गया जबकि क्षेत्रीय संस्थान-5-बिलासपुर के अधीनस्थ सिंहपुर कैम्प द्वारा मास्क और सैनिटाईजर का वितरण तथा प्लास्टिक के हानिकारक प्रभावों पर लोगों को जागरूक करने के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया। भारत सरकार के ह्यस्वच्छ भारत मिशनह्ल के तहत, कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों स्वच्छ और स्वच्छ भारत के महात्मा गांधी के सपने को साकार करने के लिए 16 से 30 जून, 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा मना रही है।

आदिवासी सरना धर्म संरक्षण समिति की बैठक संपन्न

रांची (बिभा): मोराबादी स्थित पद्श्री डॉ० रामदयाल मुण्डा पार्क में आदिवासी सरना धर्म संरक्षण समिति के तत्वावधान में धूमकुड़िया भवन,करमटोली, रांची में आयोजित आदिवासी सरना धर्म की कार्यकर्ता सम्मेलन को लेकर सभी प्रमुख कार्यकताओं की बैठक में आदिवासी सरना झंडे का राजनीतिक और अवांछित इस्तेमाल करने, कलसा/ रंपा-चंपा का दुरुपयोग किये जाने आदि विषयों पर चर्चा होगी। इस कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के आदिवासी संगठनों/सरना समितियों और आदिवासी बुद्धिजीवियों सामाजिक कार्यकताओं को आमंत्रित किया गया है। इस तैयारी बैठक में आदिवासी समन्वय समिति के सयोजक लक्ष्मीनारायण मुण्डा,सरना सदान मुलवासी मंच के अध्यक्ष सुरज टोप्पो,कांके रोड सरना समिति के अध्यक्ष डब्लू मुण्डा,वीर बिरसा मुण्डा स्मारक समिति के कार्यकारी अध्यक्ष अमित मुण्डा,आदिवासी युवा शक्ति के अध्यक्ष दिनेश मुण्डा,मुड़हर पहाड़ बचाओं समिति के दरिद्र चन्द पहान,आदिवासी छात्र संघ नेता अमरदीप मुण्डा,मोहन तिर्की,मिथिलेश कुमार आदि मौजूद थे।

आजसू पार्टी के स्थापना दिवस पर सम्मानित किए गए अधिवक्ता

रांची (बिभा): आजसू पार्टी की अनुषंगी इकाई अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ ने आज न्यू बार भवन में आजसू पार्टी का स्थापना दिवस बलिदान दिवस के रुप में मनाया। इस अवसर पर झारखंड राज्य के निर्माण में शहादत एवं बलिदान देने वाले महापुरुषों को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस अवसर पर अखिल झारखंड अधिवक्ता संघ के प्रधान महासचिव भरत चन्द्र महतो के द्वारा संघ के सदस्यों की अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर संघ के प्रधान महासचिव भरत चन्द्र महतो, उपाध्यक्ष रेखा वर्मा, निरंजन राम, विजय कुमार गुप्ता, शिव कुमार यादव, आरती ललन गुप्ता, मेघा नैया, स्वीटी सिंह, वर्षा सिंह, अंजता कुमारी, सोनी लकड़ा,जीतेश्वरी, अनामिका शर्मा, अंजु बाला पाहन, अर्चना वर्मा समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित थे।

बलिदान और संघर्ष हमारा स्वाभिमान, संवारेंगे झारखंडी अरमान : सुदेश महतो

बिभा संवाददाता

रांची : आजसू पार्टी ने युवाओं को समर्पित बलिदान दिवस के रूप में आजसू का स्थापना दिवस राज्यभर में मनाया। इस दौरान सभी विधानसभा क्षेत्रों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो तमाड़ और सिल्ली विधानसभा में आयोजित बलिदान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि बलिदान और संघर्ष हमारा स्वाभिमान है। हम सभी कार्यकताओं को मिलकर झारखंडी अरमानों को पूरा करने की दिशा में संकल्पबद्ध होकर कार्य करना है। राज्य की अस्मिता की रक्षा का दायित्व हमारे कंधों पर है।

बलिदान दिवस पर हम राज्य के युवाओं को झारखंड अलग राज्य आंदोलन के इतिहास से रूबरू कराने के साथ ही इस आंदोलन में अपनी महती भूमिका निभाने वाले आंदोलनकारियों को सम्मानित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता समाज और संगठन के प्रति सभी दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा से करें।गौरवशाली अतीत और संघर्ष से समझौता नहीं, हम बदलेंगे राज्य के हालात। बदली परिस्थितियों में हमें एक अच्छे और बेहतर झारखंड का निर्माण करना है। आजसू के कार्यकताओं को अपने संघर्ष और एकजुटता को धार देना होगा।

मौके पर उन्होंने सभी वीर जुझारू साथियों, कार्यकताओं, समर्थकों को जोहार एवं नमन करते हुए कहा कि आज का दिन हम सभी कार्यकताओं के लिए गर्व, अभिमान और सम्मान का दिन है। दशकों से चले आ रहे अलग राज्य आंदोलन को आजसू के युवाओं ने अपने जोश, जज्बे और बलिदान के दम पर मुकाम पर पहुँचाने का काम किया। अब फिर से राज्य की मौजूदा राजनीतिक हालात को बदलने और झारखंड को विकास की पटरी पर वापस लाने के लिए हमें एक साथ काम करना है।

बलिदान दिवस पर हर विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम के दौरान झारखंड अलग राज्य आंदोलन में अतुल्य योगदान देने वाले सभी आंदोलनकारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शामिल हुए क्षेत्र के युवाओं को आंदोलनकारियों ने अपने संबोधन के माध्यम से आंदलोन के महत्व और इतिहास की जानकारी दी। इस कार्यक्रम का उद्देश्य राज्य के युवाओं को इस ऐतिहासिक गौरव गाथा से जोड़ना और आंदोलनकारियों के बहुमूल्य विचारों को एकत्रित कर उनके अंदर राज्य के प्रति एक नई ऊर्जा का संचार करना था। साथ ही इस दौरान झारखंड आंदोलन में अपने प्राणों की आहूति देने वाले वीर शहीदों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की गई।

आजसू पार्टी द्वारा हर विधानसभा में मनाए गए बलिदान दिवस कार्यक्रम में वीडियो चित्रण के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को झारखंड अलग राज्य आंदोलन की पीड़ा, वेदना, संघर्ष, जुनून, जज्बे से अवगत कराया गया। इस वीडियो चित्रण को लेकर पार्टी अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने कहा कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन के वीर आंदोलनकारियों के बलिदान को हम कभी भी भुला नहीं सकते। युवा राज्य के भविष्य हैं। युवाओं को राज्य के वर्तमान के साथ-साथ हमारे गौरवशाली इतिहास से जोड़ना हमारा उद्देश्य है। यह वीडियो प्रस्तुति दशकों तक चले इस संघर्ष की एक झलक भर है। इस प्रस्तुति के माध्यम से हमारा मकसद राज्य के युवाओं को राज्य स्थापना से जुड़े स्वर्णिम इतिहास से रूबरू करवाना है।

बलिदान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण को स्वच्छ रखने और वर्तमान के साथ-साथ आने वाली पीढ़ी को एक बेहतर भविष्य देने के उद्देश्य से आजसू के कार्यकताओं ने हर विधानसभा क्षेत्र में पौधारोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

इस दौरान तमाड़ और सिल्ली - सुदेश कुमार महतो, गोमिया और डुमरी - डॉ. लंबोदर महतो, रामगढ़ - चंद्र प्रकाश चौधरी और सुनीता चौधरी, मांडू - चंद्र प्रकाश चौधरी और निर्मल महतो (तिवारी महतो), टुंडी और चंदनकियारी - उमा कांत रजक, जुगसलाई - राम चन्द्र सहिस, खिजरी -हसन अंसारी, कांके - राजेन्द्र मेहता, बड़कागांव - रौशन लाल चौधरी, सिसई, गुमला, बिसुनपुर- डॉ. देव शरण भगत, हुसैनाबाद - कुशवाहा शिव पूजन मेहता, लोहरदगा- डॉ. देव शरण भगत और नीरू शांति भगत, ईचागढ़- हरेलाल महतो, हजारीबाग - विकास राणा, बरही - राज सिंह चौहान, मांडर - निर्मला भगत, हटिया- भरत काशी, चतरा - अशोक गहलोत, सिमरिया- गणेश गंझू, लातेहार- लाल गुड्डू नाथ सहदेव, गढ़वा - सतीश प्रसाद, जमुआ - दिनेश राणा, बेरमो - काशीनाथ सिंह, जमशेदपुर पूर्वी और पश्चिमी सपन सिंह देव और कन्हैया सिंह, पोटका- डोमन टुडु, सरायकेला - रविशंकर मौर्य, धनबाद - बिनय सिंह, कोडरमा- राज कुमार मेहता, सिंदरी और निरसा - राधेश्याम गोस्वामी, देवघर - राजा सैनी, मधुपुर- महेश राय, दुमका, जामा, शिकारीपाड़ा - अजय सिंह, नाला- जोबा रानी पाल और राजेश महतो, जगरनाथपुर- डॉ रीना गोड्सरा, छतरपुर- संजय रंजन सिंह, गोड्डा- सुरेश महतो, जामताड़ा - तरुण गुप्ता, पाकुड़-आलमगीर आलम, राजमहल- चुतरानंद पांडेय, बहरागोड़ा- फणी भूषण महतो रांची - जितेंद्र सिंह सहित विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आजसू पाटी के पदाधिकारी, नेता तथा कार्यकताओं द्वारा बलिदान दिवस मनाया गया।

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने कल्याण विभाग से संबंधित सभी योजनाओं की समीक्षा की

बिभा संवाददाता

रांची : उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा ने शनिवार को कल्याण विभाग से सम्बंधित समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पी.डी.आई. टी. डी. ए. रांची, संजय कुमार भगत एवं कार्यपालक अभियंता एनआरइपी रांची, सागर प्रताप एवं अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष-2023-24 प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति एसटी/एससी/ओबीसी छात्रवृत्ति के बारे में समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारियों से जानकारी ली गई। जानकारी दी गई कि वित्तीय वर्ष-2023-24 में 1 लाख 47 हजार 954 छात्र/छात्राओं को भुगतान कर दिया गया है। ओबीसी कैटिगरी में आवंटन प्राप्त होने पर भुगतान किया जाएगा । जिसपर उपायुक्त रांची द्वारा आवंटन प्राप्त होने पर भुगतान तुरंत करने का निर्देश दिया गया।

समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एसटी/एससी/ओबीसी के समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष-2023-24 में सम्बंधित अधिकारी से जानकारी प्राप्त की, जिसमें उनके द्वारा बताया गया कि कुल-1 लाख 29 हजार 01 सौ आवेदन प्राप्त किये गये हैं, जिनके सत्यापन के उपरांत इसका भुगतान जिला स्तरीय समिति से अनुमोदन उपरांत भुगतान किया जाएगा। उपायुक्त द्वारा सत्यापन के उपरांत जल्द भुगतान कर देने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने वित्तीय वर्ष- 2020-21 से 2022-23 तक कक्षा 08 में पढ़ने वाले छात्र/छात्राओं को राशि दिए जाने को लेकर जानकारी मांगी। जिसपर सम्बंधित अधिकारी द्वारा जानकारी दी गई कि कुल- 01 करोड़ 16 लाख का भुगतान हो गया है। बाकी अवशेष छात्रों को पीएफएमएस में मैपिंग कर भुगतान करने का निर्देश दिया।

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा वित्तीय वर्ष 2023-24 में अवशेष जो लाभुक है, उन्हें जल्द से जल्द साईकिल वितरण कराने का निर्देश दिया गया। अभी कुल-1915 छात्रों को अब तक साईकिल वितरण किया जा चुका है। (वित्तीय वर्ष-2021-22 एवं 2023-24)।

उपायुक्त ने बिरसा आवास निर्माण योजना की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारी से जानकारी ली। जिसपर उनके द्वारा बताया गया कि 23 लाभुकों का बिरसा आवास स्वीकृत है, जिसपर उपायुक्त द्वारा सम्बंधित अधिकारी से जल्द कार्य पूरा कराने का निर्देश दिया गया।'

उपायुक्त रांची, श्री राहुल कुमार सिन्हा द्वारा सरना/मसना/कब्रिस्तान/घेराबंदी योजना की समीक्षा करते हुए सम्बंधित अधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि अपूर्ण योजनाओं को अगले 02 माह में पूरा कराना सुनिश्चित करें।

विधायक कल्पना सोरेन ने गाण्डेय में किया कार्यालय का उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची/गाण्डेय : गाण्डेय की विधायक कल्पना सोरेन के द्वारा गाण्डेय प्रखंड कार्यालय में ऑफिस का उद्घाटन किया किया गया। तत्पश्चात प्रखंड सभागार में प्रखंड के अधिकारियों के साथ बैठक आहूत की गई , बैठक में गाण्डेय विधायक द्वारा अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिये गये तथा ब्लॉक में चल रहे तमाम सरकारी योजनाओं में तेजी लाने का सख़्त निर्देश दिया । बैठक में राज्यसभा सांसद डॉ० सरफराज अहमद, गिरिडीह के माननीय विधायक सुदिव्य कुमार सोनू की गरिमामयी उपस्थिति रही ।

जमीन कारोबारी कमलेश के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज

रांची। जमीन कारोबारी कमलेश कुमार के खिलाफ कांके थाना में आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। कमलेश के ठिकानों पर शुक्रवार को केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की थी। उसके ठिकानों से ईडी ने एक करोड़ रुपए और 100 कारतूस बरामद किये थे। जमीन कारोबारी कमलेश कुमार पर आरोप है कि फर्जी दस्तावेज के सहारे उसने जमीन की खरीद बिक्री की। इस मामले में ईडी की ओर से उसे कई बार समन जारी किए गए, लेकिन वह एक बार भी पूछताछ के लिए हाजिर नहीं हुआ। कमलेश कुमार लगातार प्रवर्तन निदेशालय से समय मांगता रहा। बाद में वह फरार हो गया। हालांकि, एक कार्यक्रम के दौरान वह रांची में देखा गया था। इसके बाद शुक्रवार (21 जून) को ईडी ने उसके ठिकानों पर छापेमारी की। छापेमारी में उसके घर से 1 करोड़ रुपए नकद और 100 कारतूस बरामद हुए। इसके बाद शनिवार (22 जून) को राजधानी रांची के कांके थाना में उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर लिया गया।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने की घोषणा, सितंबर में रांची में होगा खिलाड़ियों का जुटान

सांसद खेल महोत्सव के माध्यम से जुटेंगे लोकसभा के खिलाड़ी

2036 में झारखंड की सशक्त भागीदारी होगी सुनिश्चित।

बिभा संवाददाता

रांची। रांची में सांसद खेल महोत्सव 2024 का आयोजन 20, 21 और 22 सितंबर 2024 को किया जाएगा। रांची लोकसभा क्षेत्र स्तरीय होने वाले इस महोत्सव में दर्जन भर खेल शामिल होंगे। इसका आयोजन का उद्देश्य 2036 में भारत में होने वाले ओलंपिक में झारखंड से अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करना है। इस निमित्त आयोजित बैठक में केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सह स्थानीय सांसद श्री संजय सेठ ने तैयारी का जायजा लिया। यह महोत्सव झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। केंद्रीय राज्य मंत्री ने बताया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का सपना है कि 2036 में होने वाले ओलंपिक में भारत के खिलाड़ी अधिक से अधिक पुरस्कार जीते। अपनी सशक्त भागीदारी निभाएं। प्रधानमंत्री जी के इसी सपने को पूरा करने के उद्देश्य से रांची में 20, 21 और 22 सितंबर 2024 को संसद खेल महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य आयोजन मोराबादी मैदान, रांची विश्वविद्यालय मैदान के आसपास ही होगा। इस बार सांसद खेल महोत्सव में अधिक से अधिक महिला खिलाड़ियों की भागीदारी हो, इस तरफ भी विशेष तैयारी की जा रही है। नए खिलाड़ियों को भरपूर अवसर दिया जाएगा।

सांसद खेल महोत्सव में आयोजित कराये जाने वाले खेल :
एथलेटिक्स, वुशु, फेंसिंग, कुश्ती, कबड्डी, मालखम्ब, तिरंदाजी, महिला क्रिकेट, महिला फुटबॉल, महिला हॉकी, योग, शतरंज, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपक टकरा, ताइक्वांडो।

बैठक में पूर्व राज्यसभा सांसद श्री अजय मारु, झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के महासचिव डॉ मधुकांत पाठक, संदीप वर्मा, चंचल भट्टाचार्य,संजीव वर्मा,एस के पांडे, जगदीश सिंह जग्गू, शिवेंद्र दुबे,मिथलेश कुमार सिंह, परमेश्वर महतो, रामप्रसाद, प्रभाकर वर्मा,संजय झा, आदित्य कुमार सिंह, एस डी सिंह उपस्थित थे।

ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन को लेकर रेल मंत्री को दिया ज्ञापन

बिभा संवाददाता

रांची : नई आरंभ हुई ट्रेन सं0 18427 आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस (बोकारो) के मार्ग में परिवर्तन कर हजारीबाग टाउन होते हुए परिचालित करने के लिए दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी सदस्य अरूण जोशी ने रेल मंत्री को पत्राचार किया। यह कहा कि इस ट्रेन को मूरी, बरकाकाना, हजारीबाग टाउन होते हुए कोडरमा होकर चलाया जाय। इससे रांची-कोडरमा रेल लाइन का फायदा यहां की जनता को मिलेगा। श्री जोशी ने कहा कि हजारीबाग झारखण्ड का एक महत्वपूर्ण शहर है किंतु यह जिला लंबी दूरी की रेल सुविधा से अभी तक वंचित है। जिस प्रकार ओड़िसा के गरीब और पिछड़े क्योंझर जिले को नई दिल्ली की ट्रेन मिली, उसी प्रकार झारखंड के अति पिछड़े जिले हजारीबाग को भी नई दिल्ली के साथ साथ पुरी, भुवनेश्वर और कानपुर जैसे बड़े शहरों के लिए सीधी ट्रेन मिल जाएगी तो पूरे छोटानागपुर प्रमंडल का भला हो जाएगा। ऐसा करने से समय-सारणी में भी अधिक बदलाव करने की जरूरत नहीं है। मुरी से बोकारो के रास्ते कोडरमा तक की दूरी 179 किमी की है और हजारीबाग के रास्ते यह दूरी 195 किमी की है, स्पष्टतः इस दूरी में मामूली अंतर की आवश्यकता है। रेल मंत्री को प्रेषित पत्र के माध्यम से उन्होंने नई आरंभ होनेवाली ट्रेन पुरी दर्शन नगर एक्सप्रेस (साप्ताहिक) के मार्ग में भी परिवर्तन कर वाया हजारीबाग टाउन होकर परिचालित करने का आग्रह किया। यह कहा कि इस ट्रेन के मार्ग में परिवर्तन करके परिचालित करने से हजारीबाग को भी अयोध्या के साथ साथ पुरी, भुवनेश्वर और वाराणसी जैसे बडे आध्यात्मिक शहरों के लिए सीधी ट्रेन मिल जायेगी। विदित हो कि इन दोनों ही ट्रेनों के मार्ग में परिवर्तन के लिए जेडआरयूसीसी के सदस्य द्वारा चेयरमेन रेलवे बोर्ड के अलावा झारखण्ड के सांसदों को भी पत्र प्रेषित किया गया है।

25 जून से 24 जुलाई तक हाउस टू हाउस सर्वे: उपायुक्त

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शनिवार को विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम 2024 से संबंधित बैठक आयोजित किया गया। इसमें उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन, विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी भी उपस्थित थे।

इस दौरान राहुल कुमार सिन्हा द्वारा राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों को भारत निर्वाचन आयोग की ओर से मतदाता सूची प्रकाशन को लेकर प्राप्त निर्देशों की विस्तार से जानकारी दी गयी। बताया गया कि एक जुलाई को अहर्त्ता तिथि मानते हुए 25 जुलाई से मतदाता सूची का द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम की शुरूआत हो रही है। इसके अंतर्गत मतदाता सूची प्रारूप का प्रकाशन 25 जुलाई को होगा। दावा और आपत्ति दाखिल करने की तिथि 25 जुलाई से नौ अगस्त तक रहेगी। विशेष अभियान तिथि 27 एवं 28 जुलाई और 03 एवं 04 अगस्त को तय है। दावों और आपत्तियों का निपटारा 19 अगस्त तक होगा। मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन भी इसी दिन होगा।

डीसी ने बताया कि इस दौरान एक जुलाई को अर्हता तिथि मानते हुए 18 वर्ष पूरे करने वाले नये मतदाताओं को मतदाता सूची से जोड़ना है। साथ ही शिफ्टेड, डुप्लीकेट और मृत मतदाताओं का सत्यापन करते हुए मतदाता सूची से उनका विलोपन नियमानुसार सुनिश्चित करना है। डीसी ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से ज्यादा से ज्यादा योग्य नागरिकों के मतदाता सूची में नाम जुड़वाने में सहयोग मांगा।

राहुल कुमार सिन्हा द्वारा बताया गया कि 25 जून से 24 जुलाई तक बीएलओ द्वारा हाउस टू हाउस सर्वे का कार्य किया जायेगा। मतदाता सूची के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान सभी बीएलओ को रंगीन मतदाता सूची दी जायेगी। इससे मिलान करते हुए पुराने लेमिनेटेड कार्ड को बदलने का कार्य किया जाना है, इस दौरान इस बात का भी ध्यान रखा जाना है कि नयी सूची में यदि किसी का फोटो साफ नहीं दिख रहा तो वैसे कार्ड को भी बदलना है। इस संबंध में डीसी द्वारा सभी संबंधित आरओ, एईआरओ को पंचायत एवं वार्ड स्तर पर बीएलओ के साथ बैठक करने का निदेश दिया गया।

उपायुक्त ने सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से हाउस टू हाउस सर्वे का अपने स्तर से प्रचार और इसमें सहयोग की अपील की और कहा कि सभी राजनीतिक दल अपने स्तर से लोगों को बतायें कि मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम के दौरान जिन मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में नहीं है अथवा किसी प्रकार का सुधार करवाना है। वे अविलंब ऑनलाइन माध्यम से अथवा अपने बीएलओ से मिलकर अपना आवेदन समर्पित करें, ताकि आगामी विधानसभा चुनाव में वे अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें। सभी विधानसभा क्षेत्रों में बूथों की संख्या बढ़ाने को लेकर भी उपायुक्त द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये।

शपथ पत्र

मैं परमेश्वर साहु, पिता स्व नन्दकिशोर साहु, निवासी ग्राम घाघरा पोस्ट-घाघरा, थाना-घाघरा, जिला-गुमला, झारखंड क्रमांक संख्या 189/2024 दिनांक 19-06-2024 द्वारा अपने पुत्र सुरज कुमार गुप्ता के द्वारा किया गया कोई भी कार्य के लिए मैं या मेरी पत्नी अन्य पुत्र एवं पुत्री एवं रिश्तेदारों का कोई दायित्व नहीं होगा। अपने द्वारा किया गया कोई भी कार्य के लिए वह स्वयं उत्तरदायी होगा।

संघर्ष और बलिदान के कारण मिला झारखंड राज्यः सचिन महतो

बिभा संवाददाता

बोकारो : आजसू पार्टी का झारखंड राज्य गठन से पहले और गठन के बाद के बाद तक संघर्ष और त्याग का इतिहास रहा है। एक लंबी लड़ाई लड़कर अलग राज्य हासिल किया है ।आजसू के लिए गौरव का पल तब होगा जब यहां के जनमानस के अनुरूप राज्य को देश के नक्शे पर उभरने में हम सभी कामयाब होंगे ।उक्त बातें आजसू पार्टी के जिलाध्यक्ष सचिन महतो ने आजसू पार्टी के स्थापना दिवस पर दीपाजंलि पैलेस,चास में कही ।उन्होंने कहा कि पार्टी आज पूरे राज्य में स्थापना दिवस को बलिदान दिवस के रूप में मना रही है ।जिस झारखंडी विचारधारा को लेकर आजसू की नींव रखी गई थी,उस विचारधारा को सुरक्षित रखना हमारा कर्तव्य है ।यहां की जनता के संघर्ष, अधिकार,भावनाओ और सपने को साकार करने के लिए पार्टी सदा संघर्षरत रहेगी ।कहा कि आजसू से आम जनमानस की उम्मीदें है ।हम विकास और झारखंडी विचारधारा की राजनीति करते है ।इसलिए कार्यकर्ता जनभावना के अनुरूप चलें ।पार्टी के नीति व सिद्धांत को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लें ।इस दौरान पार्टी के महापुरुषों को याद किया गया एवं झारखंड आंदोलनकारी को पुष्प गुच्छ एवं अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया तथा वृक्ष रोपण का कार्यक्रम किया गया।

मौके पर झारखंड आंदोलनकारी पार्वती चरण महतो, अरुण कुमार महतो, कुमोद चंद्र महतो, रूपलाल महतो, शंकर महतो, महादेव महतो, उमेश महतो, फलारी महतो, सुभाष चंद्र महतो, टेकलाल महतो, सुभाष चंद्र महतो को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर अध्यक्ष अभय शर्मा तथा संचालन अल्पसंख्यक मोर्चा उपाध्यक्ष अहमद सौदागर और नगर महासचिव बिरेंद्र हरि ने किया।

कार्यक्रम भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के महानगर उपाध्यक्ष अंकित पांडे ने समर्थको के साथ पार्टी की सदस्यता ग्रहण की।

मौके पर केंद्रीय सचिव अश्वनी महतो, मो. सुल्तान, जिला कार्यकारी अध्यक्ष अशोक महतो, उपाध्यक्ष अनिल झा,संतोष कुमार महतो, जिला सचिव बंकू बिहारी सिंह, विकाश महथा,संगठन सचिव अजय गोस्वामी, युवा मोर्चा अध्यक्ष तापेश मेहता, चास नगर सचिव मोहित सिंह, अमर पाल, कामेश्वर प्रसाद गुप्ता, विश्वनाथ गोराई, भीम महतो, मुन्ना ओझा, लक्ष्मण महतो, पप्पू सिंह, कार्तिक दिगार, विकाश सिंह, हर्ष तिवारी, सरजू महतो, मोनू गोस्वामी, नवीन सिंह सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर चंद्रपुरा के ऑफिसर क्लब में योग, परिचर्चा, ध्यान एवं गान कार्यक्रम संपन्न

बोकारो(बिभा): दामोदर घाटी निगम चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के ऑफिसर्स क्लब में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर शुक्रवार की देर संध्या योग , परिचर्चा, ध्यान एवं गान कार्यक्रम संपन्न हो गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह के संबोधन में वरिष्ठ महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान श्री मनोज कुमार ठाकुर ने कहा कि सफल जीवन जीने के लिए योग अत्यंत जरूरी है। योग , परिचर्चा, ध्यान एवं गान विहंगम सृजन से मनुष्य को जोड़ता है। उन्होंने योग शिक्षक दीपक कुमार महतो और संगीत गायक प्रमोद कुमार, अनुराग गिरी के कला की प्रशंसा की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम से लोग मानसिक रूप से स्वस्थ होते हैं और अपने दिनचर्या के कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न करते हैं । उन्होंने उपस्थित लोगों से अपील किया कि वे नियमित योग करें और शारीरिक और मानसिक रुप से स्वस्थ होकर परिवार, समाज और संस्थान की सेवा करें। कार्यक्रम मे श्री ठाकुर के माताजी शैल्य ठाकुर ने भी भक्ति गीत गाकर लोगों को मोहित कर लिया। समारोह में श्री ठाकुर की धर्मपत्नी श्रीमती भव्या ठाकुर ने संबोधित करते हुए योग के गुण पर चर्चा की और लोगों से अपील किया कि वे नियमित रूप से योगा करें । समारोह में वरिष्ठ महाप्रबंधक मानव संसाधन श्री डी सी पांडेय, महाप्रबंधक अविजीत घोष, उप महाप्रबंधक संजीव कुमार, दिलीप कुमार, महावीर ठाकुर, दीपक कुमार, आर आर ओझा, हरि मुकुंद प्रजापति, आर पी सिंह, सत्येंद्र कुमार, ललन प्रसाद गुप्ता, राजकुमार चौधरी, सूर्य कुमार दलाई, रविंद्र कुमार, अजय कुमार ,विजय कुमार , अक्षय कुमार श्रीवत्स, मोहम्मद साबिर हुसैन आदि शामिल थे।

पेपर लीक मामला दुर्भाग्यपूर्ण : रणधीर

बोकारो(बिभा): राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शरद पवार पक्ष के नेता रणधीर सिंह ने कहा कि पेपर लीक मामला अति दुर्भाग्यपूर्ण है सरकार देश के लाखों छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है छात्र इस देश के भविष्य हैं एवं अपने माता-पिता के आशाओं के किरण है कड़ी मेहनत और लगन से तैयारी करने के बावजूद क्षमता और ऊजार्वान लड़के इस प्रकार के षड्यंत्र से आहत होते हैं केंद्र सरकार को पेपर लीक मामले में ठोस और कड़ा कदम उठाना चाहिए ताकि बच्चों के भविष्य सुरक्षित हो सके एनडीए सरकार आनन फानन मैं कोई भी कानून ना बनाए सत्ता और विपक्ष आपस में बैठकर इस मामले पर ठोस कानून बनाए ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति ना हो पेपर लिक मामले में जो कोई भी दोषी हो उसके उपर शक्ति से कार्रवाई हो।

केवीएस नेशनल स्पोर्ट्स मीट में केंद्रीय विद्यालय नंबर वन बना विजेता

बोकारो(बिभा) : केंद्रीय विद्यालय संगठन की ओर से आयोजित नेशनल स्पोर्ट्स मीट में केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 बोकारो की टीम में पूरे झारखंड में दूसरा स्थान प्राप्त किया व उपविजेता बना। केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 की टीम ने पूरे रांची रीजन में उपविजेता स्पोर्ट्स ट्रॉफी प्राप्त किया व साथ में कैश अवार्ड भी जीता। जिसमें केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 के खिलाड़ियों ने कुल 12 मेडल जीतने में सफल रहे व 68000 रूपया कैश अवार्ड भी जीत लिया। केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 के प्राचार्य मनोज कुमार ने सभी पदक विजेता खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। मौके पर स्कूल की शारीरिक शिक्षका कुमारी अन्नु व मुकेश कुमार भी शामिल रहे।

अनुराधा सिंह डीएवी सेक्टर-6 की प्रधानाध्यापिका बनी

बोकारो(बिभा): डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-6 में अनुराधा सिंह ने प्रधानाध्यापिका पद को सुशोभित किया । इस कार्यक्रम में सर्वप्रथम हवन यज्ञ का आयोजन किया गया । अनुराधा सिंह ने हवन यज्ञ के साथ कार्य क्रम में भाग लिया । इस कार्यक्रम में झारखंड जोन-जी के ए.आर.ओ श्री विपिन राय, विद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष बी.एस. जायसवाल, विद्यालय प्रबंधन समिति के सदस्य ब्रह्मदेव प्रसाद भी उपस्थित थे । अनुराधा सिंह डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल में 14 वर्षों तक अपना सेवा दे चुकी है । काफी अनुशासनप्रिय, मेहनती एवं डायनेमिक तथा अनुभवी प्रधानाध्यापिका है। उन्होंने विद्यालय के सभी शिक्षकों से सहयोग की अपेक्षा की । उनके कुशल निर्देशन में विद्यालय प्रगति पथ पर अग्रसर करेगा । अनुराधा सिंह अर्थशास्त्र विभाग से एम.ए, बी.एड की उपाधि प्राप्त की है । कार्य भार संभालने से पूर्व सभी विभागों का अवलोकन किया । कार्ययोजना बनाकर गतिविधियों के बेहतर आयोजन पर बल दिया । विद्यालय उनके कुशल निर्देशन में अग्रसर होगा । इस कार्यक्रम

कोटपा-2003 के अनुपालन हेतु सिटी थाना में चलाया गया विशेष अभियान

सभी दुकानदार वैधानिक चेतावनी वाला पोस्टर अपने दुकान पर लगाये।

बिना वैधानिक चेतावनी वाले सिग्रेट की बिक्री करना कोटपा-2003 की धारा 7 का उल्लंघन है।

बिभा संवाददाता

बोकारो : नशा मुक्ति अभियान के तहत सिटी थाना प्रभारी के निर्देशन में सिटी थाना क्षेत्र में विशेष अभियान चलाया गया। जिसमें सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम-2003 कोटपा-2003 की धारा 4 व 6ए, 6बी व ई-सिगरेट की जांच राम मन्दिर चौक, सेक्टर-1 एवं कैम्प-2 बोकारो में की गई। छापामारी के दौरान कुल 73 दुकानों की जांच की गई जिसमें जो भी व्यक्ति व दुकानदार कोटपा कानून का उल्लंघन करते हुये पाया गया उसको कोटपा-2003 की धारा 4, 6ए एवं 6बी के अन्तर्गत कुल 15 दुकानों व व्यक्तियों का चालान काटकर 2300 रू अर्थदन्ड की वसूली की गई।

जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि कोटपा-2003 की धारा 6ए का अनुपालन सुनिश्चित किये जाने हेतु छापामारी की जा रही है। जिला परामर्शी के अनुसार वैसे सभी विक्रेता/दुकानदार जिन्हों ने कोटपा 2003 की धारा 6 ए में वर्णित प्रावधानों के आलोक में वैधानिक चेतावनी वाले बोर्ड (आकार एवं मापदण्ड) के अनुरूप प्रमुखता से प्रदर्शन किया जाना अनिवार्य है जो लोग बोर्ड नही लगाये है उन्हें कोटपा-2003 की धारा 6 के तहत 200 रू तक की चालान की जा सकती है।

जिला परामर्शी द्वारा बताया गया कि बिना वैधानिक चेतावनी के तम्बाकू उत्पाद की बिक्री करना कोटपा-2003 की धारा 7 के अन्तर्गत कानूनन अपराध है पकडे जाने पर विक्रेता को प्रथम अपराध की दशा में 1 वर्ष तक का कारावास या 1000 रुपए को जुमार्ना अथवा दोनो हो सकता है। सभी दुकानदार से अनुरोध है कि बिना वैधानिक चेतावनी वाले सिग्रेट अथवा तम्बाकू उत्पाद की बिक्री न करें साथ ही सभी आमजनमानस से अनुरोध है कि खुले में धुम्रपान का सेवन न करें। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के प्रतिनिधि मो0 असलम जिला परामर्शी तम्बाकू नियंत्रण कार्यक्रम, सिटी थाना की गशती बल साथ में उपस्थित थे।

विधायक ने महिला कॉलेज के नव निर्मित भवन का किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बोकारो महिला कॉलेज सेक्टर पांच में राष्ट्रीय उच्च शिक्षा अभियान द्वारा नव निर्मित भवन का उद्घाटन मुख्य अतिथि बोकारो विधायक सह झारखण्ड विधान सभा के मुख्य सचेतक विरंची नारायण ने किया। वहीं कॉलेज के प्राचार्या मंजु सिंह व महाविद्यालय परिवार की ओर से मुख्यअतिथि का स्वागत किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि ने बोकारो महिला कॉलेज के पुस्तकालय के डिजिटलीकरण की सराहना की। साथ ही उन्होने विधायक मद से यहा पुस्तक देने का अश्वासन दिया। प्राचार्या डां मंजू सिंह ने विद्यार्थियों के लिए खेल कूद के प्रबंधन में सहयोग का आग्रह किया, जिसपर उन्होने सहमती जतायी। इस अवसर पर महाविद्यालय के डॉ केएन भारती, डॉ. प्रभावती कुमारी, डॉ. निलीमा मिश्रा, डॉ पुनमदेव, डॉ. योगेन्द्र प्रसाद, डॉ. अशोक कुमार, डॉ. शशि शेखर पाठक, डॉ. गणेश सिंह, डॉ. गायत्री गिरि, डॉ. विरेन्द्र ?सिंह, डॉ. संजय सिंह, डॉ. मुकुल कुमारी,समाज सेवी शशि भूषण प्रसाद, इन्दू कुमारी, मीना ,रोजी परवीन के अलावे रूसा के बोर्ड ऑफ गर्वनर दीपांकर दास, केके बोराल आदि उपस्थित थे।

करेंट से डीवीसी के दो ठेका कर्मी घायल

बिभा संवाददाता

बोकारो : डीवीसी के बोकारो थर्मल कॉलोनी का बिजली बनाने के दौरान सब स्टेशन के दो ठेका कर्मियों को करेंट लग गई। जिससे दोनो कर्मी झुलस कर घायल हो गए। दोपहर लगभग एक बजे की बतायी जा रही है।

जानकारी के मुताबिक करंट लगने के बाद घायल दोनो ठेका कर्मियों को बोकारो थर्मल अस्पताल इलाज हेतु ले जाया गया, जहां दोनो का इलाज चल रहा है। घायल एक कामगार पुलिस राय बिजली मिस्त्री है, वहीं घायल अबू बकर हेल्फर के पद पर है। दोनो बोकारो थर्मल के ही रहने वाले है।

बताया जाता है कि घायल ठेका कर्मी डीवीसी सब स्टेशन में ठिकेदार संजय सिंह के अधीन कार्यरत है। घायल कामगारों ने बताया कि कॉलोनी के फुटबाल मैदान के समीप पोल पर चढ़ कर 11 हजार बोल्ट का तार जोड़ रहे थे। लाइन कटने के बावजूद विद्युत तार में रीटनिग करेंट आ गया। जिसकी चपेट में आने से दोनो घायल हो गए।

वही डीवीसी झारखंड श्रमिक संघ के बोकारो थर्मल शाखा सचिव गणेश राम ने कहा कि स्थानीय प्रबन्धन एवं ठिकेदार की लापरवाही के कारण इस तरह की घटना घट रही है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए। कहा कि कामगारों को सुरक्षा से संबंधित सामान नहीं के बराबर दिया जाता है। अस्पताल में भी बिजली नहीं रहती है। कोई भी वैकल्पिक व्यवस्था अस्पताल प्रबंधन की ओर से नही किया गया है। बताया कि बिजली नहीं रहने से अस्पताल में इलाजरत मरीजों की परेशानी और बढ़ गई है।

महिला पॉलिटेक्निक कालेज में नशामुक्ति पर जागरूकता शिविर का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारो : बाबा साहब वेलफेयर सोसाइटी द्वारा राजकीय महिला पोलेटेकनिक कालेज, बोकारो में नशामुक्ति जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में संस्था के सचिव अनिरुद्ध कुमार, बंकिम सिंह एवं इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड सरकार के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ बी.पी गुप्ता, बशिष्ठ अतिथि कालेज प्राचांय डॉ,रमेश कुमार मुख्य वक्ता डॉ .सत्यदेव राम एवं डॉक्टर एस के रवि प्रमुख रूप से उपस्थित थे इस अवसर पर मुख्य अतिथि गुप्ता जी ने कहा कि आज के समय में झारखंड के 40% जुआ नशीले पदार्थों का आदि हो चुकी है इसको लेकर सरकार ने अनेक तरह का कार्यक्रम चालू किया है आज के युवाओं को नशीले पदार्थ से बचाने के लिए एक मुहिम की तरह काम करना होगा आजकल के युवाओं को मालूम नहीं कि वह किस अंधेरे की ओर जा रहे हैं इसके लिए समाज में जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है लोगों को बताना होगा कि नशा जीवन का नाश करता है साथ ही परिवार का भी नाश कर देती है, बोकारो में नशामुक्ति के लिए बोकारो सदर अस्पताल एवं बोकारो जेनरल हस्पताल में 246 नशा उन्मूलन केन्द्र चालू है इस अवसर पर कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर रमेश कुमार ने कहा की सभा समाज के लिए स्वस्थ शरीर की जरूरत है लेकिन आज के युवा पीढ़ी गलत राह में भटक जाने कारण देश और राज्य का विकास में बहुत बड़ा योगदान नहीं हो रहा है घर परिवार के आर्थिक सामाजिक जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है इसलिए समाज को जागरुक होकर इसके खिलाफ जन आंदोलन करने की जरूरत है, इस अवसर पर वरिय व्याख्याता विनोद कुमार दास,सी ओ मनोज कुमार, समेत कालेज के सभी छात्राऐं एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नशा उन्मूलन का संकल्प लिया गया।

पोस्टर बनाकर दिए मादक पदार्थो से दूर रहने का संदेश

कौशल विकास केंद्र चास में छात्रों ने कागज पर उकेरा संदेश

बिभा संवाददाता

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर नशा मुक्त समाज के निर्माण एवं युवाओं को मादक पदार्थों के सेवन से दूर रहने को लेकर जारी अभियान के तहत जिले में कई जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शनिवार को चास प्रखंड के तालगेरिया स्थित कौशल विकास केंद्र में अध्ययनरत छात्राओं के बीच चित्रांकन एवं भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों के बीच मादक द्रव्यों के सेवन से होने वाले नुकसान से जागरूक करना और स्वयं ऐसा नहीं करना एवं दूसरों को भी ऐसा नहीं करने को लेकर प्रेरित करने की सीख देना है। इस कार्यक्रम में छात्रों ने काफी बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। भाषण प्रतियोगिता में छात्रों ने अपने वक्तव्य ,संबोधन के माध्यम से नशीले ,मादक पदार्थों का सेवन हर आयु वर्ग के लोगों को नहीं करने के लिए प्रेरित किया। चित्रांकन प्रतियोगिता में भी छात्रों ने एक से बढ़कर पोस्टर बनाकर नशा मुक्त भारत बनाने का संदेश दिया।

वहीं, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के जागरूकता रथ द्वारा भी जिले के विभिन्न प्रखंडों का भ्रमण कर आमजनों को नशा से मुक्ति का संदेश दिया। विभिन्न आडियो झ विजुअल संदेश के माध्यम से आमजनों को मादक पदार्थों को छोड़ने के लिए प्रेरित किया। जानकारी हो कि, राज्य सरकार मादक पदार्थों के रोकथाम को लेकर पूर्णतः संकल्पित है। आमजनों के बीच जागरूकता को लेकर राज्य सरकार ने आगामी 26 जून 2024 तक जागरूकता कार्यक्रम चलाने का निर्णय लिया है।

अधिवक्ता के निधन पर शोक सभा का आयोजन

बिभा संवाददाता

बोकारोः बोकारो जिला अधिवक्ता संघ के नियमित सदस्य कृष्ण मुरारी सहाय का शुक्रवार को तड़के निधन हो गया ।अधिवक्ता कृष्णा मुरारी सहाय जी के निधन पर आज बोकारो कोर्ट परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। आज उनके सम्मान में अधिवक्तावो ने कोर्ट में न्यायिक कार्य से अपने को अलग रखा। इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने बताया कि बोकारो के सेक्टर 3 डी निवासी अधिवक्ता कृष्ण मुरारी सहाय पिता सिद्धेश्वर लाल का शुक्रवार को निधन हो गया । वे बोकारो स्टील प्लांट से सेवानिवृत हुए थे उसके बाद 2009 से विधि व्यावसाय कर रहे थे। वे 75 वर्ष के थे। वे अपने पीछे तीन बेटियां छोड़ गए है। ये मूलतः सिवान के रहने वाले थे। स्व सहाय के आकस्मिक निधन पर इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स द्वारा एक शोक सभा का आयोजन कर अधिवक्ताओं ने शोक जताया है। इंडियन एसोसियेशन ऑफ लॉयर्स द्वारा आहूत श्रद्धांजलि सभा में अधिवक्ता सोमनाथ शेखर, अतुल कुमार, राज श्री, संजीव ओझा, बिनोद कुमार सिंह, दिनेश प्रसाद शर्मा, संजीत कुमार सिंह, मो. हसनैन आलम, दीपिका सिंह, शंकर दे, संजय कुमार प्रसाद, फटिक चंद्र सिंह, रंजन कुमार मिश्रा, कमल कुमार सिन्हा, वंशिका सहाय, सुकमती हेसा, बबिता कुमारी, सुनील चांडक, धनजी चौधरी, विभा कुमारी, ज्योति प्रकाश चौधरी, बिभू चट्टोपाध्याय, दीप्ति सिंह, रीना कुमारी, रामावती कुमारी, विकाश प्रजापति, कौशल किशोर, अखिलेश कुमार, इंद्रनील चटर्जी, निखिल कुमार डे, सुभाष नायक, अंकित ओझा, राणा प्रताप , विष्णु चरण महाराज, धुर्वेश्वर मंडल, अशोक कुमार पांडेय, संदीप पूर्ती, राणा प्रताप शर्मा, हिमांशु शेखर, बिष्णु प्रसाद नायक, प्रीति श्रीवास्तव, कमल कुमार सिन्हा, गोविंद नारायण सिंह, मिथलेश कुमार, अशोक कुमार यादव समेत सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद थे।

संक्षिप्त खबरें

एनसीबी का ड्रग्स के विरुद्ध जागरूकता रैली आज, खूँटी में होगा समापन

खूँटी(बिभा) । ड्रग्स के विरुद्ध जागरूकता लाने के लिए नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो जोनल ऑफिस राँची के द्वारा आज जमशेदपुर से मोटरसाइकिल रैली निकाली जाएगी। इस जागरूकता अभियान में लगभग 195किमी तक मोटरसाइकिल से तीन जिलों में भ्रमण होगी। जिसमें लगभग 70 से 100 मोटरसाइकिल में सवार विभिन्न संगठनों और सामाजिक कार्यकताओं द्वारा ड्रग्स के विरुद्ध जागरूकता लाने के लिए जमशेदपुर से राँची पहुंचेंगे और फिर राँची से खूँटी में आकर इस जागरूकता रैली का समापन सीआरपीएफ 94 बटालियन के मुख्यालय प्रांगण में होगा। यह जानकारी नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के कंट्रोल ब्यूरो के जोनल डायरेक्टर के द्वारा दिया गया। एनसीबी के जोनल डायरेक्टर ने बताया कि आज के दिनों में युवा पीढ़ी नशे के आगोश में फँसते जा रहे हैं। जिन्हें जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से सतर्क एवं सजग करने का प्रयास किया जा रहा है। और नशे को छोड़कर स्वस्थ जीवन जीने के लिए यह कार्यक्रम का पहल है। उन्होंने कहा कि आगे भी इस तरह का कार्यक्रम समय पर किया जाएगा।

बिजली नहीं रहने से ग्रामीणों को होने लगी है परेशानी

खूँटी (बिभा)। विगत तीन दिनों से कर्रा प्रखंड के कई गाँव विद्युत आपूर्ति ठप होने से अंधेरी रात बिताने को ग्रामीण मजबूर हैं। लोगों ने बताया कि तीन दिन पहले हुई बारिश के बाद से गुमडू, सोटेया, तिरला, सिलाफारी, जम्हार आदि अनेक गांव में बिजली नहीं है। प्रताप सिंह ने बताया कि बिजली नहीं रहने से बच्चों की पढ़ाई लिखाई में बाधा पहुंच रही है। एक तो बारिश और दूसरी अंधेरी रात में काफी समस्या हो जाती है। विनोद सिंह ने बताया कि विगत तीन दिनों से बिजली नहीं रहने के कारण ना तो रात को कार्य हो पा रहा है मोबाइल आदि चार्ज करने में भी समस्या हो रही है बच्चों की पढ़ाई लिखाई में दिक्कत हो रहा है।

कारो नदी में डूबने से दो फुफेरी ममेरी बहनों की मौत

खूँटी(बिभा) । जिले के रनिया थाना क्षेत्र में शनिवार को कारो नदी में नहाने के दौरान डूबने से दो फुफेरी बहनों की मौत हो गई। घटना रनिया थाना क्षेत्र के जराकेल गाँव के किनारे कारो नदी की है। जब दोनों बहनें गांव के लोग व पड़ोसी लोग नदी के साथ नहाने के लिए नदी में गयी और बहते जलधारा में घुसी तो पानी के धार में डूब गयी। इन मृतकों की पहचान खूँटी के मुरहू थाना क्षेत्र के दरला जामटोली निवासी 14 वर्षीय आश्रिता तिडु और रनिया थाना क्षेत्र के जराकेल निवासी 24 वर्षीय जेनेलरानी कोनगाड़ी के रूप में हुई। लोगों के अनुसार, सुबह नौ बजे के लगभग जराकेल गाँव से लगभग दस लोग कारो नदी नहाने के लिए गए थे। इनमें से दोनों युवती को तैरना नहीं आता था। जिसके कारण गहरे पानी पर खींची चली गई। घटना के बाद आनन फानन में रेफरल अस्पताल तोरपा अस्पताल लाया गया। जहाँ चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। अश्रिता एसडीए खूँटी और जेनेलरानी कोनगाड़ी चुटुपालु में बीएड का पढ़ाई करती थी। अश्रिता और जेनेलरानी के परिजन जराकेल शादी समारोह में शामिल होने के लिए पहुँचे थे। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल खूँटी भेज दिया है। मृतका आश्रिता के पिताजी जेम्स जुनूल कोनगाड़ी ने बताया कि जेनलरानी और आश्रिता लगभग 10-12 लोगों के साथ वो लोग भी नहाने के लिए नदी पर गये थे। लेकिन दोनों ही तैरने नहीं जानते थे। और अचानक गहरे पानी में खींचे चले गये। जिसके कारण डूबकर उनकी मौत हो गयी। जैसे ही गांव के लोगों ने बताया क्यों नदी में जाकर सभी लोग खोजने लगे?, लेकिन दोनों लड़कियों की मृत्यु हो गयी थी। लेमेक हेम्ब्रोम ने बताया कि आश्रिता आठवीं कक्षा में पढ़ती थी और जेनेलरानी बीएड की पढ़ाई कर रही थी । दोनों के देहान्त से दुख का पहाड़ टूट पड़ा है।

नियोजनालय में लगे प्राइवेट कंपनियों के रोजगार शिविर में जिले के 38 लोग चयनित

खूँटी(बिभा) । प्राईवेट कम्पनी व संस्थान अपने कर्मी खोजने के लिए नियोजनालय का सहयोग ले रहे हैं। जिन कम्पनियों को कार्य करने के लिए व्यक्ति की आवश्यकता होती है। जिला नियोजनालय-सह-मॉडल कैरियर सेंटर, खूँटी में शिविर लगाकर सुयोग्य लोगों का चयन करते हैं । जिसमें शनिवार को भर्ती कैम्प आरएसएस सिक्योरिटी सर्विस रांची और एनडीए एक्वा एम्यूजमेंट पार्क बेलहाथी के द्वारा भर्ती शिविर का आयोजन किया गया। वहीं नियोजकों द्वारा 186 रिक्तियाँ प्राप्त हुई थी। भर्ती शिविर में लगभग 125 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, उक्त भर्ती शिविर में (छप्पन्न) अभ्यर्थियों को चिन्हित कर मात्र 38 (अड़तीस) अभ्यर्थियों को चयनित किया गया। मौके पर जिला नियोजन पदाधिकारी खूँटी, नियोजक प्रतिनिधि एवं नियोजनालय कर्मी उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना से वृद्ध व्यक्ति घायल

खूँटी (बिभा)। मारंगहादा थाना क्षेत्र के अंतर्गत लांदुप रोड पर सरस्वती शिशु मंदिर के निकट सड़क पर बाईक के असंतुलित होने से एक वृद्ध व्यक्ति गम्भीर रुप से घायल हो गये। शनिवार को मारंगहादा साप्ताहिक बाजार था। उक्त वृद्धि व्यक्ति अपने हीरो होंडा मोटरसाइकिल (जेएच01 क्यू 7008) से गिर गये । जिसके कारण उन्हें गंभीर चोटें आई मौके पर पथिकों ने 108एम्बुलेंस और स्थानीय थाना को जानकारी दिया। घटना लगभग 3:30 बजे की बताई जा रही है। लेकिन एंबुलेंस काफी देर बाद पहुँचा। घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुँचाने में देर होने के कारण स्थिति ज्यादा बिगड़ गई। हालांकि अस्पताल में व्यक्ति का इलाज किया जा रहा है।

उप विकास आयुक्त ने की जेएसएलपीएस द्वारा संचालित योजनाओं की समीक्षा

विकास कार्य में कोताही न करें पदाधिकारी : उप विकास आयुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । उप विकास आयुक्त श्याम नारायण राम की अध्यक्षता में डीआरडीए के सभागार में बैठक आयोजित हुई। इसमें जेएसएलपीएस द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की कार्य प्रगति की समीक्षा की गई। मौके पर उप विकास आयुक्त ने जेएसएलपीएस के डीपीएम सहित अन्य अधिकारियों को कार्य की प्रगति में तेजी लाकर ससमय लक्ष्य को पूर्ण करने का निर्देष दिया। उन्होंने कहा कि जनहित में कल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारना हम सभी का दायित्व है। उन्होंने कहा कि योजनाओं के कार्यान्वयन में कोताही नहीं करें पदाधिकारी। बैठक में जेएसएलपीएस द्वारा संचालित वन धन योजना, बिरसा हरित ग्राम योजना, फुला झानो आशीर्वाद योजना, मुद्रा लोन सहित अन्य योजनाओं की कार्य प्रगति का गहन समीक्षा की गई।
मौके पर जिला के विभिन्न प्रखंडों में कार्यरत जेएसएलपीएस के अधिकारी सहित अन्य शामिल थे।

उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी की अध्यक्षता में फैसिलेटेशान ट्रेनिंग प्रोग्राम का आयोजन

29 जून को निर्वाचन व्यय की होगी फाइनल जांच

बिभा संवाददाता

खूँटी । समाहरणालय के सभा कक्ष में शनिवार को उपायुक्त ने निर्वाचन व्यय कोषांग पदाधिकारी एवं सहयोगियों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया। इसमें अभ्यर्थी/मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के जिलाध्यक्ष, निर्वाचन व्यय लेखा कोषांग के पदाधिकारी एवं कर्मी, 11-खूंटी (अजजा) के सहायक लेखा व्यय प्रेक्षक, लेखादल उपस्थित हुए। मौके पर निर्वाचन व्यय से संबंधित प्रपत्र में व्यय का ब्योरा किस तरह से प्रविष्ट किया जाना है, इस संबंध में जानकारी दी गई। मौके पर उपायुक्त द्वारा बताया गया कि 29 जून को निर्वाचन व्यय का अंतिम जाँच की जाएगी। उन्होंने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल के जिलाध्यक्ष को निर्देशित किया कि निर्वाचन संबंधित खर्चों का रसीद आदि का मूल प्रति 29 जून से पूर्व तक जमा कर दें। उन्होंने कहा कि सभी संबंधित व्यय ब्योरा का मिलान कराना सुनिश्चित करेंगे।

बालू का अवैध उत्खनन व तस्करी धड़ल्ले से जारी

टास्क फोर्स को धर-पकड़ निर्देश के बावजूद तस्कर बेखौफ

बिभा संवाददाता

खूँटी । जरिया गढ़ थाना क्षेत्र में एनजीटी के बावजूद बालू का अवैध उत्खनन कर तस्करी जारी है। जरिया गढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत लापा मोरहाटोली के कारो नदी से बालू का अवैध उत्खनन करके तस्करी करके झारखंड की राजधानी व अन्य जगहों में ले जाया जाता है। दिन में कारो नदी से बालू का अवैध उत्खनन करके जंगल में ही रखा जाता है। वहीं बालू माफियाओं द्वारा जंगल का सखुआ पेड़ को काटकर रास्ता बना दिया गया है। जहाँ बालू डम्प किया जाता है। और रोज रात को बालू तस्करी शुरू हो जाता है। हालांकि जिला प्रशासन प्रखंड और जिला स्तर पर टास्क फोर्स बनाया है, जिसमें अंचल अधिकारी, थाना और जिला प्रशासन वन विभाग सभी लोगों से शामिल है। लेकिन इस टास्क फोर्स बनाए जाने के बावजूद तस्कर बेखौफ बालू की अवैध तस्करी करने में लगे हुए हैं। उपायुक्त लोकेश मिश्रा ने बताया कि बालू के उपर अभी एनजीटी लागू है। वहीं बालू की अवैध उत्खनन कर तस्करी करने की जानकारी नहीं है। इसकी जानकारी मिलते ही कार्रवाई की जाएगी। वन प्रमंडल पदाधिकारी कुलदीप मीणा ने बताया कि वन क्षेत्र में अवैध उत्खनन से निजात दिलाने के लिए टास्क फोर्स बनाया गया है जो समय-समय पर जाँच करती है।

नौकरी के नाम पैसा लेकर ठगी करनेवाली कम्पनी से दो बच्चियों समाजसेवियों कराया मुक्त

बिभा संवाददाता

खूँटी । ठगी का शिकार होने से बची दो लड़कियों को खूँटी के समाजसेवियों व भाजपा के महिला कार्यकताओं ने एक कंपनी से मुक्त करा कर वापस लायी। जो हजारीबाग में नर्सिंग में नौकरी देने के बहाने बुलाया था और दोनों बच्चियों से 25-25 हजार रुपए लेकर उन्हें नौकरी देने की बात कही थी। लेकिन उन्हें नर्सिंग में नौकरी देने के बजाय कमरे में ऐसे रखा था जैसे कैद में हों। जीने छुड़ाकर लाने वाले सामाजिक कार्यकर्ता लक्ष्मी बाखला भाजपा के रुक्मिला सारु व जोनिका गुड़िया ने हजारीबाग के उक्त चिन्हित स्थल पर पहुँचने के बाद वहाँ के लोगों से जानकारियाँ ली। उन्होंने बताया कि उक्त दोनों बच्चियों ठगी का शिकार भी थी और उनके अलावे अनेक लोग और थे। उन सभी भी एक दूसरे से बात नहीं करने दिया जाता था। जिसमें एक ही जगह लड़के व लड़कियाँ रहते हैं। उन्होंने बताया कि जब उनसे बातें हुई तो संदेह हुआ। फिर उन दोनों से लिए हुए पैसे को वापस कराया तथा दोनों को सकुशल वापस ले आई। वही ठगी का शिकार हुई बच्चियों ने बताया कि उनके साथ धोखा हुआ था तभी अपने अभिभावक को जानकारियां दी थी इस दौरान ये सभी तीन दीदियाँ हजारीबाग स्थित कार्यालय जाकर हमें छुड़ा लाई।

सदर अस्पताल खूँटी में शल्य उपचार का मिलने लगा है लोगों को लाभ

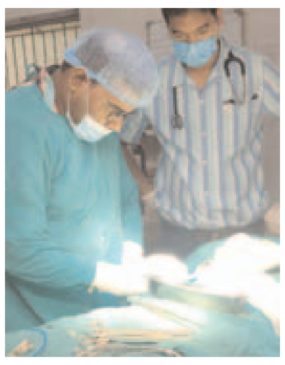

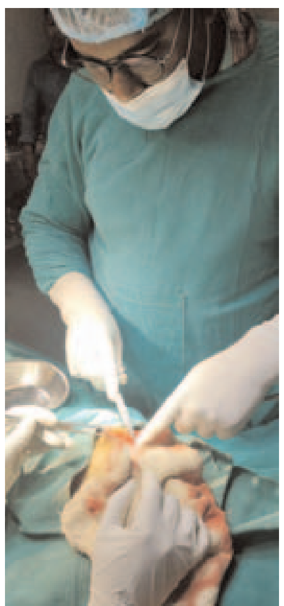

बिभा संवाददाता

खूँटी । जिले के सदर अस्पताल में स्वास्थ्य सुविधा मुहैया कराए जाने को लेकर उत्तरोत्तर समुचित उपचार की ओर अग्रसर हो रहा है। जिस सदर अस्पताल से पहले लोगों को रिम्स रेफर किया जाता था उसमें से कई ऐसे उपचार वह शल्य चिकित्सा खूंटी में ही होने लगी है। जिसमें हर्निया अपेंडिक्स पथरी का शल्य चिकित्सा किया जाने लगा है। इसके लिए डॉक्टर आरिफ हसन, डॉक्टर आरिफ खान, आदि अनेक चिकित्सकों द्वारा लोगों का शल्य चिकित्सा उपचार किया जा रहा है। हालांकि ऑपरेशन थिएटर में और भी चीजों की आवश्यकता वह समुचित व्यवस्था अभी भी बाकी है। लेकिन ऐसी चिकित्सा का प्रारंभ होने से अनेक गरीब मरीजों को लाभ मिलने लगा है।

अरुण संगा बनाए गए खूंटी जिला के युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष

खूँटी(बिभा) । युवा कांग्रेस के जिला कार्यकारी अध्यक्ष अरुण संगा को खूँटी जिला का युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। जिसमें युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी इशिता सेढ़ा के अनुमोदन पर युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अभिजीत राज ने कहा कि अरुण संगा को युवा कांग्रेस के कार्यकारी जिलाध्यक्ष के जगह उन्हें युवा कांग्रेस की खूंटी जिला अध्यक्ष बनाया गया है। अरुण संगा ने कहा कि पार्टी हमें इस पद के योग्य समझा तो निश्चित ही कांग्रेस का हाथ मजबूती के साथ खूंटी में आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के द्वारा किये गए सुकार्य नेतृत्व को खूँटी की जनता ने आत्मसात किया है। जिसका प्रतिफल जनता का साथ मजबूत हाथ किया है और डेढ़ लाख मतों से विजयी दिलाया है। इसके लिए राहुल गांधी सहित पूरे केंद्रीय नेतृत्व व प्रदेश नेतृत्व के साथ खूँटी की जनता को धन्यवाद तथा

मुरहू प्रखंड मुख्यालय में मनाया गया विश्व योग दिवस

बिभा संवाददाता

खूँटी । मुरहु प्रखण्ड के परिसर में उप प्रमुख अरुण साबू और प्रखण्ड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी की अगुवाई में विश्व योग दिवस के मौके पर विद्यार्थियों के साथ सभी लोगों ने योग का अभ्यास किया।
उप प्रमुख ने कहा कि योग में तन मन और धन का प्रतीक है धन से आश्रय उन्ही में होती है विद्या और कार्यप्रणाली सही होता है। जब तक ये मनुष्य के अधीन नही है तब तक कोई कार्य नही हो सकता है। विद्यार्थी शिक्षा को धन माने। उप प्रमुख ने नरेन्द्र दास मोदी जी के द्वारा शुरू की गई विश्व योग दिवस पर देश वासियों को भी बधाई दिया और कहा कि आज 10वी अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस है । इस अवसर पर प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने बताया कि योग करने से आपके शरीर तन्दरूस्त रहेंगे। साथ इसके आपके विचारों में परिवर्तन आता है और उन्होंने सभी लोगों से अपील किया कि योग करना प्रतिदिन की आवश्यकता है। जैसे आप पानी पीते है वैसे ही योग को प्रतिदिन अपने शरीर को दें।
कस्तूरबा विद्यालय में भी जाकर योग कराया गया और योग शिक्षक को धन्यवाद दिया। प्रधानाचार्या ने बताया कि मुरहू से विश्व योग दिवस में एक बच्ची भाग लेने गई है। जो कि एक प्रतिभा का प्रतीक है। उप प्रमुख ने अपने प्रखण्ड के पंचायत कोड़ाकेल की बच्ची को आने पर उस बच्ची का अभिनंदन करने को कहा जिससे जागृति आएगी लोगों को समझने में मिलेगा।

योग वेदांत सेवा समिति ने किया बाल संस्कार सत्संग कार्यक्रम

बच्चों में संस्कार भरें, फूहड़पन और नशापान व्यसन से अभिभावक रहें दूर : रमा भाई

बिभा संवाददाता

खूँटी । पिपराटोली स्थित बीडीएम विद्यालय में शनिवार को योग वेदांत सेवा समिति के द्वारा महावीर मिश्रा की अगुवाई में बाल संस्कार सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रमा भाई ने आशाराम बापू के चित्र पर आरती उतारी व गुरुवर को नमन कर अपने मुखारविंद से भागवत कथा का वाचन कर आध्यात्मिक मार्ग अर्चन कराया। उन्होंने कहा कि बच्चों में संस्कार देना आवश्यक है पढ़ाई के साथ संस्कार होना उतना ही जरूरी है जितना ब्रह्मांड की रक्षा के लिए आगे आना। आज के दिनों में फुहड़पन, व्याभिचार बढ़ता जा रहा है । ये सभी मोबाईल स्टाईल तथा नकल के कारण ऐसा हो रहा है। यही कारण है कि व्यक्ति एक दूसरे से दूर होते जा रहा है। एक अच्छे समाज का निर्माण नहीं हो रहा है। लेकिन मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज को जैसा रखोगे समाज से वही मिलेगा। हमारे धर्म में मांस मदिरा भक्षण कहीं नहीं लिखा है। भोजन से मां और विचार की उत्पत्ति होती है। उन्होंने कहा कि बापूजी सभी को मांस मदिरा भाषण से मुक्त करते थे सन्मार्ग का ज्ञान देते थे। लोगों ने साजिश रची और फिर उन्हें कष्ट देना शुरू किया। ताकि उनके द्वारा सनातन धर्म की रक्षा हेतू उठाया गया कदम कमजोर पड़ जाए। बापू के द्वारा आज भी जनजातीय क्षेत्रों में प्रकल्प और विद्यालय चलाए जा रहे हैं। ताकि लोग अपने पुराने धर्म से भटके नहीं इसी ना बने किसी के लोग लालच में ना आवे मांस भक्षण ना करें शराब न पीएँ। और इस प्रकार योग वेदांत सेवा समिति के माध्यम से लोगों को लाभ मिल रहा है। इस मौके पर प्रवचन के उपरांत भव्य भंडारे का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में योग वेदांत सेवा समिति के क्षेत्र प्रमुख महावीर मिश्रा, धनपति साहू, सचिन पाढ़ी , इंद्रजीत साहू सुरेंद्र प्रधान आदि अनेक लोगों ने भूमिका निभाया। कार्यक्रम पर विद्यालय के प्रधानाचार्य शिव कुमार व उनकी पत्नी ने रमा भाई समेत सभी का धन्यवाद किया। कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने सत्संग का लाभ लिया।

संत मेंही आश्रम बना नशा मुक्ति व व्याभिचार मुक्त जीवन का माध्यम

हजारों जनजातीय परिवार मांस मदिरा नशापान झूठ फरेब त्यागकर अपना सात्विक जीवन

ब्रजेश कुमार (बिभा)

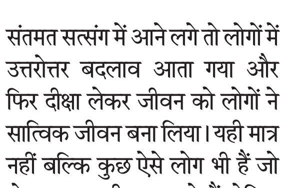

खूँटी । झारखण्ड सरकार अभी नशा मुक्ति और मादक पदार्थों से दूर करने के लिए लाखों रुपए खर्च कर जागरूकता अभियान चला रही है। लेकिन खूँटी जिले के मुरहू प्रखण्ड में संचालित महर्षि मेंही सत्संग आश्रम हजारों लोगों को सन्मार्ग देकर नशापान से मुक्त कर दिया है?। और वो भी ऐसे लोग जो शराब को कभी अमृत समझते थे। ऐसे जनजातीय क्षेत्रों के लोगों को सन्मार्ग देता महर्षि मेंही सत्संग आश्रम जो मुरहू प्रखंड के मलियादाग व शांतिपुरी गाँव में संचालित है। इन दोनों आश्रम में आकर संतमत सत्संग कार्यक्रम में भाग लेकर सैकड़ों लोगों का जीवन में पूरी तरह बदलाव आ गया। आश्रम के स्वामी लक्ष्मणानन्द जी महाराज ने बताया कि जो कभी शराब मांस मदिरा झूठ व्याभिचार में डूबे रहते थे। लेकिन जब से महर्षि मेंही सत्संग आश्रम के संतमत सत्संग में आने लगे तो लोगों में उत्तरोत्तर बदलाव आता गया और फिर दीक्षा लेकर जीवन को लोगों ने सात्विक जीवन बना लिया। यही मात्र नहीं बल्कि कुछ ऐसे लोग भी हैं जो जेल जाना स्वीकार करते हैं लेकिन झूठ नहीं बोलते । इसमें से एक सत्संगी सनिका ने अपनी पत्नी पर लात से मारा तो अचानक वो मर गयी। जिसके कारण उसे न्यायिक हिरासत में लिया गया। लेकिन सीधा साधा सत्संगी होने से लोगों ने कहा कि जरा झूठ बोल दो तो जेल जाना नहीं पड़ेगा। लेकिन उसने झूठ नहीं बोला और उससे ही उसकी पत्नी की मौत हुई यह स्वीकार किया। वहीं मलियादाग और शांतिपुरी के आश्रम में हजारों लोग सत्संग का लाभ लेकर दीक्षा ग्रहण किये व जीवन को सुखमय बना रहे हैं।

पेपर लीक से छात्रों में भारी नाराजगी

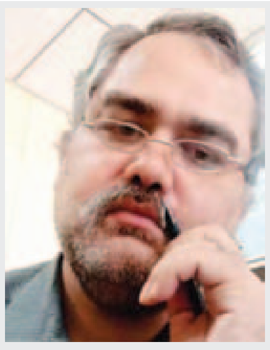

संजय गोस्वामी

एनटीए और केंद्र को नोटिस जारी करते हुए अदालत ने कहा कि 0.001 प्रतिशत की लापरवाही से भी पूरी तरह निपटा जाना चाहिए यानी कोई सहनशीलता नहीं।, नीट भारत की मेडिकल और संबद्ध शिक्षा क्षेत्रों के लिए मुख्य प्रवेश परीक्षा है। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी हर साल परीक्षा आयोजित करती है। इस संबंध में अगर इस मामले में उचित कार्रवाई नहीं किया गया तो भविष्य में किसी भी परीक्षा पर भरोसा नहीं रहेगा।

पिछले 15दिनों से देशभर में लाखों युवा उबल रहे हैं। इसके चलते एनटीए (एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (नीट)-यूजीसी में बड़े पैमाने पर धांधली और अनियमितता की आशंकाएं जताई जा रही हैं। भारत के सभी मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए हर साल नीट (नीट)-यूजीसी परीक्षा आयोजित की जाती है। सबसे प्रतिष्ठित एनआईटी और एनईई प्रवेश परीक्षा भी एनडीआरएफ द्वारा आयोजित की जाती है। 2019 में एनटीए (एनटीए) के गठन से पहले यह परीक्षा सीबीएसई द्वारा ऐआईपीएमटी के नाम से आयोजित की जाती थी। सीएमई ईटी और पीएमडीएम परीक्षाएं भी अलग-अलग राज्यों में राज्य सरकारों द्वारा आयोजित की जाती थीं। पूरे देश में एक समान परीक्षा आयोजित करने और छात्रों को अलग-अलग परीक्षाओं के लिए आवेदन न करना पड़े, इसके लिए भारत सरकार ने 2017 में एनटीए (एनटीए) का गठन किया, जिसने 2019 की परीक्षाओं से काम करना शुरू कर दिया सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश शुल्क लगभग 1 लाख रुपये है।, जबकि निजी मेडिकल कॉलेजों में यह प्रवेश शुल्क लगभग 25 -50 लाख रुपये है। इसलिए मध्यम वर्ग के परिवार सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एनटीए(एनटीए) द्वारा आयोजित नीट (नीट)-यूजीसी से सीधे अध्ययन कर सकते हैं और सरकारी मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश ले सकते हैं। इस वर्ष यह परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी, जिसमें 23.81 लाख छात्र उपस्थित हुए थे। यह भारत की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा है। परीक्षा में बैठने के लिए फॉर्म भरने की अंतिम तिथि 9 मार्च, 2024 थी, जिसे बढ़ाकर 16 मार्च, 2024 कर दिया गया। दुख की बात है कि इसे लगभग 15 महीने के लिए बढ़ा दिया गया और आवेदन पत्र भी 9-10 मार्च को लिया गया। इस तरह के अध्ययन किए गए लेकिन इसका कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। परीक्षा में आवेदकों की संख्या लगभग 24000 थी। क्या यह अध्ययन किसी विशेष वर्ग के लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया था? यह उम्मीद की जाती है कि कुछ उम्मीदवारों को अनुचित तरीकों से उसी परीक्षा में अनुचित लाभ दिया गया था। परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी और उसी दिन पडाना से पेपर लीक होने की खबर आई। इस परीक्षा का परिणाम 14 जून 2024 को घोषित होना था, लेकिन अरुणाचल प्रदेश में इसे 4 जून 2024 को घोषित किया गया। यह महज संयोग नहीं है कि 4 जून को ही भारत लोकसभा चुनाव के परिणाम घोषित होने थे और उसी दिन परिणाम घोषित किए गए। पूरे मीडिया का इस पर ध्यान केंद्रित होना स्वाभाविक था। शायद ऐसा इसलिए किया गया था ताकि उस दिन परिणाम घोषित होने से जो भी गड़बड़ हो, उस पर कोई ध्यान न दे। जब परिणाम घोषित हुआ, तो देखा गया कि 67 छात्रों ने प्रथम रैंक प्राप्त की। पिछले वर्षों में, दो या तीन छात्रों ने प्रथम रैंक प्राप्त की है। इन 67 छात्रों ने 720 में से 720 अंक प्राप्त किए। घोषित परिणामों के अनुसार, 718 और 719 अंक भी छात्रों ने प्राप्त किए, जो परीक्षा की योजना के अनुसार असंभव था। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंक मिलते हैं और गलत उत्तर के लिए भी एक अंक जब्त कर लिया जाता है यदि कोई व्यक्ति सभी 180 प्रश्नों के सही उत्तर देता है तो उसे 720 अंक मिलते हैं और यदि उनमें से एक भी गलत है तो उसे 715 अंक मिलते हैं। यदि कोई व्यक्ति एक भी प्रश्न का गलत उत्तर देता है तो उसे 716 अंक मिलते हैं। किसी भी स्थिति में 718 और 719 उपलब्ध नहीं थे। जब इस संबंध में काफी हो-हल्ला मचा तो एनडीए ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि ऐसे छात्रों को सॉलिड मार्जिन दिया गया था। बाद में बताया गया कि केवल 1563 छात्रों को परीक्षा में समय पर अंक दिलाने के लिए सॉलिड मार्जिन दिया गया था। गौरतलब है कि स्लीपर परीक्षा में सॉलिड मार्जिन देने का कोई प्रावधान नहीं है। सॉलिड अंक देने का उल्टा असर क्यों हुआ, इसे समझने के लिए एक उदाहरण देना उचित होगा। 720 में से 720 अंक पाने वाले 67 छात्रों में से सॉलिड मार्क्स जोड़ने के बाद यह 720 अंक हो गए और फाइनल रिजल्ट आ गया। मजे की बात यह है कि छात्र ने सभी सवालों के जवाब दिए थे, जिससे यह साफ है कि सुनवाई के समय उसे कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। उस दिन छात्र अपनी बात पर अड़ा रहा लेकिन कोर्ट में सुनवाई के दौरान उसने खुद कहा कि उसे सॉलिड मार्क्स दिए जाएंगे। इन 1563 छात्रों के लिए 23 जून को दोबारा परीक्षा होगी, जिसमें बैठने और बैठने का निर्धारण होगा। 30 जून को रिजल्ट घोषित किया जाएगा। इसके बाद दोबारा रैंकिंग घोषित की जाएगी। जो परीक्षा में शामिल नहीं होना चाहते, उनके मूल अंक माने जाएंगे। यह समाधान सिर्फ 1563 छात्रों को दिया गया, जबकि हकीकत में देश में कई ऐसे संस्थान थे, जहां समय पर पढ़ाई होती थी, लेकिन वहां पर भी काफी देर बाद परीक्षाएं होती थीं, जो सही भी था। इससे ज्यादातर लोग असंतुष्ट हैं और इसीलिए उनका आंदोलन और आंदोलन जारी है। यहां दो-तीन अन्य विसंगतियों का जिक्र करना उचित होगा। गुजरात में, गोवा में एक परीक्षा संस्थान था धरा, जलाराम स्कूल। इस स्कूल और हॉल में 30 छात्र बैठे थे। यहां से परीक्षा देने वाले छात्र झारखंड, कर्नाटक, ओडिशा आदि से थे। इन छात्रों से एजेंटों ने 10-10 लाख रुपये वसूले और अधिक उत्तर दिलाने का वादा किया गया था। यहां परीक्षा सीसीडीवी की देखरेख में हुई लेकिन परीक्षा के बाद शिक्षकों की मदद से यह किया जाना था कि सभी ओएमआर शीट अलग से ली जाएं और पढ़ने से पहले उनमें सभी सही उत्तर भरे जाएं। यह उम्मीदवारों के साथ किया गया और उन्हें अपनी ओएमआर शीट खाली छोड़नी थी। अगर वह अपने प्रयास में सफल हो जाते तो तमाम प्रयासों के साथ यह केंद्र नष्ट हो सकता था। यह जिला प्रशासन की सतर्कता और तत्परता थी कि उन्होंने समय रहते इस पर कार्रवाई की और स्कूल के प्रिंसिपल और अन्य शिक्षकों को गिरफ्तार कर लिया। वहां से और शिक्षकों से 7.60 लाख रुपये बरामद परीक्षा से एक रात पहले 20-20 लाख रुपये देने वाले छात्रों को प्रश्न पत्र बता दिए गए और उनके उत्तर भी रद्द कर दिए गए ताकि वे अगले दिन परीक्षा में सभी प्रश्नों के सही उत्तर दे सकें। यही कारण है कि वे डोपर बन गए। अनियमितताओं, मिलीभगत, पेपर लीव आदि के जितने मामले सामने आ रहे हैं, उसे देखते हुए इस पूरी परीक्षा को ढोंग कहा जाए तो गलत नहीं होगा। कहावत है कि दाल में वाला होता है, लेकिन नींद की इस परीक्षा में तो ऐसा लगता है कि पूरी दाल ही वाला है। जब पूरी दाल ही वाला हो तो उसे पैसे देना ही एकमात्र उपाय है। यही बात नींद की इस परीक्षा में भी लागू होती है। अध्यक्ष महोदय, खासकर प्रधानमंत्री को इस महत्वपूर्ण मामले में तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। पूरी नींद की परीक्षा रद्द कर देनी चाहिए और दोबारा नींद की परीक्षा करानी चाहिए। और सभी यूनिवर्सिटी प्रोफेसरों को बर्खास्त कर उनकी जांच सीबीआई से करानी चाहिए और उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करना चाहिए। विभिन्न स्त्रोतों से मिली जानकारी के अनुसार नीट यूजी 2024 पेपर लीक मामले की जांच बिहार की आर्थिक अपराध इकाई कर रही है. मामले में पटना से चार अभ्यर्थियों को गिरफ्तार किया गया है. वहीं पूछताछ के लिए 9 अभ्यर्थियों को 18 और 19 जून को बुलाया गया है. इनमें 7 लड़कियां भी शामिल हैं. नीट यूजी परीक्षा का आयोजन 5 मई को किया गया था. रिजल्ट 4 जून को घोषित किया गया था. तब से नीट यूजी परीक्षा को लेकर बवाल चल रहा है. बिहार आर्थिक अपराध इकाई को जांच में अब तक पेपर लीक के कई सूबत मिले हैं. इकाई के अनुसार नीट यूजी परीक्षा से एक दिन पहले 4 मई को अभ्यर्थियों को पटना एयरपोर्ट के सामने स्थित ठल्ठअ गेस्ट हाउस में कई अभ्यर्थियों को पेपर मिल गए थे. मामले में गिरफ्तार अभ्यर्थी अनुसार भी इसी गेस्ट हाउस में रुका था.जांच में यह भी सामने आया कि अभ्यर्थियों को गेस्ट हाउस के कमरा नंबर 404 में 4 मई को रोका गया था. इकाई ने करीब 35 अभ्यर्थियों को एग्जाम से पहले पेपर मिले की आशंका जताई है. वहीं पेपर के बदले 30-30 लाख रुपए देने की बात भी सामने आई है.जांच के दौरान पटना में एक किराए के मकान से विभिन्न बैंको के दर्जन भर एडीएम कार्ड और पासबुक भी जब्त किए गए हैं. अब तक बिहार से 13 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है.जिन अभ्यर्थियों को पटना से गिरफ्तार किया गया है. उनमें अनुराग यादव को 185 नंबर, आयुष राज को 300 नंबर, अभिषेक को 581 नंबर और शिवनंदन कुमार 483 नीट यूजी परीक्षा में मिले हैं. वहीं रिजल्ट जारी होने के बाद परीक्षा में अभ्यर्थियों ने कहा था कि एग्जाम में बड़े पैमाने पर धांधली हुई है.9 अभ्यर्थियों को पूछताछ के लिए बुलाया गया है. ये सभी कैंडिडेट यूपी, बिहार और महाराष्ट्र के हैं. सन्नी, नागवाड़े, प्रिया, अलीशा, प्रवीण, अमित कुमार को पेपर लीक मामले में पूछताछ के लिए बुलाया गया है.यह भी एक बड़ा सवाल है कि इस मामले के कारण सभी परीक्षाओं और स्कूलों की विश्वसनीयता सवालों के घेरे में आ गई है। लाखों छात्रों का भविष्य खतरे में है। अगर पैसे देकर कोई डॉक्टर बन जाएगा और प्रतिभाशाली छात्र प्रवेश से वंचित रह जाएंगे तो उस देश का भविष्य क्या होगा? वे प्रतिभाशाली छात्र, उनके गरीब माता-पिता, किसी तरह अपना खेत और जमीन गिरवी रखकर, अपनी मां के गहने बेचकर, अपने बच्चों और अपने परिवार का पालन-पोषण करके किसी तरह गुजारा करते हैं और इस प्रक्रिया में वे अपनी बेटी के लिए दो लाख रुपये जुटा पाते हैं। जब वे कई वर्षों की कड़ी मेहनत के बाद इस उम्मीद से इस परीक्षा में बैठते हैं कि वे अधिक अंक लाएंगे और चिकित्सा विज्ञान में प्रवेश पा लेंगे, तो भारतीय तत्वों और पूरी व्यवस्था के प्रयासों के कारण वे निवेश से वंचित रह जाते हैं और अन्य लोग केवल पैसे के आधार पर चिकित्सा विज्ञान में प्रवेश पा लेते हैं, तो यह सबसे बड़ी विडंबना है।

संपादकीय

तार्किक हो कोटा

पटना हाई कोर्ट ने 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए गए राज्य सरकार के आरक्षण को रद्द कर दिया है। यह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई वाली बिहार सरकार को तगड़ा झटका माना जा रहा है। यह दलितों, पिछड़े वर्गों व आदिवासियों को सरकारी नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में दिया जा रहा था। बिहार की तत्कालीन महागठबंधन सरकार द्वारा बीते साल नवम्बर में जाति गणना के आधार पर इन वर्गों के लिए आरक्षण सीमा बढ़ाने का कानून बनाया गया था। अदालत ने विभिन्न याचिकाओं की सुनवाई के बाद इस बढ़ी आरक्षण सीमा को संविधान के अनुच्छेद 14, 16 व 20 का उल्लंघन बताया। जैसा कि शीर्ष अदालत पहले ही स्पष्ट कर चुकी है कि कोई भी राज्य सरकार 50 प्रतिशत की तय सीमा से अधिक कोटा नहीं लागू कर सकती है, जबकि बिहार में आर्थिक रूप से पिछड़ों के लिए 10 फीसद मिलाकर यह आरक्षण 75 प्रतिशत पहुंच गया था। अदालत का मानना है कि बिहार में कुल जनसंख्या के केवल 1.57 प्रतिशत लोग ही सरकारी नौकरियों में हैं। जनसंख्या के अनुपात में सरकारी नौकरियों में पिछड़े वर्ग का प्रतिनिधित्व भी पर्याप्त बताया जा रहा है। हालांकि राज्य सरकार इस आदेश के खिलाफ सबसे बड़ी अदालत का दरवाजा खटखटाने की तैयारी में है। दरअसल, जैसा नजर आता है कि आरक्षण अब राजनीतिक पार्टियों के लिए जनता को फुसलाने का साधन मात्र रह गया है। उनका ध्येय समाज में व्याप्त गैर-बराबरी को मिटाना नहीं रहा। वे मतदाताओं को बड़ी तादाद में प्रभावित करने के उद्देश्य से व्यवस्था के साथ खिलवाड़ करते नजर आते हैं। तमाम अगड़ी जातियां मानती हैं कि आरक्षण के चलते नौकरियों क लाले पड़ रहे हैं। वे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के प्रभावित होने का रोना भी रोती रहती हैं, परंतु यह भी गलत नहीं है कि हमारी सामाजिक व्यवस्था में विभिन्न जातियों/समुदायों को जबरदस्त अन्याय सहना पड़ा है। उनके लिए कोटा तय कर, उन्हें सामाजिक, शैक्षणिक व आर्थिक तौर पर बराबरी पर लाने के प्रयासों पर अड़चनें लाने उचित नहीं है। यूं तो अन्य राज्यों में भी सत्ताधारी दल लाभ के लोभ में कोटा बढ़ाते रहने को उतावले हो सकते हैं। इसलिए बिना देरी किए, इस पर लगाम लगाना लाजमी है।

चिंतन-मनन

ध्यान-तन्मयता का नाम समाधि

ध्यान के द्वारा परिवर्तन तभी संभव है जब ध्यान में जाने के लिए गहरी आस्था हो।

आस्था का निर्माण हुए बिना ध्यान में जाने की क्षमता अर्जित नहीं हो सकती। कुछ व्यक्तियों में नैसर्गिक आस्था होती है और कुछ व्यक्तियों की आस्था का निर्माण करना पड़ता है। आस्था पर संकल्प का पुट लग जाए और अनवरत अभ्यास का प्रम चलता रहे तो आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त हो जाता है। अभ्यास ऐसा तत्व है जो साधना की श्रृंखला को बराबर जोड़े रखता है। अभ्यास की धारा टूटने से सफलता संदिग्ध हो जाती है। आस्था, संकल्प और अभ्यास इन तीन तत्वों के अधिगत हो जाने के बाद साधक में आत्मानुशासन का विकास हो जाता है। यह अनुशासन आरोपित नहीं होता, सहज स्वीकृत होता है। इस अनुशासन में संयम के विकास की अनिवार्यता है।

संयम से हमारा प्रयोजन है तन्मयता से। यह तन्मयता ही भावक्रिया है। केवल त्याग-प्रत्याख्यान से संयम नहीं सध सकता। त्याग-प्रत्याख्यान भी साधना का एक प्रकार है, किंतु उसमें पूर्णता नहीं है। साधना में पूर्णता लाने के लिए संयम के साथ भावक्रिया का होना नितांत अपेक्षित है।

पूर्ण संयम का विकास तब हो सकता है, जब पदार्थ-प्रयोग से मन विरत हो। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि संयम के प्रति रति होने से पदार्थ-भोग के प्रति अरति हो जाती है। अनुराग से विराग का होना एक मनोवैज्ञानिक तथ्य है। बच्चे के हाथ से किसी वस्तु को छुड़ाने के लिए उसे किसी दूसरी वस्तु के प्रति आकृष्ट करना होता है।

अन्यथा वह उसे छोड़ नहीं सकता। पदार्थ-विरति भी उसी क्षण घटित हो

चीन के खिलाफ आक्रामक विदेश नीति जरूरी

'शठे शाठ्यं समाचरेत्' अर्थात दुष्ट के साथ दुष्टता का ही व्यवहार करना चाहिए। यह नीति भारत को अपने पड़ोसी व साम्राज्यवादी देश चीन के बारे में अपनानी चाहिए। चीन कभी भारत का विश्वसनीय पड़ोसी नहीं रहा है। नेहरू काल के दौरान चीन 'हिंदी चीनी भाई भाई' का नारा देकर 1962 में भारत के साथ विश्वासघात भला कौन भूल सकता है। भारत की सीमा पर घुसपैठ अथवा जमीन पर कब्जा करना चीन की फितरत में रहा है। भारत की लगातार चेतावनी के बावजूद वह एलएसी का न केवल उल्लंघन करता रहा है बल्कि अरुणाचल प्रदेश पर दावा करता रहा है। इसके लिए उसने साम, दाम, दंड, भेद की नीति का पालन किया। इसके अलावा जम्मू-कश्मीर में हाल ही में रियासी में श्रद्धालुओं की बस पर हमला किया गया। इसके बाद जम्मू-कश्मीर में लगातार हमले बढ़े हैं। इसके पीछे भारतीय सुरक्षा एजेंसियों को इन हमलों में पाकिस्तान और चीन की संयुक्त साजिश नजर आ रही है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने 4 से 8 जून के बीच कई दौर की लंबी-लंबी बैठकें की थीं। इस दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने कश्मीर पर चर्चा की। दोनों की मुलाकात के बाद ही जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले भी बढ़े हैं। भारतीय खुफिया एजेंसियों को इसमें पाकिस्तान और चीन की साजिश दिख रही है।

भारत ने लगभग 60 हजार राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को इस्टर्न लद्दाख में विभिन्न स्थानों पर तैनात किया है। एलएसी पर भारतीय सेना की भारी संख्या में तैनाती से चीन बौखलाया जरूर है। खुफिया सूत्रों के अनुसार, सेना का ध्यान भटकाने के लिए जम्मू-कश्मीर में लगातार आतंकी वारदात बढ़ाई जा रही है। हालांकि भारत के कड़े रुख के चलते चीन अपनी मंशा में सफल नहीं हो पाया, लेकिन इसी वर्ष जिस तरीके से उसने अरुणाचल प्रदेश पर अपना दावा जताने के लिए इस राज्य में एलएसी के पास 30 स्थानों के नाम बदल दिए, वह अत्यंत चिंताजनक है। भारत ने भी उस पर जवाबी कार्यवाही करते हुए तिब्बत के 30 स्थानों के नाम बदलने की तैयारी कर ली है। भारत इन नामों कभी भी सूची जारी कर सकता है।

भारत का मानना है कि ऐसा करने से चीन को उसी की भाषा में जवाब दिया जा सकेगा। सवाल यह है कि क्या ऐसा करने से चीन अरुणाचल प्रदेश पर अपना अधिकार जताना बंद कर देगा? क्या जो वह भारतीय सीमा पर लगातार घुसपैठ करता है, उसे बंद कर देगा? शायद चीन को इससे बहुत अधिक फर्क नहीं पड़ेगा। अगर चीन को सही मायने में जवाब देना है तो तिब्बत के महज नाम बदलने से बात नहीं बनेगी। उसको अधिक आक्रामक तरीके से जवाब देना पड़ेगा। चीन इससे पहले भी ऐसे ही नाम बदलने का काम वर्ष 2017, 2021 और 2023 में कर चुका है । भारत ने पहले भी इसका विरोध किया और यह कहता रहा कि अरुणाचल प्रदेश भारत का अभिन्न हिस्सा है और रहेगा। इसके लिए भारत को और अधिक सख्त कदम उठाना चाहिए। अब केंद्र में एक बार फिर मोदी के नेतृत्व में सरकार है और अरुणाचल प्रदेश में भी भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार बन चुकी है। ऐसी स्थिति में भारत को अपनी विदेश नीति को अधिक आक्रामक बनाने की आवश्यकता है।

वास्तविकता यह है कि तिब्बत को चीन अपने देश का हिस्सा मानता है। चीन अपने मैप में अरुणाचल प्रदेश को अपना हिस्सा बताता रहता है। यह बात सही है कि अब मोदी सरकार चीनी मानचित्रण और नामकरण करने के मामले में अपना रुख बदलने को तैयार है। लेकिन अब भारत सरकार को आगे बढ़ते हुए चीन को ठीक तरह से जवाब देना चाहिए। जिस तरह से चीन अरुणाचल को अपने देश का हिस्सा मानता है, भारत को तिब्बत को एक आटोनॉमस देश का दर्जा देना चाहिए। चीन अरुणाचल के निवासियों को स्पेशल वीजा स्टैपिल्ड के नाम से देता है, भारत को भी तिब्बत के निवासियों के लिए कुछ विशेष वीजा जारी करना चाहिए। इसके अलावा भारत को चीन की इमेज को हर अंतरराष्ट्रीय प्लेटफॉर्म पर आक्रमणकारी और साम्राज्यवादी देश के तौर पर रेखांकित करना चाहिए। चीन के लिए ह्यशठे शाठ्यं समाचरेत्ह्ण की नीति ही उपयुक्त नीति है।

-डॉ. अनिल कुमार निगम, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं

भारतीय रेलः मंत्री जी कृपया ध्यान दें

रजनीश कपूर

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति होगा जिसने कभी ना कभी रेल यात्रा न की हो। रेलवे स्टेशन पर सुनाई देने वाली घोषणा की शुरू आत 'यात्रीगण कृपया ध्यान दें' से ही होती है। इसका उद्देश्य सभी मौजूद यात्रियों का ध्यान आकर्षित करना होता है। यह तो हुई एक साधारण बात। परंतु बीते कुछ वर्षों में हो रहे रेल हादसों के बाद से अब इस घोषणा का सीधा संबंध भारतीय रेल से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े मंत्रियों और अफसरों से है। बढ़ते हुए रेल हादसों के चलते अब भी अगर संबंधित मंत्री और अधिकारी नहीं जागेंगे तो कब जागेंगे?

देश की जीवन रेखा माने जाने वाली भारतीय रेल हर खास-ओ-आम आदमी के लिए देश के किसी भी कोने से दूसरे कोने तक यात्रा करने का सस्ता और भरोसेमंद साधन है। हर यात्री को इस बात का भरोसा होता था कि देर-सेवर वो अपने गंतव्य तक पहुंच ही जाएगा। ज्यों-ज्यों देश की आबादी बढ़ी सरकार ने रेल यात्रा में उचित सुधार भी किए। आज भारत में रेलवे की कुल लंबाई 1,15,000 किलोमीटर है। भारतीय रेल रोजाना करीब 2 करोड़ 31 लाख यात्रियों और ३३ लाख टन माल को ढोती है। यह दुनिया की चौथी सबसे बड़ी रेलवे सेवा है। 12.27 लाख कर्मचारियों के साथ, भारतीय रेलवे दुनिया की आठवीं सबसे बड़ी व्यावसायिक इकाई है। भारतीय रेल के कार्यचालन केविभिन्न पहलुओं की देखभाल करने के लिए इसने 11 सरकारी क्षेत्र के उपक्रम भी स्थापित किए। भारत जैसे देश के लिए इतने बड़े स्तर पर यात्रा का साधन मुहैया कराने वाली भारतीय रेल पर देश को गर्व है, परंतु हर सिक्के के दो पहलू होते हैं। बीते कुछ वर्षों में रेल मंत्रालय द्वारा कई ट्रेनों में जो बदलाव किए गए हैं। वह एक ओर जहां यात्रियों द्वारा बधाई प्राप्त कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर पूरे सिस्टम में फैली अव्यवस्था को लेकर भारी विरोध भी झेल रहे हैं। यात्रियों की सुविधा की दृष्टि से रेल मंत्रालय ने अनेकों आधुनिक गाड़ियां भी चलाइ़। जैसे-जैसे रेल यात्रा में सुविधा बढ़ी वैसे-वैसे किराये में भी वृद्धि हुई। उल्लेखनीय है कि जिस कदर रेल के किरायों में वृद्धि हुई है उसमें यात्रा केवल वही लोग कर पा रहे हैं जो उस बढ़े हुए किराए का वहन कर सकते हैं। आम जनता जो कि साधारण श्रेणी में यात्रा करती है उसके लिए कोई भी नई सुविधा नहीं दी गई है। आबादी के बढ़ने पर आम जनता के लिए आम श्रेणी की गाड़ियों में भी बढ़ोतरी की जानी चाहिए थी, परंतु ऐसा नहीं हुआ। आँकड़ों के अनुसार बीते वित्तीय वर्ष में 2.70 करोड़ यात्री टिकट होने के बावजूद रेल में यात्रा नहीं कर पाए, क्योंकि उनका टिकट कन्फर्म नहीं हो पाया। इसी का नतीजा हुआ कि आए दिन हमें यह देखने को मिलता है कि ट्रेन में सफर करने वाले लोग ट्रेन की क्षमता से ज्यादा पाए जाते हैं। इससे आरक्षित टिकट प्राप्त कर यात्रा करने वालों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ता है। क्या रेल मंत्रालय के अधिकारियों इस बात की जानकारी नहीं थी कि देश में बढ़ती हुई आबादी के चलते आवागमन में भी वृद्धि होगी? क्या जिन यात्रियों की टिकट कन्फर्म नहीं हुई और उन्हें उनके किराए की राशि वापिस की गई, इसकी संख्या में होती वृद्धि पर किसी का ध्यान नहीं गया? क्या जिन साधारण श्रेणी के डिब्बों को उच्च श्रेणी में तब्दील किया जाना उचित था? क्या उच्च श्रेणी की आधुनिक ट्रेनों को चलाने के लिए साधारण श्रेणी की ट्रेनों को रद्द करना उचित था? यदि समय रहते सही निर्णय लिया गया होता तो रेल में भीड़ के चिंताजनक दृश्य सामने नहीं आते।

एक ओर जहां किसी नई और आधुनिक रेल के उद्घाटन के समय जिस कदर मंत्री और अफसर श्रेय लेने के लिए आगे आते हैं, वह रेल में हो रही लापरवाहियों का जिम्मा लेने से बचते नजर आते हैं। आंकड़ों के अनुसार 2014 से 31 मार्च 2023 तक 1117 रेल हादसे हो चुके हैं। इनमें सैकड़ों लोगों की जानें गई, हजारों की तादाद में लोग घायल हुए और करोड़ों की संपत्ति का भी नुकसान हुआ, परंतु इन हादसों से कोई सबक नहीं लिया गया। यहां एक तथ्य का उल्लेख करना आवश्यक होगा कि सीएजी की एक रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में 20 हजार करोड़ रु पये आने थे, जिसमें 15 हजार करोड़ केंद्र सरकार द्वारा दिये जाते और 5 हजार करोड़ रेल मंत्रालय देता, परंतु चार साल बाद मात्र 4225 करोड़ ही आए और इन्हें भी गैर जरूरी मदों पर खर्च किया गया रेलवे सुरक्षा पर नहीं। सोचने वाली बात यह है कि अधिकतर दुर्घटनाओं में मानवीय त्रुटि बताई जाती है। रेल मंत्री द्वारा संसद में दिए गए उत्तर के मुताबिक रेलवे में 3.12 लाख रिक्त पद पड़े हैं। गौरतलब है कि ट्रेन चलाने वाले लोको पायलट के 70093 पद स्वीकृत हैं, जिनमें से 21 प्रतिशत पद खाली पड़े हैं। इसी के चलते मौजूदा लोकोपायलटों को लंबे समय तक ड्यूटी पर रहना पड़ता है। थकान और नींद के चलते ऐसे हादसे होना स्वाभाविक है, परंतु क्या देश में बढ़ती बेरोजगारी के चलते सरकार को इस ओर ध्यान नहीं देना चाहिए था?

कामाख्या देवी की यात्रा

पुष्पा पाण्डेय

कलकत्ता एक शादी में आई और वहीं से कामाख्या देवी की यात्रा पर निकल पड़ी। 1/2/24 को आकाशा एअर लाइंस के द्वारा एक घंटे में गौहाटी की यात्रा तय की। एयरपोर्ट पर ट्यूरिज्म की गाड़ी हमारा इंतजार कर रही थी। वहाँ से लगभग पच्चीस किलोमीटर की दूरी और चार सौ मीटर की ऊँचाई पर गौहाटी आकर पूर्व आरक्षित होटल *मेफ्लावर* में पहुँच गयी। होटल दुल्हन की तरह सजा था। ताजा फूलों से सुगन्धित सजावट को देखकर लगा कि ये मेरे स्वागत में ही सजाया गया है,

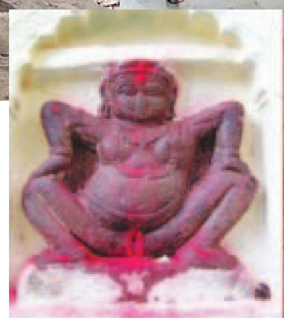

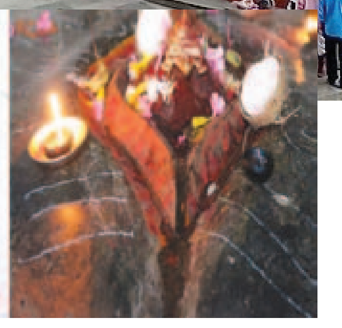

लेकिन बाद में पता चला कि आज होटल में एक शादी की बड़ी पार्टी है।
खैर.....
कमरे में आते-आते नौ बज चुके थे। कलकत्ता से ही छे बजे शाम को फ्लाइट थी तो नौ बजना स्वाभाविक ही था।
अब दर्शन की भूमिका बनानी थी। बहुत भीड़ की वजह से श्क्ढ टिकट में भी चार-पाँच घंटे लगते थे। वहीं होटल के मैनेजर से एक पंडित जी का फोन नम्बर लेकर सारी जानकारी हासिल की। पंडित जी ने उस विशेष टिकट के लिए पाँच बजे सुबह ही कतार में लग जाने को कहा, क्योंकि काउंटर दो घंटे के लिए ही खुलता था।
7-9
इसके लिए चार बजे उठकर जल्दी तैयार होना था। होटल से मंदिर छे-सात किलोमीटर की दूरी पर था।
गाड़ी मेरे साथ थी अतः हम आधे घंटे में पहुँच गये। श्रद्धालुओं की इतनी संख्या आज-तक मैंने किसी देवी मंदिर में नहीं देखी थी। लगभग बीस शक्तिपीठ का दर्शन कर चुकी हूँ, लेकिन ऐसी जमघट कहीं नहीं थी।
दो घंटे बाद टिकट मिली। 501/ रुपये की एक टिकट थी।
कतार जय माता दी के नारों के साथ आगे बढ़ी। भूल-भूलैया की तरह घूमते- घूमते, कहीं रूकते, कहीं बगल में लगी कुर्सियों पर बैठते हुए आगे बढ़ते गये। और अंततः माँ का गर्भ- गृह आ गया। नीचे गुफा की भाँति उतरे। हल्की रौशनी थी। यहाँ माँ की प्रतिमा नहीं होती है। योनी-विग्रह एक छोटे से जल के कुंड में था जो फूलों से ढका हुआ था। वहीं से एक जल का स्त्रोत भी निकलता है जिसे सभी चरणामृत की तरह स्वयं लेते थे और अपने शरीर पर छिड़कते थे। जलाशय फूल और नोटों से अच्छादित था। ये नोट भक्तों द्वारा समर्पित था। मैं भी कुंड से चरणामृत लेने के लिए बैठी और हाथ में चरणामृत ले उठना चाह रही थी, लेकिन ऐसी परिस्थिति हो गयी कि मैं उठ ही नहीं पा रही थी। सारी शक्ती जैसे समाप्त हो चुकी है। पीछे से भीड़ का सैलाब बढ़ता जा रहा था लेकिन सुरक्षाकर्मी रोक कर रखे हुए थे। मेरी आवाज लोगों तक पहुँच नहीं रही थी। पति भी हैरान थे कि उठ क्यों नहीं रही है ? तब-तक एक पंडितजी ने मुझे पकड़ कर उठाया और एक झटके के साथ आगे ढकेल दिया जिससे मैं गिर पड़ी मेरे पैरों की उँगुलियों में काफी चोटें आई, लेकिन मैं पुनः एक जोश के साथ आगे बढ़ी और पूजन-सामग्री पंडित जी को देकर मंत्रों के साथ पूजा अर्चना कर आगे बढ़ी। बगल में ही माँ सरस्वती और लक्ष्मी जी की प्रतिमा थी जिसका दर्शन कर दूसरे रास्ते से बाहर निकल कर मंदिर के सामने धूप-दीप जलाए और माँ को प्रणामकर अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांग मंदिर परिसर से बाहर निकल आई। पति अभी तक मेरी घायल स्थिति से अनभिज्ञ थे। बाहर आने पर अपनी राम कहानी उन्हे सुनाई। पैर की अंगुलियाँ पूरी तरह से घायल थी।
प्राथमिक उपचार के बाद एक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ी जैसे कुछ हुआ ही न हो।
मंदिर परिसर में काफी साकारात्मकता का अनुभव होता था। सभी मंदिरों की भाँति यहाँ भी बंदरों का एकाधिकार तो था ही, हाँ डरी,सहमी खामोशी से बकरा- बकरी और उनके बच्चे भी घूमते नजर आ रहे थे। मैं भी उसको देखकर मौन रही।
अपनी श्रद्धा के अनुसार पंडित जी को दक्षिणा दे आशीर्वाद ले अपने होटल वापस आ गयी। खाना खाकर एक घंटे विश्राम के बाद शिलांग के लिए निकल पड़े। कामाख्या देवी की यात्रा सम्पन्न हुई। इसे सुखद यात्रा ही कह सकते हैं। जूतों के सहारे अब आगे आसाम और मेघालय की यात्रा शुरू हो गयी।

पहली खूबसूरत यात्रा

अंजु केशव

चलते-चलते मेरे ये गीत याद रखना कभी अलविदा ना कहनाऽऽऽ... कभी अलविदा ना कहनाऽऽऽ.....₹ , हाइवे पर सरपट दौड़ती गाड़ी की खिड़कियों से, पीछे छूटता मेरा शहर, दिल में कहीं टीस सा पैदा कर रहा था और उस पर गाड़ी के अंदर बजता हुआ, किशोर कुमार का ये गाना, कसक की अनुभूति को और गहरा किए दे रहा था। हालांकि पति के साथ पहले सफर का रोमांच भी कुछ कम नहीं था,
और नए जगह जाने की खुशी भी अत्यधिक थी। कुछ दिन पहले ही हमारी शादी हुई थी और पतिदेव अच्छी खासी छुट्टी और ढेर सारी योजनाएं ले कर पटना पहुंचे थे, कि अचानक ही छुट्टियाँ रद्द हो गईं और शादी के पश्चात की हमारी सारी योजनाएं धरी की धरी रह गईं। आनन-फानन में हमें जमशेदपुर के लिए निकलना पड़ा। मन में खुशी और दुख का मिलाजुला एहसास था।
पटना में ही मायका और ससुराल दोनों होने की वजह से अभी तक तो दिल में एक तसल्ली सी थी, लेकिन अब मायका छूटने का एहसास शिद्दत से हो रहा था।
पतिदेव इधर-उधर की बातें कह-सुना कर मेरा ध्यान बटाने की कोशिश में लगे हुए थे क्योंकि मेरे अंदर के मौसम से ना-वाकि फ तो वो भी नहीं थे। फिर धीरे-धीरे बातों में खोए हम चलते रहे। इसके पहले कभी भी सड़क मार्ग से, इतना लंबा रास्ता तय नहीं किया था इसीलिए सफर कभी-कभी उबाऊ भी हो जा रहा था। बहरहाल चलते-रुकते, रोते-गाते हम बढ़ते रहे। क्योंकि जमशेदपुर आने का ये पहला मौका था, इसलिए रास्ते में नयी-नयी जगहों को देखना बहुत खुशगवार लगा। इनमें सबसे ज्यादा रोमांचित करने वाली जो जगह थी, वह थी नागिन के समान लपलपाती, इठलाती कोडरमा घाटी। अहा ! अद्भुत अनुभव था, उस घाटी से गुजरने का भी। डर और मस्ती का अवर्णनीय संगम। खैर धीरे-धीरे हमलोग राँची पहुंच गए। चाय-पानी से निपट कर और थोड़ी देर वहां रुकने के बाद हम जमशेदपुर के लिए निकल पड़े और सफर का यही वो टुकड़ा था जिसने मेरा मन ऐसा मोहा कि यह सफर मेरे दिल के पन्नों पर अंकित हो गया। राँची से निकलते ही बरखा रानी भी मेहरबान हो गईं और हमारे स्वागत में खूब उछल कूद मचा डाला। माहौल एकदम से साफ, शफ्फाक हो गया। सड़क के दोनों तरफ पहाड़ियाँ, हरे-भरे पेड़ों के झुरमुट, ढलते सूरज की हल्की लाल-लाल किरणें, धुली-धुली सड़कें.....लगा जैसे एकदम से ख्वाबों की दुनिया में आ गई हूं। बारिश की वजह से हवा में खुनकी बढ़ गई थी और हमसे टकरा कर शरीर में झुरझुरी सी पैदा किए दे रही थी। सोचा न था कि इस खुशी और सुकून के साथ सफर का अंत होगा और जमशेदपुर की सुरमई शाम इस अंदाज में मेरा स्वागत करेगी। न जाने कितनी जगहों पर जाना हुआ इसके बाद भी और न जाने कितनी दफा पटना से जमशेदपुर का भी सफर हुआ लेकिन वो यात्रा तो मेरे मानस पटल पर चलचित्र की भांति चलती रहती है और सच कहूँ तो अपने इस खूबसूरत शहर की वो पहली खूबसूरत यात्रा मै कभी भूलना भी नहीं चाहती।

अम्मा की होली

मनोज कुमार झा 'मनु'

पक्षाघात के कारण ह्वीलचेयर पर चलनेवाली वह वयोवृद्ध अम्मा अपने फ्लैट से तब बाहर निकलती थी जब उसे अस्पताल जाना होता था। देखभाल के लिए दो सेविकाएँ और एक ड्राइवर, मानो ये तीनो ही उसके सगे-संबंधी थे। यों, कहने को तो अम्मा के दो बेटे थे, अमरीका मे बसे हुए। साल-दो-साल मे कभी-कभार दो-चार दिनो के लिए उनका आना-जाना हो जाया करता था। बहुओं अथवा पोते-पोतियों को तो शायद ही कभी किसी ने अम्मा के पास देखा हो! मगर, अम्मा को कभी कोई शिकायत नहीं रही। खुले दरवाजे से यदा-कदा झाँकते बच्चों पर वह जरूर अपना स्नेह लुटाना चाहती थी, लेकिन उनके अभिभावकों के उनपर सख्त अनुशासन की वजह से वह परहेज करती थी। हाँ, पुस्तकों से लगाव ने अम्मा के खालीपन को कुछ हद तक भरने का काम अवश्य किया था।
युवा इंजीनियर अभिषेक पिछले साल ही इस बहुमंजिली इमारत के एक फ्लैट का वाशिंदा बना था। नौकरी की अपनी व्यस्त दिनचर्या के बावजूद वह सामाजिक गतिविधियों के लिए भी कुछ वक्त निकाल ही लेता था।
अरे भाई, सारे लोग आ चुके हैं मगर अभिषेक कहाँ गायब हो गया,ह्व सोसाइटी के सचिव महोदय ने आवाज लगाई।
वस्तुतः आज के इस होली-मिलन समारोह का मुख्य संयोजक अभिषेक ही था। अभिषेक की अनुपस्थिति मे कब कोई त्योहार आया और चला गया, पता ही नहीं चलता था।
अचानक लिफ्ट का दरवाजा खुला और ह्वीलचेयर पर आसीन उस बूढ़ी अम्मा को पीछे से सहारा देता हुआ अभिषेक बाहर निकला। आज अम्मा की शांत व उदास आँखों से अद्भुत आभा झलक रही थी और अभिषेक मुस्करा रहा था।
ह्ल अम्मा के बिना कैसी होली,ह्व अभिषेक के स्वर गूँजे। ह्लइस समारोह का शुभारंभ अम्मा ही करेंगी।
सारे लोग स्तब्ध थे। उन्होंने तो कभी अपनी ही सोसाइटी मे वर्षों से रहनेवाली इस निःशक्त अम्मा की बेबसी व एकाकीपन पर कभी ध्यान ही नहीं दिया था। क्या उनके सगे बेटों की तरह अम्मा के प्रति वे सब भी निष्ठुर नहीं हैं? सभी के चेहरे पर अपराधबोध का भाव था और हॉल मे सन्नाटा।
अनायास ही तालियों की गड़गड़ाहट ने इस बेचैन सन्नाटे को भंग कर दिया और बहुरंगी गुलाल अम्मा के चरणो को स्पर्श करते हुए सबके कपोलों को रंगीन करने लगे।

सहेलियां

सुजाता प्रसाद

जीवन की भागती-दौड़ती रेस में
सूकून का पड़ाव होती हैं सहेलियां।
जिम्मेदारी के घरौंदे से निकाल के
वंडरलैंड की सैर करवाती हैं सहेलियां।
हर समस्या के समाधान का
फस्ट एड बॉक्स होती हैं सहेलियां।
तपती रेत सा हो जब बेचैन मन
बारिश की फुहार होती हैं सहेलियां।
उदासी भरे चेहरे पर खींची
खुशी की रेखाएं होती हैं सहेलियां।
खामोश जब जब हो जाएं हम
हंसी मजाक का किट होती हैं सहेलियां।
बातें इनकी हवा मिठाई
उड़ती पतंग सी मस्त होती हैं सहेलियां।
उलझनों को सुलझाने वाली हमजोली
बहन का रुप होती हैं सहेलियां।
दु:ख के पल में लहराती आती
मां के आंचल सा प्यार होती हैं सहेलियां।
गुस्से के गुबार को कर दे उड़न छू
रिफ्रेशिंग स्पा जैसी होती हैं सहेलियां।
हो जाता है जब समय बेमतलब बेजान
धमनियों की रक्तिम प्रवाह होती हैं सहेलियां
बेधड़क से चले आए दमघोटू सफर में
ताजा आक्सीजन होती हैं सहेलियां।
डायरी एक सलाहकार की
दादी मां के नुस्खों सी होती हैं सहेलियां।
गलतियों के हिसाब किताब में
जरुरी सीख होती हैं सहेलियां।
जीवन की रंगोली में रंग बिरंगी
अबीर गुलाल होती हैं सहेलियां।
जीवन का जरुरी एहसास होती हैं ये
सच क्या क्या नहीं होती हैं सहेलियां।

योग जीवन का आधार है

घटा गिरि

एक आचार है,एक व्यवहार है।
योग आंतरिक शक्ति है,
योग ईश्वरीय भक्ति है।
योग प्रेम का केंद्र बिंदु है,
लघु शब्द में समाया अत: सिंधु है।
एक लौकिक क्रिया है
एक आद्ध्यात्मिक प्रक्रिया है,
तन मन को साधने का आयाम है।
एक व्यायाम एक प्राणायाम है।
योग जीवन दर्शन है,
आत्मा का अलौकिक प्रदर्शन है।
योग नियति है,दूर करता विकृति है।
योग समाधि है,चित्तवृत्तियों का निरोध है।
योग आदि है,योग अनादि है।
विभिन्न धर्मों का सार है योग,
आत्मा के विकसने का द्वार है योग,
योग बुद्धि और कर्म का संयोग है,
योग भक्ति और संन्यास का महायोग है।
योग कर्म में कुशलता है,
योग धर्म की श्रेष्ठता है।
योग एक संस्कार है,
योग आत्म परिष्कार है।
योग स्व का स्वयं से साक्षात्कार है।
योग सुख-दु:ख में समभाव है,
हानि-लाभ में भी विभाव है।
योग आत्मा और परमात्मा का मिलन है,
योग कैवल्य है ।एक चिंतन है,
योग आगार है,मनन है।
योग स्वांसों का आवागमन है,
योग विश्वास का पुन:चलन है।
योग में समाया ब्रह्माण्ड है।

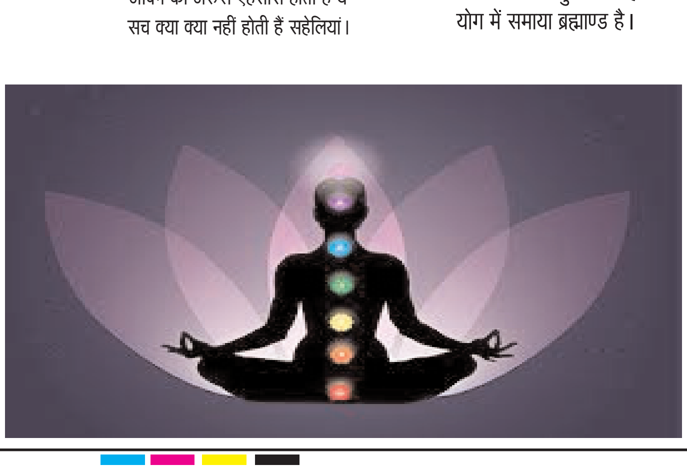

मैं नदी हूं

शान्ति लता

नदी हूं मैं
न बांधो मुझे एक ही ठाँव में
सहज बहने दो।
भिगोने दो शुष्क धरा को ..
अनुर्वरा को उर्वरा करने दो।
पनप जाएंगी मेरे तटों पर
सबुज बनस्थलियाँ
जुड़ेंगे जन.जीवन के मेले..
विहँस उठेगी प्रकृति
जाग उठेंगी सभ्यताएं
सजेंगी विविध रंगावलियाँ।
जलचर, थलचर, वनचरों की
उल्लास भरी गति विधियाँ
लहलहा उठेंगी शस्य भूमि
लहराएंगी अनाज की बालियाँ।
तृप्त करती
सभीकी तृषा, क्षुधा
जीवन दायिनी बन जाने दो ..
मुझे सहज बहने दो।
सौम्य मेरी लहरों पर
सूर्य रश्मियां करेंगी अठखेलियाँ
झरती वर्षा की बूंदे
सजाएंगी मोतियों की लड़ियाँ
ममता सिक्त जलवक्ष पर मेरे
गुंजाती माझीगीत चलेंगी नावें
चट्टानों से उछलती
ढलानों से फिसलती
समतलों पर दौड़ती
जा मिलूंगी एक दिन
सागर से अपने।
सर्व हित, समर्पित हो जाने दो
अस्तित्व मेरा सार्थक होने दो
न बांधो मुझे एक ही ठाँव में
नदी हूं मैं
सहज बहने दो।

नरेश अग्रवाल
साहित्य संयोजक बिहान भारत

शातिर

सत्या शर्मा ' कीर्ति '

गौरैया और मेरा नाता पुस्तों का था। सुना है , मेरे दादा जी अपनी माँ और दादी के साथ चावल के टुकड़े रोज सुबह इन्हें खिलाते थे ।बाद में पापा , बुआ ,चाचा और फिर हम सभी इन्हें हर सुबह दाने देते रहें।

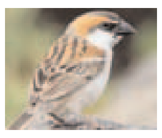

दादी का तो कहना है यह पंरपरा तो जाने कितने पीढ़ियों से हम निभाते आ रहे हैं।
यानी गौरैया से हमारी पुस्तैनी दोस्ती थी, पीढ़ियों का साथ था। तभी तो वो हमारी आहटें , हमारे पैरों के थाप को भी पहचान लेती थी।
माँ कहती ,गौरेया ब्राह्मण होती हैं ,रोज दाने चुग कर हमें और हमारे बच्चों को ढेरों आशीर्वाद देती हैं।
फिर एक दिन यह जानते हुए भी, कि टावर गौरैया और उसके बच्चों के लिए कितना खतरनाक है । मैं अपने छत पर बड़ा सा टावर लगवाई किन्तु मेरे प्रपंच से दूर उस दिन भी अपने बच्चों के साथ आई थी गौरैया । पूरे छत पर चहकती रही ,हमेशा की तरह अपना आशीर्वाद लुटाती रही और फिर उसी टावर की बलि चढ़ गई मासूम गौरेया।

चेतावनी

संगीता कुजारा टाक

कहीं मेरी उदासी
कर न दे रेत को और रेतीला

कहीं मेरे आँसू
कर न दे खारे को और खारा

कहीं मेरे दुख
कर न दें नीले को काला

कहीं मेरी आहें
कर न दे जंगल को बंजर

तेरा सहारा, तेरा समंदर
तेरा आकाश, तेरी धरती
ओ नियंता,! बचा सके तो बचा ले!

तुझे क्या लगता है
कि हमें तबाही में डालकर
तू सुरक्षित रख सकता है

जान ले
कि प्रजा के साथ-साथ
राजत्व की आभा भी है मरती।

डर

दीवारे
ओट देती हैं
और सहारा भी
निराशा भरे दिनों में
घड़ी पर खड़े होने को
सुनती है
आपकी रुँधी हुई आवाजें
और सीलती रहती हैं
और इल्जाम ले लेती हैं
अपने कमजोर होने का
डर है मुझे
उसके पारदर्शी हो जाने का..

पिता

पुष्पांजलि मिश्रा

जिसके सिर पर है पिता का हाथ
मानो ईश्वर हर पल हैं उसके साथ
जिस तरह ईश्वर की कृपा होती है बिना शर्त
वैसे पिता भी रहते हैं हमारे लिए सदैव तत्पर
बचपन में पिता की गोद में बैठना - खेलना
फिर पकड़ कर उनकी अंगुली नन्हे कदम चलना
चलते वक्त मजबूती से उनकी अंगुली पकड़ना
डगमगाना, गिरना, उठना और फिर संभलना
चाहतों की अपनी फेहरिस्त उनको सअधिकार थमाना
अपना सारा खजाना उनका हम पर हँसकर लुटाना
जरूरतों, खुशियों में हमेशा उनका साथ पाना
परेशानी,संकट, दुविधा में सिर पर हाथ पाना
अनुभव से उनके हर समस्या पर विजय पाना
जीवन के हर क्षेत्र में मजबूती से पैर जमाना
यह सब केवल तभी संभव हो पाता है
जब ईश्वर तुल्य पिता का साथ होता है
लेकिन ....
न चाहते हुए भी एक समय ऐसा आता है
जब वह मजबूत कंधा कमजोर पड़ जाता है
बोलने में कमजोरी, चलने में पाँव लड़खडाता है
तब..................
पिता को कमजोर होता देखना अंदर तक तोड़ जाता है
डंडे के सहारे पिता जब धीरे से कदम बढ़ाते हैं
बढ़ती उम्र के कारण थोड़े धीमे से हो जाते हैं
तब.............
ईश्वर से मन यही प्रार्थना करता है भरपूर
पिता रहें स्वस्थ, बीमारियों और कष्टों से दूर
तकलीफ और बड़ी बीमारियों के नाम से मन घबराता है
ईश्वर के निर्णय के सामने संतान स्वयं को मजबूर पाता है
सबके पिता रहें स्वस्थ
कष्टरहित हो उनका जीवन
पिता के लिए हर पल, हर दिन
तत्पर रहें हम लेकर साथ तन-मन-धन

गीत

लखन विक्रांत

साधो...
आँधी आयेगी तो!!
कुछ छीनेगी, कुछ झपटेगी,
लेकिन हमें
जगायेगी तो!!

खूब उड़ेंगे कूड़े-कचरे,
धूल चढ़ेगी
सिर-माथे पर!
चैन हमें भी तो आयेगा,
खुद को
भीतर तक नहलाकर!
रूखे-सूखे पात झरेंगे
तब बगिया
मुस्कायेगी तो!!
आँधी हमें जगायेगी तो!!

चाहे महाप्रलय आ जाये,
सब कुछ
नष्ट नहीं होता है!
साधो! एक नया सूरज फिर
एक नया
अंकुर बोता है!
फिर इतिहास नया जनमेगा
फिर धरती
इठलायेगी तो!!
आँधी हमें जगायेगी तो!!

आज नहीं तो शायद कल तक
सब आयाम
बदल जायेंगे!
इस साँचे के सारे पुतले
उस साँचे में
ढल जायेंगे!
प्यार भरे ये गीत हमारे
कल दुनिया
दुहरायेगी तो!!
आँधी हमें जगायेगी तो!!

वायएसआरसीपी के कार्यालय पर चला बुलडोजर... प्रतिशोध की राजनीति कर रहे नायडू

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश में सत्ता बदल चुकी है। पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी अब सत्ता से बाहर हो चुके हैं। अब तेलुगू देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू सत्ता में आ चुके हैं। आंध्र प्रदेश में सत्ता बदलने के साथ ही प्रतिशोध की राजनीति जारी है। युवजन श्रमिक रायथू कांग्रेस पार्टी (वायएसआरसीपी) का कार्यालय शनिवार सुबह विजयवाड़ा के ताडेपल्ले जिले में ध्वस्त किया गया। ऑफिस को ध्वस्त करने के लिए बुलडोजर का सहारा लिया गया। वायएसआरसीपी ने बुलडोजर एक्शन को प्रतिशोध की राजनीति करार दिया है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देकर वायएसआरसीपी ने कहा कि यह 'प्रतिशोध की राजनीति की शुरुआत' है। रिपोर्ट के अनुसार, गुंटूर जिले के ताड़ेपल्ली मंडल के सीतानगरम के बोट यार्ड परिसर में आर.एस. संख्या 202-ए-1 में 870.40 वर्ग मीटर की कथित रूप से अवैध रूप से कब्जा की गई भूमि पर थी। इसके पहले वायएसआरसीपी ने हाईकोर्ट का दरवाया खटखटाया है, इसके बावजूद ऑफिस को गिरा दिया गया। अदालत ने किसी भी विध्वंस गतिविधि को रोकने का आदेश दिया था। यह अभूतपूर्व कार्रवाई, राज्य के इतिहास में किसी पार्टी कार्यालय को ध्वस्त करने की पहली घटना, सुबह 5:30 बजे उत्खनन मशीनों और बुलडोजरों का उपयोग करके शुरू की गई। दरअसल 19 नवंबर 2021 को विधानसभा सत्र के दौरान तीखी बहस और वायएसआरसीपी कांग्रेस के नेताओं द्वारा की गई आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद नायडू सदन से बाहर चले गए थे। तब नायडू ने कसम खाई थी कि जब तक मैं सत्ता में वापस नहीं आ जाता, तब तक मैं सदन से दूर रहूंगा। इस दौरान वह काफी भावुक भी हो गए थे। उन्हें फूट-फूटकर रोते हुए भी देखा गया था।

नाबालिग भांजी के साथ अश्लील हरकत करने वाले मामा को चार वर्ष की कैद

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्ध नगर जनपद की एक अदालत ने नाबालिग भांजी के साथ अश्लील हरकत करने के जुर्म में एक व्यक्ति को चार साल की कैद की सजा सुनाई है। सहायक शासकीय अधिवक्ता चवनपाल भाटी ने बताया कि अपर सत्र विशेष न्यायाधीश (पोक्सो) की अदालत ने एक व्यक्ति को अपनी नाबालिग भांजी से छेड़छाड़ करने के जुर्म में चार साल के कारावास की सजा सुनाई। भाटी के मुताबिक अदालत ने अभियुक्त पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत ने कहा कि जुर्माना नहीं भरने पर अभियुक्त एक माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। चवनपाल भाटी ने बताया कि 2017 में बच्ची के पिता ने मामला दर्ज कराया था। शिकायतकर्ता ने शिकायत की थी चार अक्टूबर, 2017 को उनकी बेटी घर पर अकेली थी तब वहां पर बांदा के सुहाना निवासी प्रेमदीप पहुंचा और उसने बच्ची के साथ दुष्कर्म करने का प्रयास किया। शिकायतकर्ता के मुताबिक तभी एक महिला घर पर पहुंच गई और उसने बच्ची को बचा लिया।

नाबालिग आरोपी के पिता को जमानत मिली

पुणे। पुणे की एक अदालत ने पोर्श एक्सीडेंट मामले में आरोपी किशोर के पिता विशाल अग्रवाल को जमानत दे दी। रिपोर्ट के अनुसार, अग्रवाल को किशोर न्याय अधिनियम से संबंधित एक मामले में जमानत मिली है। अग्रवाल पर एक अभिभावक के रूप में अपने कर्तव्य को पूरा करने में विफल रहने के लिए मोटर वाहन अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम के तहत आरोप लगाया गया था। पुलिस ने यह पता लगाने के बाद इसे अपने हाथ में ले लिया कि मार्च में अपने बेटे के लिए खरीदी गई पोर्श का पंजीकरण नहीं कराया गया था क्योंकि अग्रवाल ने 44 लाख रुपये का रोड टैक्स नहीं चुकाया था। इसके अलावा, उनके नाबालिग बेटे के पास ड्राइविंग लाइसेंस नहीं था। दुर्घटना के परिणामस्वरूप दो सॉफ्टवेयर इंजीनियर अनीश अवधिया और अश्विनी कोस्टा की मौत हो गई। 17 वर्षीय किशोर ने कथित तौर पर नशे में गाड़ी चलाकर उन्हें टक्कर मार दी। 14 जून को पुणे की अदालत ने किशोर के माता-पिता और एक अन्य आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विशाल, शिवानी अग्रवाल और बिचौलिए अश्पक मकंदर पर किशोर के रक्त के नमूने बदलने के आरोप में जांच की जा रही है, ताकि यह दिखाया जा सके कि दुर्घटना के समय वह नशे में नहीं था। मकंदर पर अग्रवाल और ससून जनरल अस्पताल के डॉक्टरों के बीच बिचौलिए के रूप में काम करने का आरोप है, जहां रक्त के नमूने एकत्र किए गए थे। यह आरोप लगाया गया है कि शिवानी अग्रवाल के रक्त के नमूनों का प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग किया गया था।

पुरी में भगवान जगन्नाथ की 'स्नान यात्रा' के लिए एकत्रित हुए हजारों श्रद्धालु

पुरी। ओडिशा के पुरी शहर में शनिवार को 12वीं सदी के मंदिर में हजारों श्रद्धालु भगवान जगन्नाथ की स्नान यात्रा के लिए एकत्रित हुए। चक्रराज सुदर्शन के साथ भगवान बलभद्र, देवी सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की मूर्तियों को मंदिर परिसर में स्थित स्नान मंडप में लाया गया, जहां उन पर 108 घड़ों का पवित्र जल डाला गया। भगवान जगन्नाथ को 35 घड़ों के जल से स्नान कराया गया, जबकि भगवान बलभद्र को 33 घड़ों, देवी सुभद्रा को 22 घड़ों और चक्रराज सुदर्शन को 18 घड़ों के जल से स्नान कराया गया। जल मंदिर स्थित सुना कुआं या स्वर्ण कुएं से लाया गया। पानी में जड़ी-बूटी और सुगंधित तत्व मिलाए गए और उसके बाद उस जल से स्नान वेदी में देवताओं का स्नान कराया गया। यह अनुष्ठान वार्षिक रथयात्रा उत्सव की शुरुआत का प्रतीक है। जगन्नाथ संस्कृति के शोधकर्ता पंडित सूर्यनारायण रथशर्मा ने बताया कि गजपति महाराजा राजा दिव्यसिंह देव ने स्नान अनुष्ठान के तुरंत बाद स्नान मंडप में चेरा पन्हरा (झाड़ू लगाना) की रस्म निभायी। चेरा पन्हरा के पूरा होने के बाद, देवताओं को स्नान बेदी में हाथी बेसा (हाथी की पोशाक) पहनाई गई। हाथी की पोशाक और इस अवसर पर विशेष वेशभूषा पारंपरिक रूप से राघवा दास मठ और गोपाल तीर्थ मठ के कारीगरों द्वारा तैयार की जाती है। मान्यता के अनुसार, अत्यधिक स्नान के कारण देवता बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें अनासर गृह में ले जाया जाता है। देवताओं को अब अनासर गृह में 14 दिनों के लिए पृथकवास किया जाएगा। इस अवधि के दौरान श्रद्धालुओं को देवताओं के दर्शन करने की अनुमति नहीं होती है। ठीक होने पर, देवता नवजौबन दर्शन के अवसर पर श्रद्धालुओं के सामने आते हैं। पुलिस की लगभग 68 प्लाटून (एक प्लाटून में 30 जवान होते हैं) तैनात की गई थीं और सुचारु दर्शन के लिए व्यापक व्यवस्था की गई है। अधिकांश श्रद्धालुओं ने मंदिर के सामने स्थित सड़क बड़ा डंडा से देवताओं के दर्शन किए।

जहरीली शराब मामले में मरने वालों की संख्या 55 पहुंची ... मुख्य संदिग्ध गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु के कल्लाकुरिची में जहरीली शराब त्रासदी में पुलिस ने एक मुख्य संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का मानना ??है कि चिन्नादुरई ने ही करुणापुरम में आसुत शराब की आपूर्ति की थी। बता दें कि अब तक जहरीली शराब के कारण मृतकों की संख्या 55 तक पहुंच गई है। गांव से हर दिन मौतों की खबरें आ रही हैं। इस त्रासदी के बाद से कई मरीजों का इलाज चल रहा है। जिला कलेक्टर प्रशांत एमएस के अनुसार, कल शाम तक, 29 पीड़ितों के शव उनके परिवारों को सौंप दिए गए और उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया। उन्होंने शुक्रवार को कहा कि तीन प्रभावित लोग ठीक हो गए हैं लेकिन दर्जनों अन्य अभी भी गंभीर हैं। अब तक 185 लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया था। 135 लोगों का इलाज चल रहा है। 30 लोगों की हालत गंभीर है। तमिलनाडु में जहरीली शराब से मौत का सिलसिला 19 जून की दोपहर से शुरू हुआ था। इसमें पहले दिन 34 लोगों की मौत हो गई थी। इसमें से 24 एक ही गांव करुणापुरम के थे। 20 जून को सभी मृतकों का एक साथ अंतिम संस्कार किया गया। 21 जून को मृतकों का आंकड़ा 47 पहुंच गया था। इधर, जहरीली शराब कांड को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को फटकार लगाई है। जस्टिस डी कृष्णकुमार और जस्टिस के कुमारेश बाबू की डिवीजन बेंच ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब राज्य सरकार जहरीली शराब से होने वाली मौतों को रोकने में विफल रही है। कोर्ट ने कहा कि बेंच ने त्रासदी से पहले भी कल्लाकुरिची में बेचे जा रहे अवैध शराब के संबंध में रिपोर्ट पढ़ी थी। यहां तक कि कुछ यूट्यूबर्स ने भी इसके बारे में बात की थी।

दूसरे राज्यों में कांग्रेस का हाथ थामेगी सपा, आगे भी जारी रहेगा गठबंधन

लखनऊ (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में विशेषकर उत्तर प्रदेश में भाजपा के विजय रथ पर लगाम लगाने का श्रेय समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव तथा कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को गया है। इन दोनों दलों के गठबंधन ने भाजपा को न सिर्फ अपेक्षित सफलता हासिल करने से रोक दिया बल्कि केन्द्र में बहुमत के आंकड़े से भी बहुत दूर कर दिया। अब समाजवादी पार्टी और कांग्रेस का यह गठबंधन देश के अन्य राज्यों में भी विस्तार लेने वाला है। माना जा रहा है कि कांग्रेस मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, हरियाणा आदि राज्यों में भविष्य में होने वाले चुनावों में समाजवादी पार्टी का साथ निभायेगी। वहीं, उप्र की दस विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव में भी यह गठबंधन ताल ठोंकेगा।

दरअसल, लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद समाजवादी पार्टी कांग्रेस के सहारे राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा हासिल करना चाहती है तो वहीं कांग्रेस देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में सपा के कंधों पर चढ़कर अपनी खोयी जमीन को वापस पाना चाहती है। जाहिर है कि दोनों को ही एक-दूसरे की जरुरत है। लोकसभा चुनाव से पहले जब मध्य प्रदेश के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और सपा के बीच गठबंधन को लेकर सहमति बनी थी लेकिन तब कांग्रेस नेता कमलनाथ के एक बयान ने दोनों के बीच खटास पैदा कर दी थी। उससे सबक लेकर अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे स्वयं दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर आने वाली कथित दिक्कतों पर सीधे हस्तक्षेप करेंगे। वहीं राहुल गांधी अखिलेश यादव से सीधे वार्ताकर समस्याओं का हल निकालेंगे। कांग्रेस चाहती है कि सपा के साथ मध्य प्रदेश जैसी तल्खी की स्थिति कहीं न आए और यूपी में जिस गठबंधन के बूते उन्होंने बेहतर परिणाम पाए हैं, उसे बरकरार रखा जाए। ऐसे में महाराष्ट्र और हरियाणा में कांग्रेस सपा को कुछ सीटें देने पर गंभीरता से विचार कर रही है। महाराष्ट्र में कुछ इलाकों में सपा की इकाई का प्रदर्शन ठीक रहा है। मौजूदा समय में भी उसके दो विधायक महाराष्ट्र के सदन में हैं। इसके अलावा हरियाणा में भी कई सीटों पर यादव मुस्लिम गठजोड़ निर्णायक स्थिति में है। इन सीटों की संख्या तकरीबन दो दर्जन बताई जाती है। कांग्रेस चाहती है कि इस गठबंधन को इन राज्यों में भी विस्तार दिया जाए ताकि जातियों का जो एका लोकसभा चुनावों में तैयार हुआ है, उसे दूसरे राज्यों में भी प्रभावी बनाया जा सके। कांग्रेस नेता राहुल गांधी पहले ही कह चुके हैं कि यूपी के दो लड़के हिंदुस्तान की राजनीति को मोहब्बत की दुकान बनाएंगे-खटाखट खटाखट। राहुल की कही गई इस बात को अब महाराष्ट्र और हरियाणा के विधानसभा चुनावों में संभावित गठबंधन से जोड़ा जा रहा है।

बिहार में ताश के पत्तों की तरह ढह रहे पुल... अररिया के बाद सीवन

पटना। बिहार में पुल गिरना एक आम चर्चा का विषय हो गया है। बिहार के अररिया जिले में 4 दिन पहले ही करोड़ों की लागत से बन रहा पुल गिर गया था। अब सीवान जिले में गंडक नहर पर बना पुल अचानक टूट गया है। मिली जानकारी के अनुसार सीवान के दरौंदा प्रखंड के रामगढ़ा पंचायत में पिलर धंसते ही पुल धड़ाम से गिर गया। पुल गिरने से अचानक आई तेज आवाज से इलाके में हड़कंप मच गया है। पुल गिराने की घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बता दें, यह पुल यह महाराजगंज प्रखंड के पटेढी बाजार और दरौंदा प्रखंड के रामगढ़ पंचायत को जोड़ती थी। पुल टूटने से आवागमन बाधित हो चुका है। इसका असर हजारों राहगीरों पर पड़ेगा। लोगों ने बताया कि यह पुल आज सुबह गिर गया है। लेकिन, ईश्वर की कृपा से कोई हताहत नहीं हुआ। लोगों ने बताया कि पुल का निर्माण करीब 40-45 वर्ष पहले हुआ था। पुल का निर्माण लोगों ने चंदा करके बनवाया था। बाद में कुछ सरकारी सहयोग मिला। लोगों का कहना है कि सरकार से हमारी मांग है जल्दी पुल को ठीक करवा दें ताकि जो आवागमन बाधित हो गया है, वहां चालू हो सके। बता दें, 3 दिन पहले ही बिहार में करोड़ों की लागत से बना पड़रिया घाट पुल ध्वस्त हो गया था। लोगों के अनुसार पुल के एप्रोच रोड को बनाने और शुरू करने की तैयारी की जा रही थी कि तभी यह हादसा हो गया था। यह पुल बेहद अहम था क्योंकि इस रास्ते पर बने पुराने पुल की हालत पहले ही बहुत खराब थी और वह रास्ते से कट चुका है। लेकिन, उद्घाटन से पहले ही पुल टूट जाने से कई ग्रामीण कार्य विभाग पर सवाल उठने लगे हैं।

स्पीकर पद को लेकर रार: भाजपा नहीं करेगी समझौता, टीडीपी को दे सकती है डिप्टी स्पीकर का पद

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की एनडीए सरकार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। भाजपा ने अपना स्पीकर बनाने का निर्णय कर लिया है। बहुत हुआ तो टीडीपी को डिप्टी स्पीकर का पद दिया जा सकता है। जदयू के पास पहले से ही राज्यसभा में उपसभापति का पद है। भाजपा ने लोकसभा में प्रोटेम स्पीकर पद पर भर्तृहरि महताब की नियुक्ति कर साफ कर दिया है कि वह विपक्ष के दबाव में नहीं आएगी। सत्ता पक्ष में सबसे बड़ा दल होने के नाते भाजपा अध्यक्ष पद अपने पास रख सकती है, जबकि उपाध्यक्ष पर सहयोगी तेलुगु देशम पार्टी को दिए जाने की संभावना है। हालांकि विपक्ष परंपरानुसार उपाध्यक्ष पद के लिए दावा कर रहा है और ऐसा न होने पर अध्यक्ष व उपाध्यक्ष दोनों पदों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर निर्विरोध निर्वाचन में अड़ंगा डाल सकती है।

सत्ता और विपक्ष में टकराव की शुरुआत प्रोटेम स्पीकर को लेकर हो चुकी है। कांग्रेस की तरफ से वरिष्ठ सांसद के सुरेश का नाम आगे बढ़ाया गया था। आठ बार के सांसद सुरेश का वरिष्ठता के लिहाज से दावा भी बनता था, लेकिन सरकार ने सात बार के सांसद भाजपा के भर्तृहरि महताब को इसके लिए चुना क्योंकि वह सात बार लगातार जीते हैं, जबकि सुरेश बीच में दो बार हारे थे। लोकसभा में कांग्रेस के सांसदों की संख्या पिछली बार से लगभग दोगुनी हुई है। सरकार द्वारा उसे उपाध्यक्ष न दिए जाने की स्थिति में विपक्ष अध्यक्ष और उपाध्यक्ष दोनों पदों पर उम्मीदवार उतार सकता है। ऐसे में नई लोकसभा की शुरुआत से ही सरकार और विपक्ष सर्वानुमति की जगह टकराव और बहुमत की ताकत की तरफ बढ़ेंगे। इससे सदन में कई मुद्दों पर टकराव बढ़ने की आशंका है। खासकर संविधान संशोधन जैसे विधेयकों पर जहां दो तिहाई सांसदों का समर्थन जरूरी होता है। ऐसे में कई मुद्दों पर सरकार को विपक्ष के सहयोग के बिना अपना कामकाज निपटाना मुश्किल हो सकता है और कई बार पीछे भी हटाना पड़ सकता है।

महाराष्ट्र में सीट बंटवारे को लेकर अभी कुछ बातचीत नहीं : राउत

मुंबई (एजेंसी)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने बताया कि साल के अंत में होने वाले महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए महाविकास आघाडी (एमवीए) के सहयोगी दलों के बीच सीट बंटवारे पर अभी बातचीत शुरू नहीं हुई है और उन्होंने जोर देकर कहा कि विपक्षी गठबंधन में सभी समान हितधारक हैं। राउत ने कहा कि एमवीए ने एकजुट होकर लोकसभा चुनाव लड़ा और दुनिया को दिखा दिया कि कैसे महाराष्ट्र ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को पूर्ण बहुमत हासिल करने से रोक दिया।

महाराष्ट्र के विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाडी में शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस घटक दल हैं। हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में एमवीए ने राज्य की 48 सीट में से 30 सीट पर जीत हासिल की थी। नेता राउत ने कहा, आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे पर अभी तक न राकांपा (एसपी) और न ही कांग्रेस के साथ बातचीत शुरू हुई है। इसकारण यह सवाल ही नहीं उठता कि कौन कितनी सीट पर चुनाव लड़ेगा। सभी बराबर के हितधारक हैं। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र में विधानसभा की 288 सीट हैं। किसी के लिए भी सीट की कमी नहीं होगी। सभी आराम से चुनाव लड़ सकते हैं।''

दरअसल राउत की टिप्पणी उस समय में आई जब राकांपा (एसपी) के नेता ने पार्टी अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री शरद पवार के हवाले से कहा कि लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी ने एमवीए के घटक दलों की तुलना में कम सीट पर चुनाव लड़ा था, लेकिन विधानसभा चुनाव में स्थिति अलग होगी। राउत ने कहा कि लोकसभा चुनाव में राकांपा (एसपी) ने सबसे ज्यादा सीट जीतीं। वह 10 सीट पर चुनाव लड़कर आठ पर विजयी रही। उन्होंने दावा किया कि शिवसेना (यूबीटी) ने 21 में से नौ सीट जीतीं, लेकिन विपक्ष ने सबसे ज्यादा हमारी ही पार्टी को निशाना बनाया। राउत ने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) दो-तीन सीट मामूली मतों के अंतर से हारी है।

उपचुनाव में 'आप' के प्रचार के लिए जालंधर में एक मकान किराए पर लूंगा : भगवंत मान

चंडीगढ़। (एजेंसी)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शनिवार को कहा कि वह जालंधर पश्चिम सीट के लिए 10 जुलाई को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के मद्देनजर आम आदमी पार्टी (आप) के चुनाव प्रचार के लिए एक मकान किराए पर लेंगे। मान ने कहा कि आप का चुनाव प्रचार अभियान उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर केंद्रित होगा। मान ने संत कबीर दास की जयंती के अवसर पर होशियारपुर में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी ने उनके नेतृत्व में उपचुनाव लड़ने का फैसला किया है। जालंधर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के लिए उपचुनाव 10 जुलाई को होगा और मतगणना 13 जुलाई को होगी। आम आदमी पार्टी के विधायक शीतल अंगुराल के इस्तीफे के बाद जालंधर पश्चिम सीट पर उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था। मान ने कहा कि मुख्यमंत्री और पार्टी की राज्य इकाई के प्रमुख के तौर पर वह जालंधर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार का नेतृत्व करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं लोगों से कहूंगा कि ये काम हो चुका है और ये काम अभी बाकी है। अपने क्षेत्र के विकास के लिए हमें और ताकत दीजिए।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह शनिवार को जालंधर जाएंगे। उन्होंने कहा, ''मैं वहां जालंधर में एक मकान किराए पर ले लूंगा। ऐसा नहीं है कि यह मकान सिर्फ 10 जुलाई तक (जब उपचुनाव के नतीजे आएंगे) किराए पर लिया जाएगा। यह मकान बाद में माझा और दोआबा क्षेत्रों के लिए सप्ताह में दो या तीन दिन के लिए कार्यालय के तौर पर काम करेगा। मैं वहीं रहूंगा।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री और अधिकारी दो दिन तक वहां मौजूद रहेंगे।गौरतलब है कि आम आदमी पार्टी को हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में करारी हार का सामना करना पड़ा था, जिसमें वह पंजाब की 13 सीट में से केवल तीन पर ही जीत दर्ज कर सकी थी। आप ने जालंधर पश्चिम विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए मोहिंदर भगत को अपना उम्मीदवार बनाया है। आप ने 2022 के पंजाब विधानसभा चुनाव में यह सीट जीती थी और शीतल अंगुराल विधायक चुने गए थे। अंगुराल अब इस निर्वाचन क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार हैं। अंगुराल ने भाजपा में शामिल होने के एक दिन बाद 28 मार्च को विधायक पद से अपना इस्तीफा दे दिया था। पंजाब विधानसभा अध्यक्ष ने 30 मई को अंगुराल का इस्तीफा स्वीकार कर लिया था। उपचुनाव 10 जुलाई को होगा जिसके लिए कुल 23 उम्मीदवारों ने नामांकन पत्र दाखिल किए हैं।

सलमान खान फायरिंग केस, मुंबई पुलिस को मिला आरोपियों के पास से ऑडियो रिकॉर्डिंग

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान के घर हुए फायरिंग मामले में गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई के खिलाफ मुंबई पुलिस को सबसे बड़ा सबूत मिला है. खबर है कि आरोपियों के पास से मिले अनमोल बिश्नोई की ऑडियो रिकॉर्डिंग एजेंसी के पास रखी अनमोल बिश्नोई के ऑडियो सैंपल से मैच हो गई है. सूत्रों ने बताया कि फायरिंग की वारदात को अंजाम देने के बाद इस मामले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने गुजरात से विकी गुप्ता और सागर पाल को गिरफ्तार किया था. जांच के दौरान पता चला की फायरिंग करने से लेकर और उसके बाद छिपने के लिए अनमोल बिश्नोई शूटरों से लगातार संपर्क में थे, उनकी गिरफ्तारी के बाद पुलिस को उनके मोबाइल से इनकी और अनमोल बिश्नोई के बीच हुई बातचीत का ऑडियो मिला था. एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि यह ऑडियो अनमोल बिश्नोई का ही है या किसी और का इसका पता लगाने के लिये केंद्रीय जांच एजेंसी से अनमोल बिश्नोई के ऑडियो सैंपल लिए गए और दोनों सैंपल फोरेंसिक लैब भेजे गए. फोरेंसिक लैब को जांच के दौरान पता चला कि यह ऑडियो अनमोल बिश्नोई का ही है.

अनुज थापन ने जेल में की थी आत्महत्या

बता दें कि मुंबई पुलिस ने 26 अप्रैल को दोनों शूटरों अनुज कुमार थापन और सोनू चंदर को बंदूक सप्लाय करने के आरोप में पंजाब से गिरफ्तार किया था. इस मामले में गिरफ्तार अनुज थापन ने 1 मई को थाने के लॉकअप में आत्महत्या कर ली थी. इसके बाद पांचवे आरोपी मोहम्मद रफीक चौधरी को गिरफ्तार किया था. इस मामले में मुंबई पुलिस ने अबतक 5 लोगों को गिरफ्तार किया है. ज्ञात हो कि 14 अप्रैल को मुंबई में अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर बाइक से आये कुछ लोगों ने गोलीबारी की घटना को अंजाम दिया था. इस मामले में पुलिस की जांच जारी है.

देर से दफ्तर जाने वाले कर्मचारियों पर होगी सख्त कार्रवाई, केंद्र ने आने का समय किया निर्धारित

नई दिल्ली (एजेंसी)। देर से दफ्तर आने वाले कर्मचारियों पर केंद्र सरकार ने शिकंजा कस दिया है। कोरोना काल में बंद हुई बायोमेट्रिक मशीनों पर फिर से उपस्थिति दर्ज करने को कहा गया है। साथ ही यह भी निर्देश दिए हैं कि यदि सवा 9 बजे से ज्यादा लेट हुए तो आधे दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। देश भर के कर्मचारियों को सुबह 9.15 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होने और अपनी हाजिरी दर्ज कराने का निर्देश दिया गया है। इसके अलावा वरिष्ठ अधिकारियों सहित सभी कर्मचारियों को बायोमेट्रिक सिस्टम का उपयोग करने के लिए भी कहा गया है। आपको बता दें कि कोरोना संक्रमण के बाद इसका इस्तेमाल बंद कर दिया गया था।

कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने अधिकतम 15 मिनट की देरी को माफ करने का फैसला किया है। कर्मचारियों को आगाह किया गया है कि अगर वे सुबह 9.15 बजे तक ऑफिस नहीं आते हैं तो उनका आधा दिन का आकस्मिक अवकाश काट लिया जाएगा। सरकारी कर्मचारियों के लिए जारी आदेश में कहा गया है, किसी भी कारण से यदि कर्मचारी किसी विशेष दिन कार्यालय में उपस्थित नहीं हो पाते हैं तो उन्हें इसकी सूचना देनी होगी। आकस्मिक अवकाश के लिए आवेदन करना होगा।केंद्र सरकार के कार्यालय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक खुले रहते हैं, लेकिन जूनियर स्तर के कर्मचारियों का देर से आना और जल्दी चले जाना सामान्य बात है। वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि ऑफिस कोई निश्चित समय नहीं है। हम काम घर भी ले जाते हैं। वे आमतौर पर शाम 7 बजे के बाद निकलते हैं। इसके अलावा उनका तर्क है कि कोविड के बाद इलेक्ट्रॉनिक फाइलों पर अक्सर छुट्टियों या वीकेंड में घर से काम करते हैं। 2014 में सत्ता संभालने के बाद मोदी सरकार ने कार्यालय के समय को लागू करने को कहा था। कर्मचारियों ने इसका विरोध किया था। कुछ ने तर्क दिया था कि वे लंबी दूरी की यात्रा करते हैं। अधिकारी और कर्मचारी समय पर ऑफिस आएं इसके लिए आधार वाली बायोमेट्रिक सिस्टम लगाई गई थी।

कुवैत अग्निकांड के बाद गैरकानूनी रूप से निवास कर रहे 10 गुजराती गिरफ्तार

अहमदाबाद। कुवैत की पुलिस ने उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के 10 लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए 10 गुजराती कुवैत में अवैध रूप से निवास कर रहे थे। बता दें कि 12 जून को कुवैत की एक इमारत में आग लगने से 50 जितने लोगों की मौत हो गई थी और उसमें 45 भारतीय भी शामिल थे। अग्निकांड के बाद कुवैत पुलिस की जांच तेज हो गई है। जिसमें पता चला कि जिस इमारत में आग लगी थी, उसमें कई लोग गैरकानूनी रूप से रह रहे थे। अवैध रूप से निवास करनेवालों में 10 जितने गुजराती भी शामिल हैं और इन सभी को कुवैत पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। ये सभी लोग मोढ पटेल समाज के हैं। कुवैत में पकड़े गए लोगों में अल्पेश रमणलाल पटेल, हिमांशु रसिकलाल पटेल, बिपिन शिवलाल पटेल, मिलन दिनेशभाई पटेल, निलव अशोक पटेल, ललित देवचंदभाई पटेल, अनिल नारायणदास पटेल, नटवरलाल भीमजीभाई पटेल, बिपिन कोदरभाई पटेल और विवेक खेमजीभाई पटेल शामिल हैं। ये सभी लोग उत्तर गुजरात के साबरकांठा जिले के विजयनगर के निवासी हैं। कुवैत में गिरफ्तार किए गए लोगों के परिजन चिंतित हैं और भारत सरकार से पकड़े लोगों को छुड़ाने की मांग है।

40 लाख का बाथरुम, 12 लाख के कमोड... जगन पैलेस में सभी लग्जरी सुविधाएं

अमरावती (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वायएसआर जगन मोहन रेड्डी के नए आलीशान महल, जिसे जगन पैलेस के नाम से जाना जा रहा है, ने सबका ध्यान खींचा है। रुशिकोंडा हिल पर बने महल की कुल लागत 452 करोड़ रुपए आंकी गई है, जो इस महल को विशाखापट्टनम का एक प्रमुख आकर्षण बना रहा है।

इस महल की खासियतें ऐसी हैं कि किसी का भी मन मोह लें। महल में 12 लग्जरी बेडरूम, एक अत्याधुनिक थिएटर हॉल और 200 झूमर जो कि 15-15 लाख रुपए के हैं। इसके अलावा, इस महल के इंटीरियर पर ही 33 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यहां लाखों रुपए के स्पा सेंटर और मसाज टेबल भी मौजूद हैं, जो इसकी भव्यता को और बढ़ाते हैं।

महल के बाथरूम भी किसी से कम नहीं हैं। सिर्फ बाथरूम बनाने में ही 40 लाख रुपए की लागत आई है और इसमें 12-12 लाख के कमोड लगे हैं। 9.9 एकड़ की जमीन पर बने इस महल में सात ब्लॉक शामिल हैं,इसमें बैंक्वेट सुविधाएं, अत्याधुनिक कॉन्फ्रेंस हॉल और शानदार लाइटिंग की व्यवस्था की गई है। महल से समुद्र तट का नजारा देखते ही बनता है।

पूर्व की वाईएसआर सरकार का दावा है कि यह महल जनता के लिए बनाया गया है। हालांकि, इस महल की भव्यता और इसमें उपलब्ध सुविधाएं इस एक निजी संपत्ति के रूप में भी देखा जा सकता है।

वाईएसआर के इस महल ने अन्य नेताओं की आलीशान संपत्तियों की याद दिला दी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और मायावती पर भी सत्ता में रहते हुए अपने निजी बंगले को भव्य बनाने के आरोप लग चुके हैं। जगन पैलेस न केवल विशाखापट्टनम का एक प्रमुख आकर्षण बन चुका है, बल्कि यह चर्चा का विषय भी बना हुआ है। अब देखना यह है कि इस महल के बारे में और क्या-क्या खुलासे होते हैं।

जून में फ्लैश कंपोजिट का पीएमआई 60.9 पर पहुंचा

- 18 सालों में सबसे ज्यादा मिलीं नौकरियां

नई दिल्ली ।

ग्लोलबल बैंक एचएसबीसी ने जून महीने का मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस को मिलाकर फ्लैश कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) डेटा रिलीज कर दिया। सर्वेक्षण के अनुसार जून में मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर दोनों में बढोतरी देखने को मिली। सर्वेक्षण में यह भी बताया गया कि पिछले 18 सालों में सबसे ज्यादा रोजगार` मिले। एक सर्वे के अनुसार हेडलाइन फ्लैश कंपोजिट पीएमआई डेटा जून में बढ़कर 60.9 हो गया, जो मई में 60.5 था। बता दें कि मई के डेटा को रिवाइज किया गया और आंकड़े में थोड़ी गिरावट आई। भारत के मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर के कंबाइंड आउटपुट में मासिक आधार पर बदलाव को मापने वाला यह इंडेक्स लगातार 35वें महीने ग्रोथ दायरे में रहा। फरवरी से ही उत्पादन क्षेत्र में बढ़ोतरी सेवा प्रोवाइडर्स के मुकाबले मजबूत रही है। एचएसबीसी की एक ग्लोबल इकनॉमिस्ट ने कहा कि ओवरआल फ्लैश पीएमआई जून में बढ़ गया, जो मैन्युफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर दोनों की बढ़ोतरी की वजह से हुआ क्योंकि इसमें मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर ने तेज वृद्धि दर्ज की। उन्होंने कहा` कि दोनों सेक्टर्स के लिए नए ऑर्डर में तेज बढ़ोतरी हुई, जिसमें मैन्युफैक्चरर्स के बीच तेजी से उछाल आया। हालांकि जून में नए निर्यात ऑर्डरों की ग्रोथ रेट थोड़ी धीमी हो गई, लेकिन यह सीरीज की शुरुआत के बाद दूसरी सबसे तेज थी। इसकी वजह से जून में कैपासिटी प्रेशर स्पष्ट हो गए, जिससे कंपनियों ने पिछले 18 सालों में सबसे अधिक अपने स्टाफिंग लेवल को बढ़ाया। निर्यात के मोर्चे पर, नए निर्यात ऑर्डर जून में लगातार 22वें महीने बढ़े और मजबूत बने रहे, हालांकि पिछले महीने की रिकॉर्ड वृद्धि के बाद गति थोड़ी धीमी हो गई। मजबूत मांग ने कंपनियों को अधिक लोगों को नियुक्त करने के लिए प्रेरित किया, जिससे कुल मिलाकर रोजगार सृजन अप्रैल 2006 के बाद सबसे तेज गति से बढ़ा। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में रोजगार सर्विस सेक्टर के मुकाबले ज्यादा था।

संबंधित पक्षों में 2.68 ट्रिलियन के लेनदेन पर अगले हफ्ते होगा निर्णय!

नई दिल्ली ।

अगले हफ्ते अदाणी एंटरप्राइजेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा मोटर्स जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरधारक चालू वित्त वर्ष और आगे के लिए संबंधित पक्षों के साथ कुल 2.68 लाख करोड़ रुपये के प्रस्तावित लेनदेन पर निर्णय करेंगे। कैपिटालाइन के आंकड़ों के मुताबिक वित्त वर्ष 2023 में बीएसई 500 कंपनियों में संबंधित पक्ष के साथ लेनेदन का कुल मूल्य बढ़कर 6 साल के उच्च स्तर 42.1 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। 42.1 लाख करोड़ रुपये मूल्य में बैलेंस शीट और लाभ-हानि दोनों के स्तर पर संबंधित पक्षों के लेनदेन शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज, अदाणी एंटरप्राइजेज और टाटा मोटर्स प्रमुख गैर-बैंकिंग कंपनियां हैं जिसका बीते समय में संबंधित पक्ष के लेनदेन ज्यादा रहा है। वित्त वर्ष 2025 के लिए अदाणी एंटरप्राइजेज सोमवार को प्रस्तावित सालाना आम बैठक के प्रस्ताव के तहत शेयरधारकों से संबंधित पक्ष के साथ 1.04 लाख करोड़ रुपये के मूल्य के लेनदेन की मंजूरी मांग रही है। इसी तरह टाटा मोटर्स ने संबंधित पक्ष के साथ 89,000 करोड़ रुपये मूल्य के लेनदेन का प्रस्ताव किया है जिसे पर सोमवार को होने वाली बैठक में शेयरधारकों से मंजूरी मांगी जाएगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज चालू वित्त वर्ष में संबंधित पक्ष संग 74,800 करोड़ रुपये मूल्य के लिए लेनदेन हेतु शेयरधारकों से डाक मतपत्र के जरिये गुरुवार को मंजूरी मांगेगी, जिसके नतीजे अगले हफ्ते आ सकते हैं। चालू वित्त वर्ष में संबंधित पक्ष के साथ जिन प्रमुख लेनदेन शेयरधारक वोट करेंगे, उनमें वित्त वर्ष 2025 और वित्त वर्ष 2026 में रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहायक इकाई और जियो फाइनैंशियल सर्विसेज के बीच 36,000 करोड़ रुपये के लेनदेन शामिल हैं।

मास्टरकार्ड समर्थित फिनटेक फर्म पाइन लैब्स लाएगी आईपीओ!

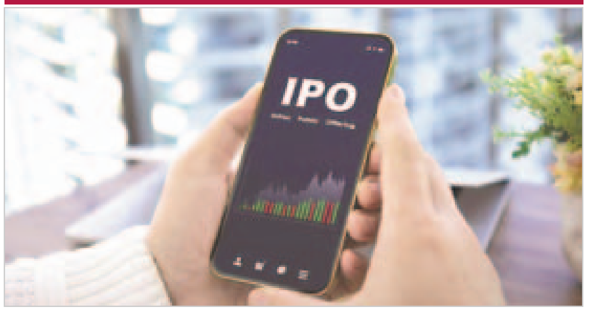

नई दिल्ली ।

शेयर बाजार में आई तेजी को देखते हुए स्टार्टअप से लेकर बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भारतीय इकाइयां पूंजी बाजार में प्रवेश करने की तैयारी कर रही हैं। मास्टरकार्ड और पीक-15 के निवेश वाली डिजिटल भुगतान कंपनी पाइन लैब्स भारत में करीब 1 अरब डॉलर का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने पर विचार कर रही है। उद्योग के सूत्रों के अनुसार पाइन लैब्स आईपीओ में 6 अरब डॉलर से ज्यादा के मूल्यांकन की उम्मीद कर रही है।

आईपीओ में पाइन लैब्स नए शेयर के साथ ही सेकंडरी शेयर भी जारी कर सकती है। दो लोगों ने बताया कि कंपनी आईपीओ लाने से पहले और पूंजी जुटा सकती है। इस खबर को पहले ब्लूमबर्ग ने प्रकाशित किया था। इस बारे में पाइन लैब्स ने कोई जानकारी नहीं दी है। अगर पाइन लैब्स का 1 अरब डॉलर का आईपीओ आता है तो यह पेटीएम की प्रवर्तक वन97 कम्युनिकेशंस के बाद किसी भी भारतीय फिनटेक कंपनी का सबसे बड़ा निर्गम होगा। वन97 कम्युनिकेशंस ने 2021 में आईपीओ के जरिये करीब 2.5 अरब डॉलर जुटाए थे। भारत में कंपनियां इस साल अभी तक आईपीओ के जरिये करीब 7 अरब डॉलर जुटा चुकी है, जो 2023 की समान अवधि की तुलना तीन गुना से अधिक है। सूत्रों ने कहा कि पाइन लैब्स के आईपीओ पर अभी प्रारंभिक स्तर पर बातचीत चल रही है और इस बारे में कोई अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। बाजार में तेजी का फायदा उठाने के लिए कई कंपनियां आईपीओ लाने की होड़ में हैं। ह्युंडै मोटर ने अपनी भारतीय इकाई का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बनाई है, वहीं सॉफ्टबैंक और टेमासेक समर्थित ओला इलेक्ट्रिक के 5,500 करोड़ रुपये के आईपीओ को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड से हरी झंडी मिल गई है।

पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं

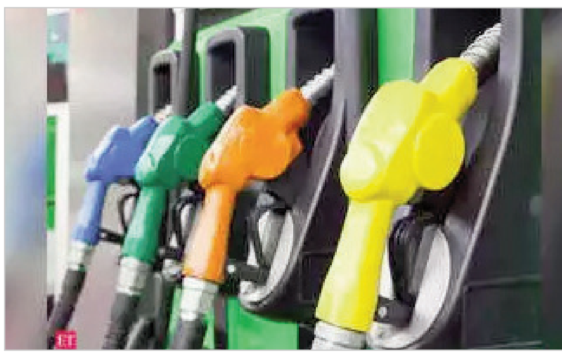

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने शनिवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है। तेल मार्केटिंग कंपनियां रोज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल के भाव अपडेट करती है। इनकी की कीमतों पर सीधा असर वैश्विक स्तर के क्रूड ऑयल की कीमतों के कारण पड़ता है। हर शहर में पेट्रोल और डीजल की अलग अलग होती है, क्योंकि इन पर टैक्स और वैट लगाया जाता है। शनिवार को दिल्ली में पेट्रोल और डीजल की दरें क्रमशः 94.76 रुपये और 87.66 रुपये प्रति लीटर हैं। वहीं मुंबई में पेट्रोल 104.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.13 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है। चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.73 रुपये और डीजल की कीमत 92.32 रुपये है। जबकि कोलकाता में एक लीटर पेट्रोल 103.93 रुपये का और डीजल 90.74 रुपये में मिल रहा है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.81 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.94 रुपये प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल 95.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.03 रुपये प्रति लीटर है। चंडीगढ में पेट्रोल 94.22 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.38 रुपये प्रति लीटर है। बेंगलुर में पेट्रोल 102.84 रुपये और डीजल 88.92 रुपये प्रति लीटर है। हैदराबाद में पेट्रोल 107.39 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.63 रुपये प्रति लीटर है। जयपुर में पेट्रोल 104.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.34 रुपये प्रति लीटर है। पटना में पेट्रोल 105.16 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.03 रुपये प्रति लीटर है। लखनऊ में पेट्रोल 94.63 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.74 रुपये प्रति लीटर है।

एसबीआई ने सरकार को दिया 6959 करोड़ का लाभांश

नई दिल्ली ।

देश के प्रमुख बैंक एसबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए सरकार को करीब 6959 करोड़ रुपए का लाभांश और बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 857 करोड़ रुपए का लाभांश दिया है। अहम बात यह है कि एसबीआई द्वारा दिया गया लाभांश पिछले वर्ष की तुलना में करीब 23 फीसदी ज्यादा है। एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश का चेक सौंपा। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी भी मौजूद थे। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि एसबीआई के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 6959.29 करोड़ रुपए का लाभांश चेक निर्मला सीतारमण को सौंपा। एसबीआई ने पिछले वित्त वर्ष के लिए 13.70 रुपए प्रति शेयर का लाभांश दिया। यह पिछले वर्ष में दिए गए 11.30 रुपए प्रति इक्विटी शेयर लाभांश से अधिक है। बैंक का मुनाफा 2023-24 में रिकॉर्ड 67,085 करोड़ रुपए रहा जो उसके एक साल पहले 55,648 करोड़ रुपए था। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को 857 करोड़ रुपए का लाभांश चेक सौंपा। बीओएम के प्रबंध निदेशक निधु सक्सेना और कार्यकारी निदेशक आशीष पांडे ने वित्त मंत्री को चेक सौंपा। इस मौके पर वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी भी मौजूद थे। बीओएम ने कहा कि बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 1.40 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (14 प्रतिशत) का लाभांश घोषित किया है। पुणे स्थित बैंक में भारत सरकार की 86.46 प्रतिशत हिस्सेदारी है। बयान में कहा गया है कि यह लाभांश भुगतान वित्त वर्ष के दौरान बैंक के प्रभावशाली वित्तीय प्रदर्शन को बताता है।

जमाखोरी को रोकने दाल और चने पर स्टॉक सीमा लगी

- तय सीमा से ज्यादा स्टॉक नहीं कर पाएंगे व्यापारी

नई दिल्ली । जमाखोरी को रोकने और उपभोक्ताओं के लिए दालों की कीमत को नियंत्रित करने के लिए केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है. सरकार ने काबुली चना समेत अरहर और चना जैसी दालों पर 30 सितंबर, 2024 तक स्टॉक सीमा लगा दी है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने इस संबंध में एक आदेश जारी किया है जो थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं, मिल मालिकों और आयातकों पर लागू है। आदेश के अनुसार थोक विक्रेताओं के लिए लागू स्टॉक सीमा 200 मीट्रिक टन, खुदरा विक्रेताओं के लिए पांच मीट्रिक टन, खुदरा दुकानों पर पांच मीट्रिक टन और बड़ी श्रृंखला खुदरा विक्रेताओं के लिए डिपो पर 200 मीट्रिक टन है। शुक्रवार को प्याज की कीमतों पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रल्हाद जोशी ने कृषि मंत्रालय के अधिकारियों से खरीफ प्याज के पैदावार को बढ़ाने के लिए कदम उठाने का आग्रह किया। पिछले एक साल में प्याज की औसत खुदरा कीमत में 55 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है।

जबलपुर में हो रही है स्टीविया की खेती

- शक्कर से 200 गुना ज्यादा मीठी स्टीविया की पत्तियां

जबलपुर धार । जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय ने डायबिटीज और बीपी के मरीजों के लिए स्टीविया पत्ती उत्पादन के लिए हर्बल प्लांट तैयार किए हैं। इन पत्तियों की मिठास शक्कर से 200 गुना ज्यादा है। डायबिटीज और बीपी के मरीजों को इसको खाने से नुकसान नहीं होता है। इस हर्बल पौधे के माध्यम से तैयार पत्तियों की डिमांड मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र के साथ-साथ रूस में भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ रही है। ऑर्गेनिक फार्मिंग से तैयार एक क्विंटल स्टीविया पत्तियों की कीमत 20 से 25000 रूपये के बीच मिलती है। वही बिना ऑर्गेनिक फार्मिंग के पौधों की पत्तियों की कीमत प्रति क्विंटल 8 से 10000 रूपये मिलती है। इन पत्तियों से जो पाउडर तैयार होता है। वह 400 से 450 रुपए प्रति किलो में आसानी से बिक रहा है।1 किलो पत्ती में 20 किलो शक्कर की मिठास होती है।स्टीविया पत्तियों में कैलोरी की मात्रा शून्य होती है। जिसके कारण डायबिटीज और बीपी के मरीज इसे आसानी से उपयोग में ला सकते हैं। रूस की एक कंपनी ने 60 टन पत्तियों की डिमांड भेजी है। जिसे जनवरी माह तक भेजा जाना है। इसके लिए 25 एकड़ से अधिक जमीन पर इसकी खेती की जा रही है।शक्कर के सबसे बेहतर विकल्प के रूप में स्टीविया की खेती बड़े पैमाने पर शुरू हो इसके लिए विश्वविद्यालय द्वारा प्रयास किये जा रहे हैं।

पीएफआरडीए पेंशन व्यवस्था आकर्षक बनाने लाएगा नया लाइफ साइकिल फंड

- इक्विटी कोष में लंबे समय तक अधिक निवेश राशि आवंटित की जा सकेगी

नई दिल्ली । पेंशन कोष नियामक पीएफआरडीए युवाओं के बीच नई पेंशन व्यवस्था (एनपीएस) को आकर्षक बनाने के लिए न्यू बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड लाने की योजना बना रहा है। इससे सेवानिवृत्ति तक अंशधारक को एक अच्छा-खासा कोष बनाने में मदद मिलेगी। पीएफआरडीए की इस प्रस्तावित योजना के तहत इक्विटी कोष में लंबे समय तक अधिक निवेश राशि आवंटित की जा सकेगी। इस योजना के अंतर्गत अंशधारक के 45 साल का होने पर इक्विटी निवेश में धीरे-धीरे कमी आएगी जबकि अभी 35 साल से यह कटौती शुरू हो जाती है। पेंशन कोष विनियामक एवं विकास प्राधिकरण (पीएफआरडीए) के चेयरमैन दीपक मोहंती ने कहा` कि हम अधिक लंबे समय तक इक्विटी शेयर फंड में निवेश आवंटित करने को लेकर जुलाई-सितंबर में न्यू बैलेंस्ड लाइफ साइकिल फंड लेकर आएंगे। उन्होंने अटल पेंशन योजना से संबंधित एक कार्यक्रम में कहा कि एनपीएस की गैर-सरकारी कर्मचारियों के लिए लाई जाने वाली इस नई योजना के अंतर्गत 45 साल के उम्र से इक्विटी निवेश में धीरे-धीरे कमी आएगी जबकि अभी 35 साल से ही यह कटौती शुरू हो जाती है। ऐसा होने पर एनपीएस का विकल्प चुनने वाले लोग लंबे समय तक इक्विटी कोष में अधिक राशि का निवेश कर सकेंगे। इससे दीर्घकाल में पेंशन कोष बढ़ेगा जबकि जोखिम और रिटर्न के बीच संतुलन भी स्थापित होगा। वर्तमान में अभी तीन लाइफ साइकिल (एलसी) कोष हैं। इन्हें एलसी 75, एलसी 50 और एलसी 25 के नाम से जाना जाता है। ये कोष ग्राहकों को निवेश का एक विकल्प प्रदान करते हैं। इसके तहत निवेशक इक्विटी और बॉन्ड में निवेश की जाने वाली राशि के आवंटन का विकल्प चुनते हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी रही

- ▸▸ सेंसक्स 269 अंकों की गिरावट के साथ 77,209 पर बंद
- ▸▸ निफ्टी 65.91 अंक टूटकर 23,501 अंकों पर बंद

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में नरमी के रुख के बीच स्थानीय बाजार में तेल एवं गैस, पूंजीगत उत्पाद और दैनिक उपयोग का सामान बनाने वाली कंपनियों (एफएमसीजी) के शेयरों में बिकवाली होने से लगातार छह सत्रों से जारी तेजी का सिलसिला शुक्रवार को थम गया। घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को हफ्ते के आखिरी दिन बाजार में भारी मुनाफावसूली दिखाई दी। हफ्ते भर में बाजार ने जो रिकॉर्ड बनाए थे, उससे बाजार काफी नीचे आ गए। ` जिससे बीते सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी में आधा फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सोमवार को ईद के अवसर पर शेयर बाजार रहने से बीता कारोबारी सप्ताह छोटा रहा। बीते कारोबारी ` दिनों पर नजर डालें तो मंगलवार को सेंसेक्स और निफ्टी अपने नए ऑल टाइम हाई पर पहुंच गए। सेंसेक्स 226.62 अंकों की बढ़त के साथ 77,244.17 पर खुला और 308 अंक बढ़कर 77,301 पर बंद हुआ। निफ्टी 78.91 अंकों की बढ़त के साथ 23,544.50 पर खुला और 92 अंक बढ़कर 23,558 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 173.32 अंकों की बढ़त के साथ 77,457.33 पर खुला और 36.45 अंकों की बढ़त के साथ 77,337.59 पर बंद हुआ। निफ्टी 21.35 अंक मजबूत होकर 23,579.25 पर खुला और 41.91 अंकों की गिरावट के साथ 23,516.00 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 97.69 अंक टूटकर 77,254.01 पर खुला और 141.34 अंकों की बढ़त के साथ 77,478.93 के नए हाई पर बंद हुआ। निफ्टी 32.46 अंकों की गिरावट के साथ 23,483.55 के लेवल पर खुला और 51.00 अंक चढ़कर पहली बार 23,567.00 पर बंद हुआ। शुक्रवार के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती बढ़त के बाद ऊपरी स्तरों से बिकवाली दिखी। बैंकिंग और एफएमसीजी शेयरों के टूटने से प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी कमजोर पड़ गए। इस दौरान सेंसेक्स 500 अंकों तक फिसल गया।

वहीं निफ्टी 23500 के नीचे आ गया। इससे पहले आईटी शेयरों में मजबूती से घरेलू शेयर बाजार में बढ़त का सिलसिला बरकरार रहा। शुक्रवार को सेंसक्स 2.25 अंकों की गिरावट के साथ 77,476.68 पर खुला और 269.03 अंकों की गिरावट के साथ 77,209.90 पर बंद हुआ। निफ्टी भी बढ़त गंवाकर महज 31.16 अंकों की तेजी के साथ 23,598.15 पर खुला और 65.91 अंक टूटकर 23,501.10 अंकों पर बंद हुआ।

एनबीएफसी एवांस फाइनेंशियल ने आईपीओ के दस्तावेज किए जमा

नई दिल्ली । एनबीएफसी एवांस फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड का आईपीओ बाजार में प्रवेश करने वाला है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए फंड जुटाने के लिए बाजार नियामक सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 3,500 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी के पास दाखिल दस्तावेजों के मुताबिक आरंभिक शेयर-बिक्री में 1,000 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा 2,500 करोड़ रुपये तक की ऑफर फॉर सेल भी है। ऑफर फॉर सेल के तहत ऑलिव वाइन इन्वेस्टमेंट, इंटरनेशनल फाइनेंस कॉरपोरेशन और केदारा कैपिटल ग्रोथ फंड-3 शेयर बेचेंगे। कंपनी छात्रों को एजुकेशन लोन देने से लेकर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन तक को एजुकेशन इंफ्रास्ट्रक्चर लोन उपलब्ध कराती है। मार्च 2024 तक एवांस फाइनेंशियल सर्विसेज भारत में एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) के मामले में दूसरी सबसे बड़ी शिक्षा-केंद्रित एनबीएफसी है। कंपनी का एयूएम 31 मार्च, 2022 तक 48,35.6 करोड़ रुपये था जो बढ़कर 31 मार्च, 2023 तक 8646 करोड़ रुपये हो गया। वहीं 31 मार्च, 2024 तक 13,303 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।

बीमा कंपनियां विज्ञापनों में यूलिप को निवेश की तरह दिखाना बंद करें: इरडा

- नियामक ने गाइडलाइंस जारी कर बीमा कंपनियों को उनका पालन करने को कहा

नई दिल्ली ।

बीमा नियामक इरडा ने यूनिट लिंक्ड पॉलिसीज (यूलिप) को लेकर सख्त रवैया अपनाया है, नियामक ने बीमा कंपेनियों से कहा है की वह यू लिप को` निवेश की तरह दिखाना बंद करें। इसे लेकर बीमा नियामक ने हाल ही में एक मास्टर सर्कुलर जारी किया है। इंश्योरेंस रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने यूलिप के विज्ञापनों को लेकर 19 जून को एक मास्टर सर्कुलर जारी किया। सर्कुलर में इरडा ने विज्ञापनों में यूनिट लिंक्ड या इंडेक्स लिंक्ड प्रोडक्ट को इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट की तरह दिखाने पर रोक लगा दी है। नियामक ने इसे लेकर विस्तार से गाइडलाइंस जारी कर बीमा कंपनियों को उनका पालन करने के लिए कहा है। नियामक ने बीमा कंपनियों को इसके साथ ही विज्ञापनों में कई चीजों से बचने के लिए कहा है। जैसे कंपनियां ऐसी किसी भी सर्विस का विज्ञापन नहीं कर सकती हैं, जो बीमा से नहीं जुड़ा है। किसी जनरल इंश्योरेंस प्रोडक्ट के मामले में बीमा कंपनियां पुरानी दरों से रेट या डिस्काउंट को कंपेयर नहीं कर सकती हैं। स्पष्ट तरीके से जोखिमों की जनकारी दिए बिना बीमा कंपनियां इंश्योरेंस प्रोडक्ट के संभावित फायदों को हाईलाइट नहीं कर सकती हैं। इसी तरह बीमा कंपनियों को कहा गया है कि वे आंशिक रूप से फायदों के बारे में बताते समय उससे जुड़ी सीमाओं, शर्तों आदि की भी जानकारी दें। बिना ऐसा किए वे सिर्फ आंशिक फायदों के बारे में नहीं बता सकती हैं। बीमा कंपनियां किसी भी इंश्योरेंस प्रोडक्ट के फायदे को बढ़ा-चढ़ाकर प्रस्तुत नहीं कर सकती हैं। कंपनियां किसी प्रतिस्पर्धी की छवि के बारे में अनुचित बातें नहीं कह सकती हैं। इरडा के गाइडलाइंस के बाद बीमा कंपनियां को अब किसी भी यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस प्रोडक्ट, इंडेक्स लिंक्ड प्रोडक्ट या एन्युटी प्रोडक्ट के विज्ञापन में वैरिएबल एन्युटी पे-आउट ऑप्शन के बारे में आसान भाषा में पूरी जानकारी देनी होगी। विज्ञापनों में उन्हें इन्वेस्टमेंट पर रिटर्न में हो सकने वाले उतार-चढ़ाव की भी जानकारी देनी होगी।

कल्कि 2898 एडी' का ट्रेलर हुआ रिलीज, साल की सबसे महत्वाकांक्षी फिल्म बनी

मुंबई : शुरूआती टीजर को मिली भारी प्रतिक्रिया के बाद, आगामी साइंस-फिक्शन महाकाव्य 'कल्कि 2898 एडी' का बहुप्रतीक्षित रिलीज ट्रेलर आखिरकार लॉन्च हो गया है। जहाँ पहली झलक ने दर्शकों को भारतीय पौराणिक कथाओं में निहित असाधारण 'कल्कि 2898 एडी' सिनेमाई ब्रह्मांड से परिचित कराया। ट्रेलर में कई नायकों को शानदार अवतारों में दिखाया गया है- मेगास्टार अमिताभ बच्चन 'अश्वत्थामा' के रूप में साहसी स्टंट करते दिखाए गए हैं, उलगनायगन कमल हासन 'यास्किन' के रूप में एक अपरिचित लेकिन घातक अवतार मेंऔर उनके साथ प्रभास 'भैरव' के रूप में दिखाई दे रहे हैं। दीपिका पादुकोण ने इसमें 'सुमति' का किरदार निभाया है, जो गर्भवती होने के दौरान तीव्र चुनौतियों का सामना करती हैं और दिशा पटानी इसमें 'रॉक्सी' के रूप में एक शक्तिशाली उपस्थिति दे रही हैं। नाग अश्विन द्वारा निर्देशित और वैजयंती मूवीज द्वारा निर्मित, यह बहुभाषी, पौराणिक कथाओं से प्रेरित विज्ञान-फाई तमाशा भविष्य पर आधारित है और 27 जून, 2024 को रिलीज होने के लिए तैयार है।

कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी का 10वां दौर शुरू

हैदराबाद । केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने कोयला खदानों की वाणिज्यिक नीलामी के 10वें दौर की शुरुआत कर दी है। नीलामी के इस चरण में 67 कोयला खानों को शामिल किया गया है। ये खदानें बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना में स्थित हैं। इनमें पूरी तरह और आंशिक रूप से खोजी गई खदानों के साथ तीन कोकिंग कोल खदानें भी शामिल हैं। नीलामी की शुरुआत के मौके पर रेड्डी ने कोयला आयात घटाने और इसका उत्पादन बढ़ाने की वकालत की। उन्होंने बिजली उत्पादन में कोयले के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे काला सोना बताया। कोयला मंत्री ने कहा कि जीवंत और सुधार-उन्मुख कोयला क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए अहम है। इस बीच रेड्डी के गृह-राज्य तेलंगाना के गोदावरी क्षेत्र में स्थित कोयला खदानों को बोली के बगैर ही आवंटित किए जाने की मांग उठी है। तेलंगाना के उप मुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने आरक्षण कोटा के तहत गोदावरी क्षेत्र की खदानें सरकारी कंपनी सिंगरेनी कोलियरीज को नीलामी के बगैर ही आवंटित करने की मांग रखी है। इस पर किशन रेड्डी ने कहा कि वह विक्रमार्क की तरफ से उठाए गए मुद्दे पर गौर करेंगे।

आज अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगा इंग्लैंड

ब्रिजटाउन (एजेंसी)। गत चैंपियन इंग्लैंड को टी20 विश्व कप में अगर अपनी उम्मीदें जिंदा रखना हैं, तब इंग्लिश टीम को अमेरिका के खिलाफ रविवार को होने वाले सुपर आठ के अपने अंतिम मैच में बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। इंग्लैंड के बल्लेबाज दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पिछले मैच में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी नहीं कर सके और मैच में हार के कारण उसका नेट रन रेट भी गड़बड़ा गया।

वेस्टइंडीज की अमेरिका के खिलाफ बड़ी जीत से ग्रुप में सेमीफाइनल में पहुंचने की दौड़ रोमांचक हो गई है। ऐसी परिस्थितियों में इंग्लैंड को अपने नेट रन रेट में सुधार करने के लिए अमेरिका पर बड़ी जीत दर्ज करनी होगी। द.अफ्रीका ने ग्रुप दो में अपने दोनों मैच जीते हैं और वह अभी शीर्ष पर काबिज है, लेकिन वेस्टइंडीज और इंग्लैंड की जीत से समीकरण बदल सकते हैं। तीनों टीम में अभी वेस्टइंडीज का नेट रन रेट बेहतर है।

अभी किसी भी टीम ने सेमीफाइनल में सीट पक्की नहीं की है। इंग्लैंड को अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अमेरिका के खिलाफ कम से कम 10 रन या एक ओवर शेष रहते हुए जीत हासिल करनी होगी। अगर इंग्लैंड ऐसा करने में सफल होता, तब द.अफ्रीका की मुश्किल बढ़ जाएगी क्योंकि वेस्टइंडीज के खिलाफ यहां तक कि सुपर ओवर में हारने पर भी वह बाहर होगा। यदि दक्षिण अफ्रीका जीत दर्ज करने में सफल रहता है और इंग्लैंड की टीम अमेरिका से हार जाती है तब फिर वेस्टइंडीज, इंग्लैंड और अमेरिका में से जिसका नेट रन रेट बेहतर होगा, वह ग्रुप से दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में पहुंच जाएगा। वहीं इंग्लैंड को अगर अपना नेट रन रेट सुधारना है, तब उसके बल्लेबाजों को अच्छा प्रदर्शन करना होगा। उसके बल्लेबाजों ने वेस्टइंडीज के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ निराश किया। फिल साल्ट शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने अपने पिछले 10 टी20 मैचों में दो शतक और एक अर्धशतक लगाया है, लेकिन पिछले मैच में उनके जल्दी आउट होने से इंग्लैंड को धमाकेदार शुरुआत नहीं मिल पाई। कप्तान जोस बटलर और जॉनी बेयरस्टो बड़े शॉट नहीं लगा सके। हैरी ब्रूक (53) और लियाम लिविंगस्टोन (33) ने मोर्चा संभाला लेकिन इंग्लैंड अंतिम तीन ओवर में 25 रन नहीं बना सका। इसके बावजूद अमेरिकी गेंदबाजों के लिए इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना मुश्किल होगा।

टीम

इंग्लैंड = जोस बटलर (कप्तान), मोइन अली, जोफ्रा आर्चर, जोनाथन बेयरस्टो, हैरी ब्रूक, सैम करन, बेन डकेट, टॉम हार्टले, विल जैक्स, क्रिस जॉर्डन, लियाम लिविंगस्टोन, आदिल राशिद, फिल साल्ट, रीस टॉपले और मार्क वुड।

अमेरिका =मोनंक पटेल (कप्तान), आरोन जोन्स, एंड्रीज गौस, कोरी एंडरसन, अली खान, हरमीत सिंह, जेसी सिंह, मिलिंद कुमार, निसर्ग पटेल, नितीश कुमार, नोशतुश केंजीगे, सौरभ नेत्रलवकर, शैडली वैन शल्कविक, स्टीवन टेलर, शायन जहांगीर। रिजर्व खिलाड़ी= गजानंद सिंह, जुआनॉय ड्रिस्डेल, यासिर मोहम्मद।

बाबर आजम कर सकते हैं पूर्व खिलाड़ियों और यूट्यूबर्स के खिलाफ कानूनी कार्रवाई

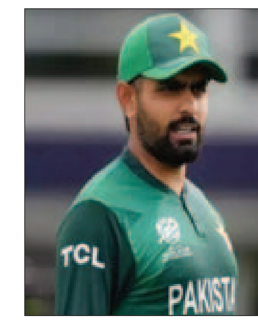

इस्लामाबाद (पाकिस्तान) (एजेंसी)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम उन यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर सकते हैं जिन्होंने टी20 विश्व कप में उनके अभियान के दौरान उन पर 'दुर्व्यवहार' का आरोप लगाया था।

बाबर और पाकिस्तान की टीम को विश्व कप अभियान के कारण पूर्व खिलाड़ियों और प्रशंसकों की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि पाकिस्तान के अभियान के दौरान बाबर को 'निशाना' बनाने के लिए सोशल मीडिया अभियान चलाया गया, जिससे वह 'निराश' महसूस कर रहे थे।

यह भी बताया गया कि यूट्यूबर्स और पूर्व क्रिकेटरों द्वारा दिए गए बयानों से संबंधित साक्ष्य पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के कानूनी विभाग द्वारा एकत्र किए जा रहे हैं। कुछ खिलाड़ी और अधिकारी बुधवार की सुबह एक निजी एयरलाइन की उड़ान से लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे। वापस लौटने वाले खिलाड़ियों में नसीम शाह, उस्मान खान और वरिष्ठ प्रबंधक वहाब रियाज शामिल थे। लेकिन, 15 सदस्यीय टीम के कुछ खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट से जल्दी बाहर होने के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका में अपने प्रवास को बढ़ाने का फैसला किया। बाबर, इमाद वसीम, हारिस रऊफ, शादाब खान और आजम खान के साथ शनिवार को रवाना होने की उम्मीद है।

प्रतियोगिता के पिछले संस्करण में इंग्लैंड के खिलाफ फाइनल में खेलने के बाद पाकिस्तान ग्रुप चरण में चल रहे विश्व कप से बाहर हो गया। पाकिस्तान ने रविवार को फ्लोरिडा में आयरलैंड पर तीन विकेट की जीत के साथ अपने अभियान का अंत किया जो ग्रुप ए से भारत और यूएसए के सुपर 8 चरण में हार गया था और सुपर 8 में स्थान सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त नहीं था। पाकिस्तान की अगली व्हाइट-बॉल सीरीज नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी। मेन इन ग्रीन तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में भाग लेंगे, जिसकी शुरुआत 4 नवंबर से होगी।

डिकॉक का कैच लपकते ही जश्न मनाने लगे मार्क वुड

-थर्ड अंपायर ने खोली पोल, इंग्लैंड खिलाड़ी की धोखेबाजी पकड़ाई

सेंट लुसिया (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के सुपर-8 के एक रोमांचक मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने इंग्लैंड को हराया। मैच में साउथ अफ्रीका ने छह विकेट पर 163 रन बनाए थे। इसके जवाब में इंग्लैंड टीम छह विकेट पर 156 रन ही बना सकी और सात रन से हार गई। इंग्लैंड लक्ष्य के करीब थे, लेकिन आखिरी तीन ओवरों में मार्को यानसेन, कागिसो रबाडा और एनरिक नोर्त्जे ने शानदार खेल दिखाते हुए साउथ अफ्रीका को जीत दिलाई। इस मैच ने खूब सुर्खियां भी बटोरी हैं।

दरअसल, मार्क वुड ने क्विंटन डिकॉक का कैच लपकने का दावा किया, लेकिन गेंद असल में जमीन छू गई थी। वह जश्न भी मनाने लगे, लेकिन जब सच्चाई सामने आई तो हर कोई हैरान रह गया। दक्षिण अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने 22 गेंदों में अर्धशतक जड़कर अपनी टीम की शानदार शुरुआत की। वह रनों की बौछार कर रहे थे तो 9वां ओवर करने आए आदिल राशिद की गेंद पर डिकॉक ने शॉट खेला। स्लॉग स्वीप ने मार्क वुड ने कैच लपकते हुए जश्न मनाया, हालांकि डिकॉक इस कैच को लेकर सहमत नहीं थे। इस बीच अंपायर ने थर्ड अंपायर की मदद मांगी। अंपायर जोएल विल्सन शुरू में डिकॉक को आउट देने के पक्ष में थे। उन्होंने कहा उंगलियां गेंद के नीचे है, लेकिन क्या आप मुझे दूसरा कोण बता सकते हैं? साइड-ऑन शॉट देखने पर उनका मन बदल गया। वह बोले- ऐसा लग रहा है कि गेंद अब जमीन पर है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें लगा कि उंगलियां गेंद के नीचे नहीं हैं। उन्होंने डीकॉक को नॉट आउट करार दिया। इंग्लैंड के कप्तान जोस बटलर ने अंपायरों से फैसले पर बातचीत की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। कमेंट्री पर इयोन मोर्गन ने कहा- वुड और बटलर दोनों ही स्पष्ट रूप से खुश नहीं हैं। शॉन पोलक ने महसूस किया कि अंपायर ने सही फैसला किया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि रीप्ले में ऐसा लग रहा है कि गेंद उंगलियों से निकलकर जमीन से टकराई है, इसलिए यह सही फैसला है।

आज ऑस्ट्रेलिया से भिड़ेगा अफगानिस्तान

किंग्सटाउन (एजेंसी)। भारत से हारने के बाद अफगानिस्तान को रविवार को टी20 विश्व कप सुपर आठ ग्रुप के मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना होगा। सुपर आठ के अपने पहले मुकाबले में भारत से 47 रन से हारने वाली अफगानिस्तान की टीम काफी दबाव में, उस पर जीत ही नहीं बल्कि नेट रन रेट सुधारने का दबाव भी होगा। अफगानिस्तान -2.350 के नेट रन रेट के साथ तीसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान के लिए बल्लेबाजी में रहमानुल्लाह गुरबाज (178 रन) और इब्राहिम जदरान (160) अहम खिलाड़ी हैं, लेकिन इन्हें मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाजों से सहयोग की जरूरत है।

फजलहक फारूकी (15 विकेट) और राशिद खान (9) दोनों ने अमेरिकी पिचों पर बल्लेबाजों के लिए मुश्किलें खड़ी की हैं जिससे दोनों फॉर्म में चल रहे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों पर लगाम लगाने में मदद मिलेगी। अफगानिस्तान ने ग्रुप चरण में हरफनमौला प्रदर्शन किया जिसकी बदौलत वह वेस्टइंडीज के बाद दूसरे स्थान पर रहने में सफल रहा। लेकिन 2021 की विजेता ऑस्ट्रेलिया को रोकने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ देना होगा है। ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम की बात करे तब डेविड वार्नर (169 रन) और ट्रेविस हेड (179) की विस्फोटक सलामी जोड़ी सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां ड़ाने में माहिर, लेकिन राशिद और फारूकी अपनी गेंदबाजी से प्रभाव डाल सकते हैं। दोनों टीमें पिछली बार 2023 वनडे विश्व कप में एक दूसरे के आमने सामने हुई थीं। मुंबई में ग्लेन मैक्सवेल ने शानदार दोहरा शतक जड़ा था जबकि पैट कमिंस ने दूसरे छोर पर उन्हें मजबूत सहयोग दिया था।

अफगानिस्तान निश्चित रूप से उस हार का बदला लेना चाहेगा, लेकिन देखना होगा कि राशिद की टीम अपनी योजनाओं को अच्छी तरह आजमा पाती है या नहीं। दक्षिण अफ्रीका की तरह मिचेल मार्श की आस्ट्रेलियाई टीम भी अपने विस्फोटक बल्लेबाजों की बदौलत टूर्नामेंट की मजबूत टीम में से एक है। हालांकि टीम के लिए मैक्सवेल का खराब फार्म चिंता का कारण बना हुआ है। लेकिन उसके पास टिम डेविड के रूप में शानदार खिलाड़ी है, जो बेहतरीन ऑलराउंडर है। मध्य और निचले क्रम में मार्कस स्टोइनिस की मौजूदगी टीम की बल्लेबाजी को और मजबूत बनाती है जिनकी मौजूदा फॉर्म (तीन मैच में 156 रन) शानदार है। स्कॉटलैंड के खिलाफ पिछले मैच में कमिंस की हैट्रिक के बावजूद ऑस्ट्रेलियाई टीम को अपने क्षेत्ररक्षण में सुधार करने की जरूरत होगी क्योंकि स्कॉटलैंड के खिलाफ उन्होंने कुल छह कैच टपकाए जिसमें से अकेले मार्श ने तीन कैच छोड़े। एडम जम्पा (11) इस विश्व कप में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं। यह लेग स्पिनर तीन तेज गेंदबाजों के बाद टीम के लिए अहम गेंदबाज हैं।

टीम इस प्रकार हैं

ऑस्ट्रेलिया = मिचेल मार्श (कप्तान), एश्टन एगर, पैट कमिंस, टिम डेविड, नाथन एलिस, कैमरून ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रेविस हेड, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल स्टार्क, मार्कस स्टोइनिस, मैथ्यू वेड (विकेटकीपर), डेविड वार्नर और एडम जम्पा।

अफगानिस्तान = राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जदरान, अजमतुल्लाह उमरजई, नजीबुल्लाह जदरान, मोहम्मद इशाक, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, करीम जनत, नांग्याल खारोटी, हजरतुल्लाह जजई, नूर अहमद, नवीन उल हक, फजलहक फारूकी, फरीद अहमद मलिक।

भारतीय महिला कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने विश्व कप में लगाई स्वर्ण पदकों की हैट्रिक

अंताल्या (तुर्की) । भारतीय तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति स्वामी और परनीत कौर की कम्पाउंड महिला टीम ने इस सत्र में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए शनिवार को यहां तीसरे चरण में एस्टोनिया पर जीत से विश्व कप में स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त इस तिकड़ी ने यहां एकतरफा फाइनल में एस्टोनिया की लिसेल जाटमा, मीरी मैरिटा पास और मैरिस टेट्समैन को 232-229 से हराया। भारत की महिला कम्पाउंड टीम ने अप्रैल में शंघाई और और मई में येचियोन में क्रमश : विश्व कप के पहले चरण और दूसरे चरण के स्वर्ण पदक जीते थे। इस तरह टीम इस सत्र में अपराजेय रही है। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाज प्रियांश भी दिन में कांस्य पदक का मुकाबला खेलेंगे। रिकर्व वर्ग में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवरा भी दो पदकों की दौड़ में हैं क्योंकि दोनों व्यक्तिगत सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी भारतीय टीम

मुम्बई । भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम इस साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। भारतीय टीम इस दौरे में 4 मैच की टी20 सीरीज खेलेगी। ये सीरीज नवंबर में होगी। भारतीय पुरुष टीम का दक्षिण अफ्रीका का ये लगातार दूसरा दौरा होगा। इस दौरे में चार टी20 मैचों में से पहला मैच 8 नवंबर को डरबन के किंग्समीड में खेला जाना है। इसके बाद टीमें 10 नवंबर को दूसरे मैच के लिए गेकेबरहा जाएंगी। उसके बाद सेंचुरियन में हाईवेल्ड 13 नवंबर और जोहान्सबर्ग में 15 नवंबर को अंतिम मैच खेला जाएगा। भारतीय टीम पिछले साल भी दक्षिण अफ्रीका गयी थी पर तब दोनो के बीच सीरीज 1-1 से बराबरी पर रही थी। तब डरबन में खेला गया मैच बारिश के कारण नहीं हो पाया था। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका ने इस दौरे को लेकर खुश जताते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड बीसीसीआई का आभार माना है।

दीप्ति शर्मा का बयान, कहा- 'महज औपचारिकता का मुकाबला नहीं, हम इससे सीखने की कोशिश करेंगे'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय महिला टीम की सीनियर ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने शनिवार को कहा कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने तीसरे और अंतिम महिला एकदिवसीय मुकाबले को भारत महज औपचारिकता का मैच नहीं मानेगा बल्कि टीम पिछले मैचों की बढ़त को मजबूत करना चाहेगी।

बता दें कि, भारत ने पहले दो मैच 143 और चार रन से जीतकर तीन मैच की श्रृंखला में 2-0 की विजयी बढ़त बना ली है। दीप्ति ने मैच से पूर्व प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''हां, हमने श्रृंखला जीत ली है लेकिन हम इस मैच को सिर्फ औपचारिकता के रूप में नहीं देखेंगे। हमें जो भी मौके मिलेंगे हम उनसे सीखने की कोशिश करेंगे क्योंकि हम इस सप्ताह के अंत में (चेन्नई में) एकमात्र टेस्ट खेलने जा रहे हैं।''

इस ऑफ स्पिनर ने पहले मैच में अपने ऑलराउंड कौशल का प्रदर्शन किया था करते हुए महत्वपूर्ण 37 रन बनाए थे जिससे टीम पांच विकेट पर 99 रन की मुश्किल स्थिति से उबरने में सफल रही। उन्होंने इसके बाद मैच में दो विकेट भी चटकाए। दीप्ति ने कहा, ''मुझे दबाव की स्थिति का सामना करना पसंद है। मेरी सोच बहुत स्पष्ट है। मैं हमेशा टीम को जीत दिलाना चाहती हूं या टीम को जीत की स्थिति में पहुंचाना चाहती हूं, फिर चाहे वह मेरी बल्लेबाजी हो या गेंदबाजी।÷

दोनों मैचों में भारत के शीर्ष क्रम ने धीमी शुरुआत की जिसके बाद बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में टीम ने तेजी से रन जुटाए। दीप्ति ने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों ने श्रृंखला में अच्छा अनुकूलन कौशल दिखाया। उन्होंने कहा, ''सलामी बल्लेबाज परिस्थितियों के अनुसार खेलीं। शुरुआती ओवरों में गेंद थोड़ी घूम रही थी और उन्होंने इसे ध्यान में रखकर खेला। उन्होंने अच्छी तरह से अनुकूलन किया।''

दीप्ति ने कहा, ''10 से 12 ओवर के बाद हमने कुछ अच्छी साझेदारियां बनाईं। उन्होंने रन बनाने के हर अवसर का फायदा उठाया और यह हमारे लिए सकारात्मक है - जिस तरह से हमने बाद में इसका फायदा उठाया।'' दीप्ति ने कहा कि भारतीय खिलाड़ी अपने क्षेत्ररक्षण को सुधारने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमने एक क्षेत्ररक्षण इकाई के रूप में सुधार किया है। आप पूजा (शतक जड़ने वाली मारिजेन कैप को आउट करने के लिए वस्त्राकर का कैच) द्वारा लिया गया शानदार कैच देख सकते हैं। इससे (दूसरे वनडे में) हमारी लय बदल गई और हम एक इकाई के तौर पर अपने क्षेत्ररक्षण पर और काम कर रहे हैं।

एंडी मरे पीठ की चोट से निपटने के लिए लेंगे सर्जरी का सहारा

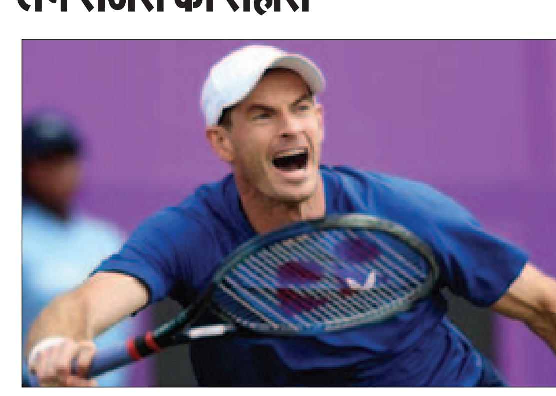

लंदन । पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी एंडी मरे विंबलडन या पेरिस ओलंपिक में खेलने की कोशिश के बारे में कोई फैसला लेने से पहले पीठ की चोट से निपटने के लिए शनिवार को सर्जरी करवाएंगे। 37 साल के मरे ने पीठ दर्द के कारण बुधवार को क्वींस क्लब में अपने दूसरे दौर के मैच को बीच में ही छोड़ दिया था, तब वह जॉर्डन थॉम्पसन से 1-4 से पीछे चल रहे थे। ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने मुकाबले के शुरू होने से पहले ही अपने दाहिने पैर में परेशानी की शिकायत की थी। मरे पिछले कई साल से लगातार अलग-अलग चोट का सामना कर रहे हैं। दो बार के विम्बलडन विजेता मरे ने इस साल के अंत में संन्यास लेने का संकेत दिया है। उनकी प्रबंधन टीम ने पुष्टि की कि शनिवार को उनकी सर्जरी की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी गई। ऑल इंग्लैंड क्लब (विम्बलडन) में पहले दौर का खेल एक जुलाई से शुरू होगा।

पुरानी चयन समिति वाली व्यवस्था बहाल करेगा पीसीबी

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट टीम को प्रदर्शन टी20 विश्व कप में इस बार बेहद खराब रहा और वह सुपर आठ में भी नहीं पहुंच पायी। उसके बाद से ही पाक क्रिकेट में उथल-पुथल मची हुई है। प्रशंसकों की नाराजगी को देखते हुए अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चयन समिति में बदलाव पुरानी चयन समिति वाली व्यवस्था पर लौटने जा रहा है। इसका कारण है कि कोई मुख्य चयनकर्ता नहीं रखने का प्रयोग विफल रहा है। पाक टीम को भारत के अलावा अमेरिका जैसी नई टीम से भी हार का सामना करना पड़ा है। इसी को देखते हुए अब पीसीबी पुरानी व्यवस्था पर लौट सकता है जिसमें एक मुख्य चयनकर्ता और दो या तीन चयनकर्ता होते थे। इसमें चयन बैठकों में कप्तान और मुख्य कोच नहीं बैठते थे। ऐसे में अब टी20 विश्व कप की टीम चुनने वाली चयन समिति के सदस्य रहे पूर्व तेज गेंदबाज वहाब रियाज नए मुख्य चयनकर्ता बन सकते हैं। वह पुरानी प्रणाली के समय चयन समिति में शामिल थे। वहीं नई व्यवस्था में कप्तान बाबर आजम और मुख्य कोच और गैरी कर्स्टन के अलावा डाटा विश्लेषक और पूर्व क्रिकेट मोहम्मद युसूफ, वहाब, असद शफीक और अब्दुल रज्जाक थे पर ये प्रयोग कारगर नहीं रहा।

मार्क जोथनपुइया तीन साल के करार के साथ ईस्ट बंगाल एफसी से जुड़े

ईस्ट बंगाल एफसी ने शनिवार को भारत के उभरते हुए अंडर-23 खिलाड़ी मार्क जोथनपुइया के साथ तीन साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की घोषणा की। यह करार 2026-27 सत्र के आखिर तक प्रभावी रहेगा। जोथनपुइया के पास मिडफील्ड और रक्षापंक्ति दोनों जगहों पर खेलने की क्षमता हैं। ईस्ट बंगाल एफसी परिवार में जोथनपुइया का स्वागत करते हुए इमामी समूह के विभाष वर्धन अग्रवाल ने कहा, ''मार्क भारत के सबसे बहुमुखी युवा खिलाड़ियों में से एक हैं। वह हमारी टीम में एक मूल्यवान सदस्य होंगे। उनका भविष्य उज्ज्वल है और हम उनसे बेहतरीन प्रदर्शन लेने की कोशिश करेंगे।''

टी20 वर्ल्डकप 2024 छक्के-चौकों की बारिश से महरुम, क्रिकेट प्रेमी निराश

- टूर्नामेंट के 44वां मैच तक 729 चौके और 389 छव ?के ही लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 वर्ल्?डकप में अब तक बल्लेबाजों का जलवा देखने को नहीं मिला जिसका लोग इंतजार कर रहे हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह विकेटों का धीमा और आउट फील्ड का स्लो होना है। मैचों में ज्यादा रन नहीं बन सके । गेंदबाजों के बल्लेबाज पर दबाव को इसी बात से समझा जा सकता है कि टूर्नामेंट में अब एक दर्जन से कम मैच बाकी हैं और सिर्फ चार बार ही 200+ रन बन पाए हैं। टूर्नामेंट में ऐसे भी मैच देखने को मिले हैं जिसमें भारत, दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश की टीमों ने 120 से कम रन बनाकर डिफेंड किया। रन ही नहीं, चौकों-छक्कों के मामले में भी इस टूर्नामेंट ने क्रिकेटप्रेमियों को निराश किया है। सुपर-8 के बांग्लादेश-ऑस्ट्रेलिया मैच जो टूर्नामेंट का 44वां मैच था जब तक 729 चौके और 389 छक्के ही लगे। प्रति मैच छक्कों का औसत 8.84 और चौकों का 16.56 के आसपास है जबकि टी20 में इससे अधिक छक्के और चौके तो किसी एक मैच की एक पारी में लग जाते हैं। यह स्थिति तब है जब सुपर-8 राउंड से सारे मुकाबले वेस्?टइंडीज में होने हैं जहां के विकेट अमेरिका की तुलना में बल्लेबाजी के लिए अच्छे हैं1 उम्मीद है कि ग्रुप मैचों में गेंदबाजों का राज रहने के बाद अब आगे के मैचों में बल्लेबाजों का राज देखने को मिलेगा और चौकों-छक्कों की बरसात से क्रिकेट प्रेमी आनंद ले सकेंगे।

टी20 विश्वकप में अब तक लगे कम छक्कों का असर दिग्गज बल्लेबाजों के खाते में भी दिख रहा है। सुपर-8 में पहुंची ऑस्?ट्रेलिया टीम के मैथ्यू वेड, बांग्लादेश के शाकिब-अल-हसन और भारत के रवींद्र जडेजा शामिल हैं। वेड का यह चौथा टी20 वर्ल्डकप है जबकि शाकिब अब तक के सभी नौ टी20 वर्ल्?डकप में खेले हैं। जडेजा का भी यह छठा टी20 वर्ल्डकप है। ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर वेड ने इस टी20 वर्ल्ड कप के पांच मैचों की दो पारियों में 15 गेंदों पर 140.00 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं लेकिन उनके बैट से अब तक छक्का नहीं लगा है। यह सही है कि वेड को अब तक खेलने के लिए ज्यादा पारियां और गेंदें नहीं मिली हैं लेकिन उनकी छवि शुरुआत से ही गेंदबाजों पर हावी होकर खेलने की है।

बता दें, वेड 90 टी20 में 46 छक्के लगा चुके हैं। वे 2021 के टी20 वर्ल्डकप के सेमीफाइनल के 19वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर पाकिस्तान के शाहीन अफरीदी की गेंद पर लगातार छक्के लगाकर ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में पहुंचाया था। इस वर्ल्डकप के फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर ऑस्ट्रेलिया चैंपियन बनी थी। इस मैच में वेड ने महज 17 गेंदों पर दो चौकों और चार छक्कों की मदद से नाबाद 41 रनों की पारी खेली थी और खेल का रुख पलटते हुए टीम की जीत संभव हुई थी।

दुनिया के बेहतरीन ऑलराउंडर्स शाकिब अब तक 127 टी20 में 52 छक्के लगा चुके हैं। मौजूदा वर्ल्डकप में पांच मैचों में 96 गेंदों का सामना करते हुए उन्होंने एक अर्धशतक की मदद से 100 रन (औसत 25.00, स्?ट्राइक रेट 104.16) बनाए हैं लेकिन इसमें एक भी छक्का नहीं लगा सके हैं। टी20 वर्ल्डकप के 41 मैचों में शाकिब ने अब तक 73 चौकों व 23 छक?कों की मदद से 842 रन बनाए हैं जबकि सबसे अधिक 49 विकेट लिए हैं। वहीं इंडिया टीम के रवींद्र जडेजा भी इस टूर्नामेंट में छक्का नहीं मार सके। इन तीनों खिलाड़ियों की टीमें सुपर-8 में पहुंच चुकी हैं। उम्मीद है कि आगे के मैचों में क्रिकेट प्रेमी और इनके फैंस इन्हें छक्का लगाते देख पायेंगे।

चाचा के नाम से मशहूर पाकिस्तान के इफ्तिखार अहमद से भी टी20 वर्ल्डकप में बल्ला रूठा रहा। वह दो मैचों में 25 रन ही बना पाए। इफ्तिखार अब तक 66 टी20 में 44 छक्के लगा चुके हैं। वर्ल्डकप (वनडे) 2023 में न्यूजीलैंड के भारतीय मूल के प्लेयर रचिन रवींद्र भी इस टी20 वर्ल्डकप को बुरा सपना मानकर भूलना चाहेंगे। तीन मैचों में एक बार नाबाद रहते हुए 17 रन ही बना पाए जिसमें न कोई छक्का है और न चौका। टी20 वर्ल्डकप 2024 के 'स्तरहीन' पिचों ने कई और बल्लेबाजों को भी इसी तरह शर्मसार किया है। बता दें, भारत में पिछले साल हुए वर्ल्डकप (वनडे) में रचिन रवींद्र टॉप-4 बल्लेबाजों में थे। उन्होंने दस मैचों में तीन शतकों के साथ 578 रन बनाए थे जिसमें 17 छक्के लगाए थे। इसी तरह कुसल मेंडिस ने वनडे वर्ल्डकप ने 15 और इफ्तिखार ने 8 छक्के लगाए थे।

तुर्की में भारत के राजदूत पॉल का निधन, विदेश मंत्री ने जताया दुख

अंकारा। तुर्की में भारत के राजदूत वीरेंदर पॉल का कल शुक्रवार को निधन हो गया। उक्त जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने दी है। उनके निधन पर विदेश मंत्री ने दुख जताया और कहा कि यह भारतीय विदेश सेवा के लिए एक बड़ी क्षति है। गौरतलब है कि वीरेंद्र पॉल 1991 बैच के भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी रहे हैं। उनके निधन पर विदेश मंत्रालय के एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए लिखा गया कि हम तुर्की में भारत के राजदूत वीरेंदर पॉल के असामयिक निधन से दुखी हैं। उन्हें उनके असाधारण मानवीय गुणों और प्रभावशाली पेशेवर योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। यहां विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पॉल के निधन पर गहरा दुख जताते हुए इसे भारत के लिए बड़ी क्षति बताया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने एक्स पर लिखा, तुर्की में हमारे राजदूत वीरेंद्र पॉल के निधन से गहरा दुख हुआ। भारतीय विदेश सेवा के लिए यह एक बड़ी क्षति है। मैंने उनकी कई पोस्टिंग में उनके साथ मिलकर कार्य किया है। हमेशा उनकी प्रतिबद्धता और सेवा की प्रशंसा की है और उनके कई योगदानों को महत्व दिया है। यहां बताते चलें कि विरेंद्र पॉल अंकारा में भारत के राजदूत नियुक्त होने से पहले अफ्रीकी देश केन्या के उच्चायुक्त, सोमालिया में राजदूत समेत कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य कर चुके थे। उन्हें पंजाबी, हिंदी और अंग्रेजी के साथ ही साथ रुसी भाषाओं का भी अच्छा ज्ञान था।

ताइवान के साथ किया रक्षा सौदा... अमेरिकी विमानन कंपनी को चीन ने किया ब्लैकलिस्ट

बीजिंग । चीन ने कहा कि अमेरिकी विमानन निर्माता कंपनी लॉकहीड मार्टिन कॉर्प के ताइवान के साथ हथियार सौदों पर हस्ताक्षर करने पर कंपनी, उसके कई व्यावसायिक इकाइयों और उसके तीन अधिकारियों पर प्रतिबंध लगाया है। ताइवान एक स्वशासित द्वीप है, इस चीन अपना क्षेत्र होने का दावा करता है। चीनी विदेश मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि कंपनी के ताइवान के साथ सहयोग देश की संप्रभुता का उल्लंघन है। चीन ताइवान की सरकार को समर्थन देने वाले किसी भी बाहरी सौदे के लिए इसी शब्दावली का इस्तेमाल करता है। प्रतिबंधों का प्रभाव काफी हद तक प्रतीकात्मक प्रतीत होता है, क्योंकि 1989 में बीजिंग और अन्य शहरों में छात्रों के नेतृत्व वाले लोकतंत्र समर्थक विरोध प्रदर्शनों पर चीन की सेना की कार्रवाई के बाद से अमेरिका और चीन के बीच सैन्य सहयोग निलंबित है। प्रतिबंधों के अंतर्गत लॉकहीड मार्टिन मिसाइल सिस्टम इंटीग्रेशन लैब, लॉकहीड मार्टिन एडवांस्ड टेक्नोलॉजी लैबोरेटरीज और लॉकहीड मार्टिन वेंचर्स का नाम शामिल है। शीर्ष अधिकारियों जेम्स डोनाल्ड टेकलेट, फ्रैंक एंड्रयू सेंट जॉन और जीसस मालवे को चीन की यात्रा करने से प्रतिबंधित कर दिया गया है।

पाकिस्तान में आंतकी हमले में पांच सैनिकों की मौत

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में आतंकवादियों के हमले में पांच सैनिकों की मौत हुई है। पाकिस्तानी सेना की मीडिया शाखा ने बताया कि कुर्रम जिले में सुरक्षा बलों के वाहन पर विस्फोट किया गया। हमले में मारे गए सैनिकों की उम्र 24 से 33 वर्ष के बीच थी। फिलहाल किसी आतंकवादी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

राहत शिविरों पर इजराइली हमला, 25 की मौत, 50 घायल

गाजा। गाजा में हमास-इजराइल के बीच जंग जारी है। इजराइल की सेना ने शुक्रवार को रफाह शहर के उत्तरी हिस्से में विस्थापित फलस्तीनियों के लिए बनाए गए शिविरों पर हमला किया, जिसमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 घायल हो गए। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय और आपातकालीन कर्मचारियों ने जानकारी दी कि रफाह में प्रत्यक्षदर्शियों ने बचावकर्मियों को तटीय क्षेत्र में दो स्थानों पर गोलाबारी के बारे में बताया। इन हमलों में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई और 50 अन्य घायल हो गए। कई देशों और यूएन के दबाव के बाद भी इजराइल विस्थापित राहत शिविरों को अपना निशाना बना रहा है जिसमें मासूम लोगों की जान जा रही है।

अल सल्वाडोर में भारी बारिश से अब तक 19 की मौत, आपातकाल घोषित

वाशिंगटन। मध्य अमेरिकी देश अल सल्वाडोर में भारी बारिश से छह और लोगों की मौत हो गई। राजधानी के बाहरी इलाकों में मकानों की दीवारें गिरने और भूस्खलन की घटनाओं में अब तक जान गंवाने वालों की संख्या 19 तक पहुंच गई है। ग्वाटेमाला के प्रशांत तट और मेक्सिको की खाड़ी में दो मौसमीय परिस्थितियों के कारण उष्णकटिबंधीय चक्रवात अल्बर्टो विकसित हुआ है और इसके असर से दक्षिणी मेक्सिको और मध्य अमेरिका में भारी बारिश हो रही है। मीडिया रिपोर्टस् के मुताबिक शहर में भारी बारिश के कारण रेड अलर्ट जारी कर दिया गय है वहीं शीर्ष अधिकारियों ने 15 दिन के लिए राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि एक मकान के गिरने से पांच और सात साल की दो बच्चियों समेत छह लोगों की मौत हो गई है। विभाग ने लोगों को भूस्खलन के खतरे को लेकर चेतावनी दी है और कहा है कि बारिश के कारण पानी जमा होने से दीवारों के गिरने का खतरा है। सल्वाडोर के अधिकारियों ने देशभर में 150 शिविर तैयार किए हैं, जिनमें से 82 शिविरों में 1,212 नाबालिगों सहित 2,582 लोग को रखा गया है।

मशहूर इंफ्लूएंसर फराह की हार्ट अटैक से मौत, फैंस को लगा झटका

लॉस एंजेलस। सोशल मीडिया पर चर्चित ब्यूटी इंफ्लूएंसर फराह एल काधी लोगों के बीच पहचान बनाने के बाद इस दुनिया को अलविदा कह गई हैं। उनकी अचानक मौत ने उनके फैंस काफी दुखी हैं। यह सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर फराह ट्यूनीशिया की रहने वाली थी, जिसने अपनी ब्यूटी से लोगों के दिल में जगह बना ई थी । बताया जा रहा है कि इंफ्लूएंसर फराह माल्टा में एक यॉट पर छुट्टियां मनाने गई थीं, तभी उन्हें हार्ट अटैक आया और वह अचानक यॉट में गिर पड़ीं, ये देखकर लोग हैरान रह गए तुरंत उन्हें वहां से निकालकर अस्पताल ले जाया गया, डॉक्टर्स ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह 36 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह गईं। फराह के निधन से उनके फैंस को बड़ा झटका लगा है। बता दें, फराह एल काधी को सोशल मीडिया पर एक मिलियन से ज्यादा लोग फॉलो करते हैं। वह जानी-मानी इंफ्लूएंसर होने के साथ ही एक प्राइवेट कंपनी में आर्किटेक्ट भी थीं और फैफ के फैशन ब्रांड बाजार की मालकिन भी थीं। फराह एल काधी को लव आइलैंड माल्टा की पहली सीरीज के लिए भी जाना जाता है।

पुतिन से मुलाकात के बाद तेवर में तानाशाह...करवा रहा दीवार का निर्माण

प्योंगयांग । उत्तर कोरिया इनदिनों दक्षिण कोरिया के साथ अपनी सीमा के पास कई स्थानों पर एक नई दीवार के कुछ हिस्सों का निर्माण कर रहा है, क्योंकि दोनों पड़ोसी देशों के बीच तनाव बढ़ रहा है, एक रिपोर्ट में उपग्रह चित्रों का हवाला देकर बताया। चित्रों का विश्लेषण किया, जिसमें दिखाया गया कि विसैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) के अंदर की भूमि को साफ कर दिया गया है, जो कोरिया के बीच 2018 के युद्धविराम समझौतों का उल्लंघन हो सकता है। तस्वीरों में दीवार के कम से कम तीन खंड दिखाई दे रहे हैं, जहाँ सीमा के पूर्वी हिस्से के करीब 1 किमी के क्षेत्र में अवरोध बनाए गए हैं। क्षेत्र में पहले की उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजरी की कमी के कारण निर्माण की सटीक तारीख स्पष्ट नहीं है। सियोल के सैन्य और रक्षा विशेषज्ञ डॉ. यूके यांग ने मीडिया को बताया, मेरा व्यक्तिगत आकलन है कि यह पहली बार है जब उन्होंने स्थानों को एक-दूसरे से अलग करने के अर्थ में अवरोध बनाया है।

दक्षिणी ग्रीस के लतास गांव में जल रही जंगल की आग के बगल में एक स्थानीय निवासी पानी की बोतलें पकड़े हुए।

40 साल में पहली बार.... टाटा स्टील के 1500 कर्मचारी करेंगे हड़ताल

लंदन । टाटा स्टील के ब्रिटेन ऑपरेशन में 2,800 कर्मचारियों की छंटनी होने वाली है। वहीं, ब्रिटेन (यूके) में टाटा स्टील के लगभग 1,500 कर्मचारी 8 जुलाई से अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले है। ये हड़ताल वेल्स के पोर्ट टैलबोट और लैनवर्न में स्थित प्लांट्स में कंपनी की 2,800 कर्मचारियों की छंटनी और ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने के विरोध में हो रही है। यूनाइट द यूनियन ने बताया कि 40 सालों में पहली बार है कि ब्रिटेन में स्टील कर्मचारियों ने टाटा स्टील यूके के संचालन को गंभीर रूप से प्रभावित करने के मकसद से हड़ताल की है। यूनियन के सदस्यों ने पहले ही सप्ताह की शुरुआत में नियमानुसार काम करना और ओवरटाइम वैन लगाना शुरू किया था। यूनाइट द यूनियन ने कहा, टाटा के पोर्ट टैलबोट और लानवर्न में स्थित लगभग 1,500 कर्मचारी कंपनी की 2,800 नौकरियों में कटौती और इसके ब्लास्ट फर्नेस को बंद करने की योजना के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करने वाले है। यूनाइट की महासचिव शेरोन ग्राहम ने कहा, टाटा के कर्मचारी केवल अपनी नौकरियों के लिए नहीं लड़ रहे हैं, बल्कि अपने समुदायों के भविष्य और वेल्स में स्टील इंडस्ट्री के भविष्य के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, जब तक टाटा अपनी विनाशकारी योजनाओं को रोक नहीं देती, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। यूनियन का दावा है कि विपक्षी लेबर पार्टी ने मुंबई मुख्यालय वाली स्टील कंपनी से अपनी योजनाओं को रोकने और 4 जुलाई के आम चुनाव के बाद नई चुनी गई सरकार के साथ बातचीत करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि लेबर पार्टी ने चुनाव जीतने पर टाटा के साथ आपातकालीन बातचीत को भी प्राथमिकता दी है।

रुस और यूक्रेन की जंग में तैनात सैनिक कर रहे योगा

ओटावा (एजेंसी)। मॉस्को(ईएमएस)। रूस और यूक्रेन की जंग में सीमा पर तैनात यूक्रेन के सैनिक भी योग का सहारा ले रहे हैं। 2 साल से ज्यादा समय से चल रहे इस युद्ध में सीमा पर तैनात सैनिकों के लिए योग वरदान साबित हो रहा है। सैनिकों का कहना है कि इससे उन्हें जल्दी रिकवरी करने में मदद मिलती है। युद्ध-ग्रस्त यूक्रेन में, योग स्वास्थ्य, रिकवरी और उपचार में एक कारगार उपाय के रूप में देखा जा रहा है। यूक्रेनी योग शिक्षकों की मदद करने के लिए उन्हें ट्रॉमा से निपटने के लिए उपकरण भी दिए जा रहे हैं। इसके लिए कई योजनाएं चलाई जा रही है। फाल्कन फोर्स जैसी यूक्रेनी सेना की कुछ विशेष फोर्स भी योग को अपने प्रशिक्षण में शामिल कर रही हैं।

यूक्रेन में योग को बढ़ावा देने के लिए एक कार्यक्रम चला रही वेलेरिया सम्बोर्स्काया भी इस बात से सहमत हैं। वह कहती है, हमने देखा है कि प्रभावित सैनिक पार्कों के पास जाने से डरते हैं क्योंकि वे फ्रंटलाइन पर वन क्षेत्रों में घायल हो गए थे। लेकिन योग के कुछ सत्रों, विशेष रूप से प्राणायाम के बाद, वे अपने मानसिक ट्रॉमा से उबरने में सक्षम हैं। डेनिसोवा आगे कहती हैं, मैं एक यूक्रेनी के रूप में दुनिया को यह अद्भुत प्राचीन ज्ञान देने के लिए भारत का पर्याप्त धन्यवाद नहीं कर सकती। रिपोर्ट के मुताबिक फियर्स कैलम जैसी चैरिटी सैनिकों के पुनर्वास में योग को शामिल करती है और ट्रॉमा कम करने में भी मदद करती है। यूक्रेनी सैनिक यूक्रेन युद्ध की सीमा पर अपने योग मैट बिछाते हैं और योग का अभ्यास नियमित रूप से करते है। 225वीं सेपरेट असॉल्ट ब्रिगेड के कमांड पोस्ट पर तैनात 37 वर्षीय कमांडर का कहना है कि योग ने उनके जीवन को बदल दिया है। उन्होंने कहा, युद्ध की शुरुआत से पहले, 2014 में, मुझे सेना के अभियानों में शामिल किया गया था और मेरी रीढ़ की हड्डी में चोट लग गई थी। मैंने 2016 में नियमित रूप से योग का अभ्यास करना शुरू किया। युवा कमांडर कहते हैं, मेरी सभी समस्याएं गायब हो गई हैं। योग अब युद्ध में उनकी जिम्मेदारियों को पूरा करने में उनकी मदद करता है। मैं हमेशा आसन और प्राणायाम करने की कोशिश करता हूँ, और हरे कृष्ण महामंत्र पढ़ता हूँ। इससे मुझे अपनी भावनाओं पर बेहतर नियंत्रण रखने में मदद मिलती है। 2021 में यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लादिमीर ज़ेलेंस्की ने योग को बढ़ावा देने के लिए हेल्दी यूक्रेन कार्यक्रम की शुरुआत की थी। कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक पार्कों को फिटनेस क्लब में बदल दिया गया। इसमें ट्रेनर्स निःशुल्क कक्षाएं आयोजित करते हैं। परियोजना में योग को बढ़ावा देने के लिए एलेना साइडर्सका को जिम्मेदारी दी गई है। वह कहती हैं, योग के लिए जबरदस्त प्रतिक्रिया थी। यूक्रेन में योग के जाने माने हस्ती साइडर्सका के पिता एंड्री साइडर्सकाई कहते हैं कि उनके देश में भारतीय योग की जड़ें बहुत पुरानी हैं।

चीन गुप्त रूप से शक्तिशाली हथियार इकट्ठा कर सकता: रिपोर्ट

चीन (एजेंसी)। आधुनिक युद्ध में, हर सैन्य महाशक्ति कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से बढ़त हासिल करने के लिए गुप्त हथियारों की दौड़ में लगी हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, चीन गुप्त रूप से एक शक्तिशाली नया हथियार इकट्ठा कर सकता है। एक हालिया रिपोर्ट, जिसका शीर्षक एआई क्षमताओं का ओपन-सोर्स असेसमेंट है, का दावा है कि चीन एआई प्रशिक्षण डेटासेट विकसित करने के लिए अमेरिकी युद्धपोतों की ओपन-सोर्स इंटेलिजेंस (ओशींट) छवियों का उपयोग कर रहा है। रिपोर्ट में अजीबोगरीब झोउसिदुन डेटासेट को उजागर किया गया है, जिसमें 600 से ज़्यादा तस्वीरें शामिल हैं, जो अमेरिकी आर्ले बर्क-क्लास विध्वंसक और अन्य सहयोगी नौसैनिक जहाजों के अंदरूनी कामकाज का विस्तृत विवरण देती हैं। बीआरएसएल का सुझाव है कि डेटासेट की लक्षित, सैन्य प्रकृति और इस साझा करने वाले खाते की संभावित अकादमिक उत्पत्ति के कारण, यह संभावना है कि यह डेटासेट गलती से प्रकाशित हो गया था।

झोउसिदुन डेटासेट क्या है?

अगस्त 2023 में, बर्कले रिस्क एंड सिक्योरिटी लैब के शोधकर्ताओं ने चीनी मूल के डेटासेट की खोज की जिसका नाम झोउसिदुन है। यह डेटासेट, जिसे संभवतः शंघाईटेक यूनिवर्सिटी द्वारा साझा किया गया था, रोबोफोलो पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया था, जो डेटासेट साझा करने और मशीन लर्निंग मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए एक प्लेटफ़ॉर्म है। झोउसिदुन में अमेरिका के डरावने अर्लीघ बुर्क-क्लास विध्वंसक और अन्य सहयोगी नौसैनिक दिग्गजों की शारीरिक रचना को चिकित्सकीय रूप से विघटित करने वाली 608 कसकर केंद्रित छवियां थीं। पूरे जहाज की प्रोफाइल को कैप्चर करने के बजाय, इन भयावह छवियों ने ज़मीनी और उपग्रह दोनों तरह की टोही का उपयोग करते हुए डीडीजी के अत्याधुनिक एजिस लड़ाकू सिस्टम पर जुनूनी ढंग से ज़ूम इन किया। सैन्य क्षमताओं में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का एकीकरण दुनिया भर में प्रमुख सैन्य शक्तियों के लिए मानक अभ्यास बन गया है। यह समझना कि ये एआई मॉडल कैसे काम करते हैं, रणनीतिक लाभ बनाए रखने और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है।

अंतरिक्ष से सुनीता विलियम्स की वापसी पर संकट, स्पेसक्राफ्ट के लौटने का मिशन स्थगित

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अंतरिक्ष यात्रियों के पहले दल को ले जाने वाले स्टारलाइनर की वापसी को स्थगित कर दिया गया है। नासा ने इसके वापसी की कोई नई तारीख नहीं बताई है, जिससे सवाल उठ रहे हैं कि मिशन के दो अंतरिक्ष यात्री कब लौटेंगे। टेस्टिंग और तकनीकी मुद्दों के कारण पहले से ही देरी हुई है। अंतरिक्ष यान की वापसी पहले 26 जून को निर्धारित की गई थी। अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स ने 5 जून को उड़ान भरी थी। नासा ने जानकारी दी कि 2019 के बाद से इसे दो बार बिना मनुष्यों के अंतरिक्ष में भेजा गया है। इसके थ्रस्टर्स को पांच विफलताओं और पांच हीलियम रिसाव का सामना करना पड़ा है। नासा और बोइंग को खराबी का सामना करना पड़ा और अतिरिक्त परीक्षण करने पड़े, जिससे यह सवाल उठता है कि वास्तव में स्टारलाइनर अपने चालक दल को कब तक वापस ला सकेगा। इसके आलावा इस अंतरिक्ष यान की कई समस्याएं सामने आई हैं।

स्टारलाइनर 6 जून को डॉक करने के लिए स्पेस स्टेशन के करीब पहुंचा तो थ्रस्टर फेलियर देखा गया। इस कारण अंतरिक्ष यान स्पेस स्टेशन के करीब तब तक नहीं गया जब तक खराबी ठीक नहीं कर ली गई। स्टारलाइनर को वापस पृथ्वी पर लौटाना अंतरिक्ष यान के परीक्षण मिशन के सबसे जटिल चरणों में से एक है। नासा अधिकारियों का कहना है कि वे स्टारलाइनर की लगभग छह घंटे की वापसी यात्रा शुरू करने से पहले थ्रस्टर फेलियर, वाल्व समस्या और हीलियम रिसाव के कारणों को बेहतर ढंग से समझना चाहते हैं। स्टारलाइनर की वर्तमान उड़ान में केवल एक थ्रस्टर डेड है। बोइंग को 2022 में चालक रहित स्पेस कैप्सूल की वापसी के दौरान चार थ्रस्टर समस्याओं का सामना करना पड़ा था। कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए 4.5 बिलियन डॉलर के नासा डेवलपमेंट कॉन्ट्रैक्ट के अलावा लागत में वृद्धि पर 1.5 बिलियन डॉलर खर्च किए हैं। नासा चाहता है कि स्टारलाइनर दूसरा अमेरिकी अंतरिक्ष यान बने जो स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन के साथ अंतरिक्ष यात्रियों को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक ले जा सके। बोइंग का स्टारलाइनर कार्यक्रम वर्षों से सॉफ्टवेयर गड़बड़ियों, डिजाइन समस्याओं और उपठेकेदारों के विवाद से जूझ रहा है।

सेना में जाकर लड़ने की चाह भारत-चीन से ज्यादा पाकिस्तानी युवाओं में

-रिपोर्ट से खुलासा- इजराइल, अमेरिका, जापान, ताइवान जैसे देशों में सैनिकों की कमी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। दुनिया के कई ऐसे देश जो युद्ध लड़ रहे हैं या फिर निकट भविष्य में हमले की आशंका के चलते चिंतित हैं। ये देश अपनी सैन्य तकनीक बढ़ा रहे हैं और रक्षा बजट में भी इजाफा कर रहे हैं। इसके बावजूद इनके पास सेना में भर्ती के लिए युवाओं का टोटा है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण रूस और यूक्रेन युद्ध है।

दोनों ही देश लड़ने के लिए सैनिकों की भारी कमी का सामना कर रहे हैं। यहां तक कि अमेरिका भी ऐसी समस्या का सामना कर रहा है। अमेरिकी युवा भी सेना में भर्ती होना नहीं चाह रहे हैं। एशिया के देशों को भी पर्याप्त सैनिकों को बनाए रखना एक कठिन चुनौती बनता जा रहा है, हालांकि इस मामले में पाकिस्तान के युवा अलग हैं और फौज में जाने के लिए उत्साहित भी हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक इजरायल जैसा युद्ध में उलझा देश या लड़ाई की आशंका का सामना कर रहे जापान, दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे देश भी सैनिकों की कमी का सामना कर रहे हैं। इजरायल की भी प्रतिष्ठा दांव पर है। इजरायल के पास केवल 15,000 सक्रिय लड़ाकू सैनिक हैं। इजरायल इस समय रिजर्विस्टों और रिजर्व ब्रिगेडों पर निर्भर है। इन आरक्षित लोगों में किसान और कर्मचारी हैं।

ताइवान को भी चीनी हमले का डर है लेकिन सैनिक उसके पास नहीं है। ताइवान विदेशी नागरिकों को सेना में भर्ती करने पर विचार कर रहा है। अमेरिका भी गैर-अमेरिकियों को सेना में शामिल होने और नागरिकता के लिए आवेदन करने की अनुमति देता है। दक्षिण कोरिया के सामने भी घटती सैनिकों की संख्या समस्या बन रही है।

जापान की सेना में भी हर साल सेना की भर्ती में कमी आ रही है। पिछले दस सालों में पिछले नवंबर में एसडीएफ के लिए आवेदकों की संख्या में करीब 30 फीसदी की गिरावट आई है। गैलप इंटरनेशनल के 2015 के एक सर्वेक्षण में पाया था कि जापानी अपने देश की खातिर लड़ने के लिए कम इच्छुक थे, केवल 11फीसदी ने ही कहा कि वे ऐसा करेंगे, जबकि दक्षिण कोरिया में 42फीसदी और चीन में 71फीसदी युवा सेना में जाकर लड़ने को तैयार थे। रिपोर्ट कहती है कि सबसे बड़ी सेना वाला देश चीन भी 71 फीसदी युवाओं के सेना में जाकर लड़ने के इच्छुक होने के बावजूद पर्याप्त भर्तियों को आकर्षित करने के लिए संघर्ष कर रहा है। दिलचस्प बात यह है कि गैलप सर्वे में पाकिस्तान के युवा चीन और भारत से आगे हैं। पाकिस्तान के 89 फीसदी युवा सेना में जाकर लड़ने के इच्छुक हैं। भारत के 75 फीसदी और चीन उससे भी कम 71 फीसदी पर है। इस सूची में 94 फीसदी के साथ मोरक्को और फिजी शीर्ष पर हैं।

नौकरों को बंधक बनाने और कम वेतन देने के मामले में हिंदुजा परिवार को साढ़े 4 साल की सजा

जेनिवा (एजेंसी)। दुनिया में गिने चुने अमीरों में शुमार हिंदुजा बंधुओं पर नौकरों को परेशान करने का आरोप लगा है। अपने नौकरों के पासपोर्ट रखकर उन्हे कहीं भी जाने से रोका गया और हर रोज 18 घंटे काम कराया गया। बदले में सिर्फ 655 रुपए दिए गए। मामला कोर्ट में पहुंचा तो स्विस कोर्ट ने हिंदुजा परिवार के चार लोगों प्रकाश और कमल हिंदुजा सहित उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को साढ़े चार जेल की सजा सुना दी। भारतीय मूल की हिंदुजा फैमिली को ब्रिटेन के सबसे अमीर परिवार में गिना जाता है। अब इस फैमिली के चार लोगों को स्विट्जरलैंड की कोर्ट ने साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई है। ये सभी धनकुबेर अपने घरेलू नौकरों पर 'अत्याचार' को लेकर मुश्किल में घिरे हैं। इन पर आरोप लगे कि वे भारत से कुछ लोगों को जेनेवा के अपने एक मैंशन में काम करने के लिए लाए थे। स्विस प्रशासन का आरोप है कि हिंदुजा परिवार ने इन लोगों के पासपोर्ट रख लिए थे और इनके कहीं आने-जाने पर पाबंदियां लगा रखी थीं।

इसके साथ ही इन्होंने उन लोगों से ज्यादा देर काम करवाएं और मेहनताने में रोजाना महज 8 डॉलर (करीब 650 रुपये) के हिसाब से पैसे दिए। उधर हिंदुजा परिवार को मिली इस सजा के लिए उनके वकील की दलीलों को भी जिम्मेदार माना जा रहा है, जिन्होंने कम सैलरी के आरोपों को नकारा ही नहीं। ऐसे में स्विस कोर्ट ने हिंदुजा परिवार के चार लोगों प्रकाश और कमल हिंदुजा सहित उनके बेटे अजय और बहू नम्रता को साढ़े चार जेल की सजा सुना दी। इस मामला में स्विस प्रशासन की तरफ से पेश सरकारी वकील य्वेस बेरतोसा ने कोर्ट में कहा, 'उन्होंने (हिंदुजा परिवार ने) अपने एक कुत्ते पर एक नौकर से ज्यादा खर्च किया।' उन्होंने बताया कि इस परिवार ने अपने एक कुत्ते के रखरखाव और खाने पर सालाना 10 हजार अमेरिकी डॉलर (साढ़े 8 लाख रुपये) खर्च किए, जबकि एक घरेलू नौकर को एक दिन में 18 घंटे काम करने पर रोजाना सिर्फ 7.84 डॉलर यानी केवल 655 रुपये मिले थे। हिंदुजा परिवार के वकीलों ने कम सैलरी होने के आरोपों को नकारा नहीं है, लेकिन कहा है जो वेतन तय था, उसमें रहना और खाना भी शामिल था। वहीं ज्यादा देर तक काम करवाने के आरोपों पर उनके वकील ने कहा कि बच्चों के साथ फिल्म देखने को काम नहीं माना जा सकता है। इन वकीलों ने कोर्ट में दलील दी कि जिन लोगों को पीड़ित बताया जा रहा है, वे लगातार कई मौकों पर हिंदुजा परिवार के लिए काम कर चुके हैं। उन्होंने कहा, यह इस बात को दर्शाता है कि सभी काम के माहौल से संतुष्ट थे। हालांकि कोर्ट ने इस आरोप को सच पाया कि हिंदुजा परिवार में काम करने वाले नौकरों के पासपोर्ट रख लिए गए थे। ऐसे में वह स्वतंत्र रूप से कहीं आ-जा नहीं सकते थे। हिंदुजा परिवार के लिए यही बात मुश्किल बढ़ाने वाली रही, क्यों स्विस कानून में इसे मानव तस्करी माना जाता है। इसी वजह से हिंदुजा परिवार को साढ़े 4 साल जेल की सजा सुनाई गई।

संक्षिप्त खबरें

आजसू की 39 वां स्थापना दिवस को बलिदान दिवस के रूप में मनाया

जादूगोड़ा(बिभा): घाटशिला विधानसभा क्षेत्र के मुसाबनी प्रखंड में आजसू कार्यालय में पूर्व जिला परिषद बुदेश्वर मुर्मू के नेतृत्व में आजसू की 39 वां स्थापना दिवस को बलिदान दिवस के रूप में मनाया गया है। इस पर पूर्व जिला पार्षद ने कहा कि आजसु को बनाने में जो बलिदान दिये है उन्ही को लेकर बलिदान दिवस मनाया गया । उनके योगदान को, बलिदान को, आज के दिन में याद किया गया जिस उद्देश्य के साथ आजसु पार्टी की स्थापना हुई थी की झारखंड को एक राजनीतिक के रूप में झारखंड राज को सजाने -संभालने का संकल्प लिया था जिसे आजसु पार्टी पूरा करेगी । इस कार्यक्रम में उपस्थित जिला परिषद लक्ष्मी मुर्मू, आजसू जिला संगठन ओमियो महतो, झारखंड आंदोलनकारी तरुण पातर, विपिन पातर, रविसिंह आदि सदस्य मौजूद थे ।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

जादूगोड़ा(बिभा): निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कैम्प का आयोजन धलमुरगढ़ जिला परिषद हेमन्त मुंडा द्वारा किया गया, नेत्र जांच में आए संजीवनी नेत्रालय से चिकित्सक विवेक कुमार एव उनके टीम के सहयोग से 26 लोगो का नेत्र जांच किए गए, जांच में चयनित 04 मोतियाबिंद मरीजों का ऑपरेशन निशुल्क संजीवनी नेत्रालय जमशेदपुर में किया जायेगा, न्यूट्रिशन हेल्थ काउंसलिंग जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने क्वांटम मैग्नेटिक एंलाइजर एव दीपा कौर ने बीएमआई अत्याधुनिक तकनीक मशीन द्वारा 43 लोगों को शारीरिक स्वस्थ जॉच कर आयुर्वेदिक औषधि एव घरेलू उपचार द्वारा लोगों को स्वस्थ रहने की सलाह दी, जॉच में जोड़ो के दर्द, एसिडिटी की समस्या, नींद का ना आना, स्किन की समस्या, कमजोरी लगाना, महिला संबंधित समस्या से काफी लोग परेशान थे, साथ में ब्लड प्रेशर और ब्लड शुगर की जॉच भी निशुल्क किए गए, साथ ही सभी को जॉच रिपोर्ट भी निशुल्क दी गई, कल रविवार को कनाश गांव के पंचायत भवन में निशुल्क स्वस्थ जॉच शिविर कैंप किए जायेगे, जिला परिषद हेमंत मुंडा एव गांव के मुखिया आरसू मुनी टुडू के साथ कई ग्रामीण उपस्थिति रहे।

नशा मुक्त सामाज निर्माण को ले निकाली गई प्रभात फेरी

लोहरदगा(बिभा)। प्रखंड क्षेत्र के अलौदी पंचायत अन्तर्गत हेसवे ग्राम में शनिवार को मध्य विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाएँ व छात्र छात्राओं द्वारा नशा मुक्त समाज निर्माण को लेकर प्रभात फेरी निकाल जागरूक किया गया.जागरूकता प्रभात फेरी प्रधाननध्यापक सुखुआ उराँव व संकुल संसाधन सेवी बिरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में प्रभातफेरी विधालय प्रांगण से प्रारम्भ हो कर होकर पूरे गाँव का भ्रमण कर पुनः विधालय प्रांगण पहुँचा. वही संकुल संसाधन सेवी विरेन्द्र कुमार ने प्रभात फेरी के माध्यम से छात्र-छात्राओं को बताते हुए कहा की नशा मुक्त सामाज का निर्माण के लिए खुद को नशा से दूर रखें. नशा नाश का मुख्य स्त्रोत है.लक्ष्य लेकर खेल कूद व पढ़ाई में आगे बढ़ने का नशा रखें और माँ पिताजी भाई बहन को शराब,गंजा,भांग,सिगरेट,गुटखा जैसे अन्य नशीला पदार्थ से दूर रहने के लिये प्रेरित करें. साथ ही साथ अगल बगल पड़ोस के व्यक्तियों को भी नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करे तथा समय समय पर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से क्षेत्र में नशा से होने वाली समस्याओं को दिखाये समझाये.मौके पर प्रधानध्यायपक सुखुआ उराँव, संकुल संसाधन सेवी विरेन्द्र कुमार, अमर भगत,शिक्षिका कांति किंडो,मुनिता कुमारी के अलावे विद्यालय के सभी छात्र छात्राएँ उपस्थित थे।

ठनका गिरने से दो बैलो की हुई मौत

लोहरदगा(बिभा)। कैरो प्रखंड क्षेत्र के नरौली पंचायत अंतर्गत नागजुआ गांव में 21 जून दिन शुक्रवार को दोपहर हल्की बाँदा बूंदी बारिस एवं गर्जन के साथ हुए बज्रपात से नागजुआ निवासी बंधु उरांव का दो बैल का मौके पर मौत हो गया। जिससे पशुपालक किसान को लाखों रुपए का नुकसान हो गया। बताया जाता है कि घटना के समय दोनों बैल को किसान पेड़ के नीचे बांधकर खाने के लिए चारा दिया था। अचानक ठनका गिरा और दोनों बैल की मृत्यु घटनास्थल पर ही हो गया। वहीं पशुपालक किसान को लाखों रुपए का नुकसान होने से किसान बंधु उरांव ने उचित मुआवजा के लिए अंचलाधिकारी से बात किया। प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी ने कहा कि पशुपालक को सरकारी प्रक्रिया पूरी करने के बाद सरकार द्वारा प्रावधान राशि पीडित किसान को दिया जाएगा।

इंटक का वार्षिक महासम्मेलन सह आम सभा का हुआ आयोजन

कंपनी के मनमानी नहीं चलने दी जाएगी: धीरज प्रसाद साहू

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। राजेंद्र भवन में छोटानागपुर बॉक्साइट कोल वर्कर्स यूनियन ,इंटक का वार्षिक महासम्मेलन सह आम सभा का आयोजन किया गया, महासम्मेलन की शुरूआत पूर्व सांसद स्वर्गीय शिवप्रसाद साहू जी की तस्वीर पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू उपस्थित थे। मौके पर सर्वप्रथम आय- व्यय का ब्योरा इंटक नेता अशोक यादव द्वारा प्रस्तुत किया गया ,उसके पश्चात नई कमेटी के लिए सर्वसम्मति से धीरज प्रसाद साहू को महासचिव चुन लिया गया।उनके नाम का प्रस्ताव इंटक नेता मोहम्मद सोहराब ने रखा, इसका समर्थन इंटक नेता सत्येंद्र यादव ने किया। महासचिव के चुनाव के पश्चात आगे अध्यक्ष सहित अन्य कमेटी के गठन के लिए सर्वसम्मति से धीरज प्रसाद साहू को अधिकृत किया गया है। महासम्मेलन का संचालन झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव डॉक्टर लाल अजय शाहदेव ने किया।सम्मेलन में अपने संबोधन में धीरज प्रसाद साहू ने महासचिव चयन होने पर सभी के प्रति आभार प्रकट किया एवं कहा कि आज हजारों की संख्या में विभिन्न माइंसों, विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए हमारे मजदूर भाई-बहन एवं इंटक के सदस्यों का मै तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं और आने वाले वर्ष में इंटक को और मजबूत करते हुए एक नए कलेवर में आपको पूरी टीम देखने को मिलेगी। श्री साहू के संबोधन के पश्चात हजारों की संख्या में धीरज प्रसाद साहू के नेतृत्व में पैदल रैली के रूप में सभी लोग हिंडाल्को कंपनी मुख्यालय कोर्ट रोड पहुंचे जहां पर आम सभा का आयोजन किया गया। सभा का संचालन झारखंड

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व महासचिव डॉक्टर लाल अजय सहदेव ने किया ,श्री सहदेव ने अपने संबोधन में कहा की कंपनी अंग्रेजों की तरह काम करना चाहती है और लोहरदगा में फूट डालो राज करो की नीति पर काम कर रही है कंपनी से जुड़े हुए मजदूर, ट्रक मालिक, लेबर लोडर अनलोडर सारे लोग त्रस्त हैं, अब वक्त आ गया है कंपनी को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा, सभा को संबोधित करते हुए इंटक नेता सह पूर्व सांसद प्रतिनिधि अशोक यादव ने कहा की हिंडाल्को हम लोगों के सब्र का इम्तिहान ना ले ,लोहरदगा की हजारों हजारों की संख्या में उपस्थित जनता यह बताने के लिए काफी है कि अगर हिंडाल्को अपनी हरकतों से बाज नहीं आई तो एक बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। सभा को संबोधित करने वालों में जिला परिषद अध्यक्ष रीना कुमारी ,पूर्व उपयुक्त दिलीप कुमार टोप्पो, जिला परिषद सदस्य संदीप गुप्ता, सामाजिक कार्यकर्ता उदय साहू ,उदय गुप्ता, अरविंद पाठक, रवि डे,सोहराब अंसारी , सखमूल अंसारी इंटक नेता चंदवा से सत्येंद्र यादव ,लोहरदगा गुमला ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष कवलजीत सिंह ,झारखंड ट्रक ओनर एसोसिएशन विमरला के अध्यक्ष बिनय राम बिन्नू झारखंड पठारी चंदवा ट्रक ओनर एसोसिएशन के सचिव धर्मेंद्र कुमार मुंद्रिका यादव ,चंदवा ट्रक ओनर एसोसिएशन के अध्यक्ष रोहित अग्रवाल जॉनी सहित अन्य लोग शामिल थे। मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व राज्यसभा सांसद एवं इंटक के महासचिव धीरज प्रसाद साहू ने कहा की हिंडाल्को प्रबंधन अपनी मनमानी करना चाहता है जो की इंटक बर्दाश्त नहीं करेगी, कंपनी मजदूरों के हितों के साथ खिलवाड़ कर रही है चाहे वह विमरला का मामला हो या बगडु का मामला हो ,वहीं दूसरी तरफ ट्रक मालिकों का भी शोषण कर रही है एग्रीमेंट के मुताबिक ट्रिप नहीं दिया जा रहा है , ट्रक मालिकों को विभिन्न तरीकों से परेशान किया जा रहा है और यहां चलने वाले लगभग 2000 छह चक्का ट्रक को खत्म करने की साजिश कंपनी रच रही है ,बड़ी गाड़ियों का परिचालन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, कंपनी को यहां के स्थानीय लोगों को और ट्रक मालिकों को रोजगार देना होगा ,कंपनी भाई को भाई से लड़ाने का प्रयास कर रही है हम इसकी सख्त निंदा करते हैं और हम अपील करते हैं की सभी मजदूर ,ट्रक मालिक, लोडर ,अनलोडर ,चालक ,सह चालक एकजुट होकर कार्य करें और अभी तो कंपनी को यह ट्रेलर दिखाया गया है अगर कंपनी ट्रक मालिको, मजदूर की मांगों को नहीं मानती है और बड़े ट्रकों का परिचालन हेसल साईडिंग में बंद नहीं करती है तो कंपनी के सारे कार्यों को ठप कर दिया जाएगा, यहां से एक टुकड़ा बॉक्साइट कहीं ले जाने नहीं दिया जाएगा और सभी माइंस में खनन कार्य भी बंद कराया जाएगा और जरूरत पड़ने पर हजारों की संख्या में हिंडाल्को मुख्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना दिन एवं रात का शुरू किया जाएगा, कंपनी का हुक्का पानी बंद कर दिया जाएगा, जबकि दूसरी और झारखंड सरकार के द्वारा साफ कहा गया है कि खनन करने वाली कंपनियों को यहां के स्थानीय लोगों को 75% नियुक्ति करनी होगी ,लेकिन हिंडाल्को सरकार की बात भी नहीं मान रही है इसको लेकर हिंडाल्को पर कड़ी कार्रवाई के लिए लिखा जाएगा और बड़ी गाड़ियों के परिचालन के विरोध में हिंडाल्को बॉक्साइट माइन्स में चलने वाले सभी ट्रक 25 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे और श्री साहू ने कहा कि मेरे और मेरे परिवार के लोगों ने हमेशा लोहरदगा की जनता की भलाई का कार्य किया है ,आगे भी मैं लोहरदगा की जनता के साथ खड़ा हूं और जिस तरीके से भी हो मैं जनता को पूरा सहयोग करूंगा और कंपनी के मनमानी नहीं चलने दी जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुडु प्रखंड अध्यक्ष तनवीर गौहर मोहम्मद आजाद खान, वरिष्ठ कांग्रेस नेता सच्चिदानंद चौधरी कुडु उप प्रमुख एनुल अंसारी भंडरा प्रखंड अध्यक्ष जुगल उरांव सेन्हा प्रखंड अध्यक्ष अनिल उरांव ,शामूल अंसारी ,पूर्व जिला परिषद सदस्य विनोद खरवार ,संतोष साहू बरज सिंह अभय सिंह राजेश शर्मा संजीव शर्मा शशिकांत दास रहमान अंसारी इनामुल अंसारी अनिल असुर बालेश्वर महतो जतरु मुंडा सहित हजारों हजार की संख्या में इंटक के कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मजदूर ट्रक मालिक,ट्रक चालक उपस्थित थे।

एक युद्ध नशे के विरुद्ध भाषण तथा प्रभात फेरी कार्यक्रम में स्कूली बच्चे हुए शामिल

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। राजकीय मध्य विद्यालय ककरगढ़ मे एक युद्ध नशे के विरुद्ध कार्यक्रम के तहत भाषण प्रतियोगिता एवं प्रभातफेरी निकाली गई जिसमें बच्चे पोस्टर ,बैनर तथा नारे लगा रहे थे इस प्रभातफेरी का मुख्य रूप से नेतृत्व पंचायत ककरगढ़ की मुखिया श्रीमती चेमनी टोप्पो एवं प्रहरी क्लब के नोडल शिक्षक जसीम जी के नेतृत्व में कर रहे थे साथ ही पंचायत के समाज सेवी रोजामत अंसारी तथा अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। प्रभात फेरी के अंत में चेमनी टोप्पो ने सभी उपस्थित बच्चों एवं ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए कहा कि आज का यह जागरूकता प्रभात फेरी के द्वारा हमें सभी लोगों को नशा से दूर रहने के लिए प्रेरित करना है तथा खुद भी नशे से दूर रहना है तथा जिस तरह इतने कम समय में बच्चों ने प्रभातफेरी की तैयारी की वो बहुत ही प्रशंसनीय है इसी तरह अगर बच्चों के साथ अभिभावक भी जागरूक रहें तो हमारा पंचायत पूरी तरह नशा मुक्त हो सकता है।

तपती गर्मी में कुडू के लोग पानी के लिए हो रहे पानी-पानी

ग्रामीणों द्वारा चापाकल पर हो रहा है कब्जा

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। कुडू और आसपास के इलाके भीषण जल संकट जूझ रहे हैं ' आसपास के कई जल के स्त्रोत सूख चुके हैं कई पेयजल के स्त्रोतों पर विभागीय उदासीनता के कारण दबंगो का कब्जा हो चुका है दबंगों द्वारा मशीन लगाकर अपने निजी इस्तेमाल मे लाया जा रहा है और चापाकल पर उनका कब्जा है महिलाएं दूसरे मोहल्ले से पानी लाने को मजबूर हैं।और यह सारा खेल विभागीय कर्मचारियों के मिली भगत से ही संभव है। महिलाएं इस भीषण गर्मी में दूसरे मोहल्ले से पानी लाने को मजबूर हैं यदि कोई चापाकल खराब हो जाता है तो पेयजल विभाग के कर्मचारियों द्वारा मरम्मत और पाइप बदलने के नाम पर मोटी रकम वसूली जाती है। कुडू बाजार टांड

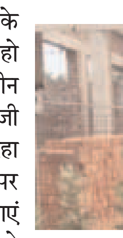

स्थित एक सोलर जलमीनार को विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत से हड़प लिया गया है कुडू बाजार आये किसानों, व्यापारियों एवं आम जनता को पानी के लिए काफी तरसना पड़ता है।जनता द्वारा पूछे जाने पर कर्मचारियों द्वारा सरकारी दस्तावेजों पर चापाकल के डेड हो जाने की बात कहीं जाती है।कहा जाता है कि इसलिए अब इस तरह चापाकल की मरम्मत नहीं होगी। पैसा वसूल कर खास लोगों को निजी कनेक्शन कर दिया जाता है। आलम यह है के अधिकारियों के फोन करने के बावजूद यह किसी की नहीं सुनते और पैसा नहीं देने पर कई बार बुलाने पर भी नहीं आते। सरकारी कागजों पर खाना पूर्ति का गोरख धंधा पूरे प्रखंड मे चल रहा है।

मानव श्रृंखला बनाकर नशा मुक्ति हेतु किया गया जागरूक

बिभा संवाददाता

लोहरदगा। नगर परिषद लोहरदगा के द्वारा नशा मुक्त लोहरदगा के संकल्प को पूरा करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कस्तूरबा विद्यालय से पार्क तक मानव श्रृंखला बनाकर लोगो को नशा मुक्ति हेतु जागरूक किया गया । तत्पश्चात कस्तूरबा विद्यालय से नगर परिषद कार्यालय तक रैली निकाला गया। इस कार्यक्रम में प्रशासक नगर परिषद,समाज कल्याण पदाधिकारी, नगर प्रबंधक अनिल उरांव,नगर मिशन प्रबधक राकेश कुमार,नगर परिषद के कर्मी, ,स्वयं सहायता समूह की महिलाएं, विद्यार्थी ,एनसीसी के कैडेट,नगर परिषद के सफाई कर्मी एवं अन्य लोग शामिल हुए। नगर परिषद के प्रशासक जयपाल सिंह के द्वारा तीन भाषा में नशा के हानियों से संबंधित गीत गाकर नागरिकों का ध्यान आकृष्ट कराया गया।

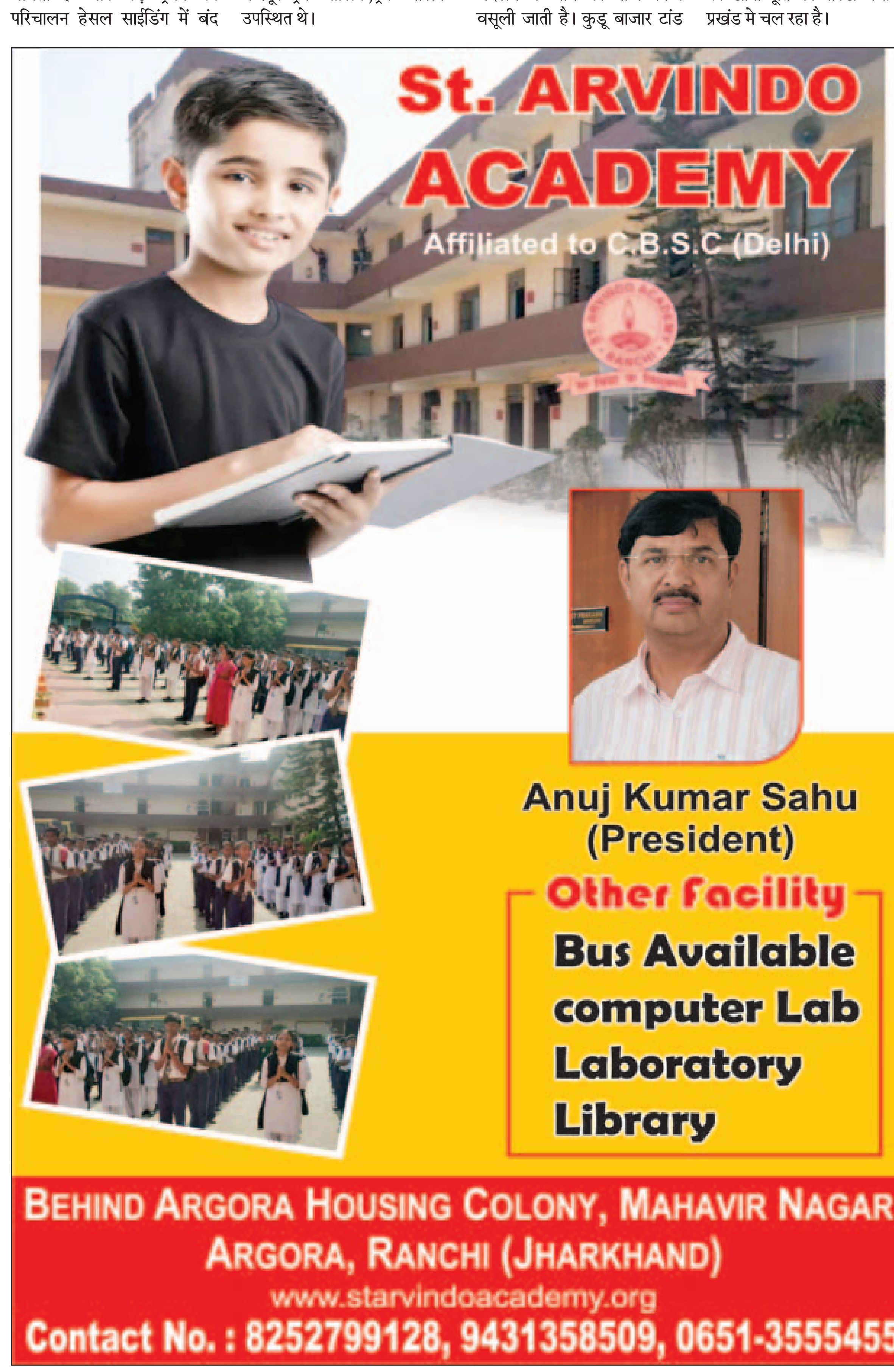

प्रयास लाया रंग, सुवर्ण रेखा परियोजना के कैनल विभाग करने में लगी है रास्ते की सुधार

जरूरत से अधिक ऊंचा मुख्य पथ पर पुलिया बनाकर इस इलाके को दुर्घटना जोन बना दिया : नेताद्वय

बिभा संवाददाता

जादूगोड़ा: ज्ञात हो 'जादूगोड़ा-टाटा' मुख्य मार्ग पर गोड़ाडीह के समीप कैनल विभाग द्वारा जो कुतुब मीनार नुमा पुलिया बना कर दोनों तरफ का पंहुच पथ ऊबड़ - खाबड़ छोड़ दिया गया था। जिससे इस सड़क में आवागमन की बहूत बड़ी समस्या उत्पन्न हो रही थी। उक्त विषय को लेकर बीते 12 तारीख को चैयर मेन बुलू रानी सिंह एवं पोटका के पूर्व जिला पार्षद करुणा मय मंडल द्वारा एक प्रतिनिधि मंडल के साथ उपायुक्त पूर्वी सिंहभूम के कार्यालय में जाकर लिखित आवेदन दी गई थी तथा आने वाली बर्षात के मौसम को देखते हुए जनहित में जब तक पुलिया की सुधार नहीं कि जाती है तब तक पुलिया के साइड में जो कच्ची रास्ता बनाई गई है उसे सभी प्रकार

के गाड़ियों की आवाजाही की सक्षम एवं सुरक्षित बनाया जाय तथा पुलिया को रास्ते की बराबर करवाया जाय ताकि आवाजाही में किसी प्रकार की कोई दिक्कतें ना हो।

अंततः नेताद्वय का प्रयास कुछ रंग लाया है तथा जिला प्रशासन के दवाब से विभाग द्वारा बीते कल से कुछ काम शुरू किया गया है। आज नेताद्वय द्वारा स्थल निरीक्षण के दौरान जंहा योजना की पेटीदार से भेंट हुआ वंही जमीन मालिक (जिनके जमीन में अधिग्रहण से अधिक स्थान पर मिट्टी डाल दी गई है और भी जगह अतिक्रमण कि जा रही है जिसके कारण भी विवाद उत्पन्न हुई है) निर्मल टुडू से। दोनों से बातें हुई। पेटिदार बताया जंहा तक विवाद नहीं है वंहा तक पुलिया का पंहुच पथ को रोड देकर आर.सी.सी. ढलाई पथ बना दिया जाएगा। जमीन मालिक का कहना था - हमें जब तक सरकारी मुआवजा नहीं मिलेगी हम हमारे जमीन के ऊपर ना मिट्टी डालने देंगे ना निर्माण कार्य होने देंगे।

नेताद्वय ने कहा समस्या के जड़ तो विभाग ही है विभाग द्वारा पुलिया का स्थल चयन में जंहा मनमानी कि गई है वंही जरूरत से अधिक ऊंचा मुख्य पथ पर पुलिया बनाकर इस इलाके को दुर्घटना जोन बना दिया गया है जो रास्ते किनारे बोर्ड भी लगा दी गई है। पूर्व पार्षद द्वय ने कहा उपायुक्त से मिलकर पूरी समस्या को रखी जायेगी तथा त्रि स्तरीय वार्ता के माध्यम से उनके देख - रेख में समस्या की त्वरित समाधान की अनुरोध कि जायेगी।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट, भोसले गली, हरिहर सिंह रोड, बरियातू, रांची-834009 (झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि., काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक कविता साहू***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार । Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com